वर्ष-11 अंक-48 पृष्ठ-8 मूल्यः 3 रुपये
प्रयागराज, शुक्रवार 25 अप्रैल 2025

आधुनिक भारत का आधुनिक नजरिया

आधुनिक समाचार

प्रयागराज से प्रकाशित एवं सम्पूर्ण भारत वर्ष में प्रसारित

आधुनिक समाचार नेटवर्क

Download From

Adhunik Samachar

11 YEARS ANNIVERSARY

संक्षिप्त समाचार

कन्या तारामंडल में दिखा विशाल ब्लैक होल, छोड़ रहा तेज चमक

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। शोधकर्ताओं का मानना है कि यह एक अद्वितीय घटना है, जिसने ब्लैक होल की प्रकृति और उसके व्यवहार को लेकर स्थापित धारणाओं को चुनौती दी है। इस आकाशगंगा की ओर वैज्ञानिकों का ध्यान पहली बार 2019 में गया, जब उसमें अचानक असामान्य चमक देखने को मिली। यह चमक इतनी तीव्र थी कि कई दूरबीनें अनायास ही उसकी ओर केंद्रित हो गईं। खगोल विज्ञान की दुनिया में एक रहस्यमयी और रोमांचक खोज ने हलचल मचा दी है। वैज्ञानिकों ने कन्या (विर्गो) तारामंडल में स्थित एक दूरस्थ आकाशगंगा के केंद्र में विशालकाय ब्लैक होल को सक्रिय अवस्था में देखा है, जो अब तक निष्क्रिय माना जा रहा था। यह ब्लैक होल नियमित अंतराल पर तीव्र एक्स-रे विस्फोट उत्पन्न कर रहा है, जिससे खगोलविद हैरान और उत्साहित हैं। यह असामान्य गतिविधि आकाशगंगा पृथ्वी से लगभग 30 करोड़ प्रकाश वर्ष दूर देखी गई है।शोधकर्ताओं का मानना है कि यह एक अद्वितीय घटना है, जिसने ब्लैक होल की प्रकृति और उसके व्यवहार को लेकर स्थापित धारणाओं को चुनौती दी है। इस आकाशगंगा की ओर वैज्ञानिकों का ध्यान पहली बार 2019 में गया, जब उसमें अचानक असामान्य चमक देखने को मिली। यह चमक इतनी तीव्र थी कि कई दूरबीनें अनायास ही उसकी ओर केंद्रित हो गईं। इसके बाद, 2024 में चिली के खगोलविदों ने इसे एक्स-रे दूरबीनों की निगरानी में लिया और पाया कि यह आकाशगंगा नियमित अंतराल पर एक्स-रे की तीव्र चमक छोड़ रही है।आकाशगंगा के इस चमकीले और सघन क्षेत्र को वैज्ञानिकों ने सक्रिय गैलेक्टिक नाभिक के रूप में पहचाना है और इसका उपनाम 'एन्स्की' रखा गया है। यह क्षेत्र अत्यधिक ऊर्जा उत्सर्जन कर रहा है जो ब्लैक होल के चारों ओर बनने वाली अभिवृद्धि (एक्रेशन) डिस्क की उपस्थिति का संकेत देता है। ब्लैक होल के पास जब कोई तारा बहुत अधिक निकट आ जाता है, तो वह गुरुत्वाकर्षण की अत्यधिक शक्ति से खिंचकर टूट जाता है। उसके अवशेष तेजी से घूमते हुए ब्लैक होल के चारों ओर डिस्क बनाते हैं और समय के साथ उसमें समा जाते हैं।

हाईकोर्ट में ईडी के छापे के खिलाफ टीएएसएमएसी की याचिका खारिज

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
मद्रास। मद्रास हाईकोर्ट में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की छापेमारी के खिलाफ टीएएसएमएसी की याचिका खारिज हो गई है। कोर्ट ने पीएमएलए के तहत कार्रवाई करने का निर्देश दिया है। मद्रास हाईकोर्ट ने तमिलनाडु राज्य विपणन निगम (टीएएसएमएसी) और राज्य सरकार की ओर से दायर याचिकाओं को बुधवार को खारिज कर दिया। याचिकाओं में सरकारी शराब की खुदरा विक्रेता टीएएसएमएसी से जुड़े परिसरों पर प्रवर्तन निदेशालय के छापों को चुनौती दी गई थी। जस्टिस एसएम सुब्रमण्यम और जस्टिस के राजशेखर की खंडपीठ ने टीएएसएमएसी की ओर से दायर दो याचिकाओं और तमिलनाडु सरकार की ओर से दाखिल एक याचिका को खारिज कर दिया। साथ ही ईडी को धनशोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत आगे की कार्रवाई करने का निर्देश दिया।टीएएसएमएसी और राज्य सरकार ने सरकारी शराब की खुदरा विक्रेता से जुड़े परिसरों पर ईडी के छह और आठ मार्च के छापों के खिलाफ उच्च न्यायालय का रुख किया था। पीठ ने कहा कि धनशोधन का अपराध देश के लोगों के खिलाफ अपराध है और छापेमारी राष्ट्र के हित एवं लाभ के लिए की गई थी।

एस राजलिंगम बने 69वें मंडलायुक्त, कौशलराज शर्मा ने बाबा के दर्शन कर एक लाख दिए दान

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
वाराणसी। वाराणसी जिले में डीएम के पद पर रहे 2009 बैच के आईएएस अफसर एस राजलिंगम ने मंडलायुक्त का पदभार संभाल लिया है। वहीं जिले के मंडलायुक्त रहे कौशल राज शर्मा को मुख्यमंत्री का सचिव बनाया गया है।उन्होंने बाबा के दर्शन कर एक लाख दान दिए।वाराणसी जिले में अब तक डीएम के पद पर रहे 2009 बैच के आईएएस अफसर एस राजलिंगम ने बुधवार को 69वें मंडलायुक्त का पदभार संभाल लिया। उन्हें निवर्तमान मंडलायुक्त कौशल राज शर्मा ने पदभार ग्रहण कराया। इस दौरान दोनों अफसरों ने कमिश्नरी कार्यालय में बनकर तैयार नए कार्यालय परिसर का उद्घाटन भी किया। वाराणसी के मंडलायुक्त रहे कौशल राज शर्मा को मुख्यमंत्री का सचिव बनाया गया है। मंडलायुक्त एस राजलिंगम ने कर्मचारियों से परिचय लिया और उनके कार्यों के बारे में जानकारी ली। इस दौरान सीडीओ हिमांशु नागपाल, अपर आयुक्त प्रशासन राकेश गुप्ता, अपर आयुक्त न्यायिक सुभाष यादव, अपर निदेशक सूचना सुरेंद्र नाथ पाल, जिला सूचना विज्ञान अधिकारी अविनाश शर्मा आदि मौजूद रहे। निवर्तमान मंडलायुक्त कौशल राज शर्मा ने काशी में साढ़े पांच वर्ष का कार्यकाल समाप्त करने के बाद बुधवार को सपरिवार श्री काशी विश्वनाथ मंदिर में दर्शन किए और बाबा का आशीर्वाद लिया। उन्होंने आज तक किये दर्शन पूजन व्यय के निमित्त एक लाख रुपये की धनराशि का चेक श्री काशी विश्वनाथ मंदिर न्यास को दानकर एक स्वस्थ परंपरा की नींव डाली।

काशी विद्यापीठ में बीकॉम में 60, बीए में बढ़ेंगी 50% सीटें, प्रवेश समिति की बैठक में फैसला

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
वाराणसी। काशी विद्यापीठ में एडमिशन के लिए 25 अप्रैल से ऑनलाइन आवेदन की प्रक्रिया शुरू होगी। बीकॉम में 60झ् तो बीए में 50झ् सीटें बढ़ेंगी। महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ में नए सत्र में दाखिले के लिए दो दिन बाद यानी 25 अप्रैल से ऑनलाइन आवेदन की प्रक्रिया शुरू होगी। इस बार विश्वविद्यालय में बीए में 50 फीसदी सीटें बढ़ाई गई हैं। इसके अलावा बीकॉम में 60 फीसदी सीटें बढ़ाई जाएंगी। इस सत्र में यूजी, पीजी और डिप्लोमा पाठ्यक्रमों में मेरिट के आधार पर दाखिले होंगे। जबकि व्यावसायिक पाठ्यक्रमों में प्रवेश परीक्षा के माध्यम से प्रवेश होगा। बुधवार को प्रवेश समिति की बैठक में प्रवेश प्रक्रिया से जुड़े इन अहम बिंदुओं पर निर्णय लिया गया। कुलपति प्रो. आनंद कुमार त्यागी की अध्यक्षता में हुई बैठक में प्रवेश संबंधी बिंदुओं पर विस्तार से चर्चा की गई। इसमें स्नातक पाठ्यक्रमों के लिए 25 अप्रैल से 20 मई तक और स्नातकोत्तर व डिप्लोमा पाठ्यक्रमों के लिए 1 से 30 जून तक ऑनलाइन आवेदन लिए जाने का निर्णय लिया गया है। बैठक में बीए, बीकॉम में क्रमशः 50 और 60 प्रतिशत सीट वृद्धि के साथ ही प्रवेश शुल्क में 10 प्रतिशत की वृद्धि करने पर मुहर लगी है। मेरिट आधारित पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए स्केल बेस्ड मेरिट लिस्ट बनेगी। माइनर विषयों के लिए छह क्रेडिट का पाठ्यक्रम बनेगा। विश्वविद्यालय के स्नातक पाठ्यक्रमों की प्रवेश प्रक्रिया 1 से 31 जुलाई तक और स्नातकोत्तर व डिप्लोमा पाठ्यक्रमों की प्रवेश प्रक्रिया 15 जुलाई से 14 अगस्त तक पूरी कर ली जाएगी। व्यावसायिक पाठ्यक्रमों में सीट से दोगुने आवेदन आने पर ही प्रवेश परीक्षा कराई जाएगी। बैठक में प्रवेश सेल समन्वयक प्रो. बंशीधर पांडेय, कुलसचिव दीप्ति मिश्रा, वित्त अधिकारी संतोष शर्मा, उप कुलसचिव हरीश चंद, आनंद मौर्य सहित सभी संकायाध्यक्ष, निदेशक, विभागाध्यक्ष मौजूद रहे। कुलपति की अध्यक्षता वाली प्रवेश समिति की बैठक में यह भी फैसला हुआ कि विश्वविद्यालय में एनईपी के तहत प्रवेश प्रक्रिया पूरी की जाएगी। इसके तहत अब सभी पाठ्यक्रमों (बीम्यूज को छोड़कर) में प्रवेश के लिए उम्र की बाध्यता खत्म कर दी गई। बैठक में प्रवेश सेल का भी गठन किया गया विश्वविद्यालय के मुख्य परिसर में बीबीए और एमए एजुकेशन पाठ्यक्रम शुरू किया जाएगा। इसके साथ ही भैरव तालाब परिसर में बीसीए और बीबीए पाठ्यक्रम शुरू करने के प्रस्ताव पर भी सहमति बनी। गंगापुर परिसर में स्नातकोत्तर कृषि पाठ्यक्रम में प्रवेश लिया जाएगा।

पानी का संरक्षण एवं संवर्धन कर बने पानीदारतथा धरती मां की कोख में करे जल संरक्षित- उप मुख्यमंत्री

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
शहडोल। प्रदेश के उप मुख्यमंत्री, लोक स्वास्थ्य परिवार कल्याण एवं चिकित्सा शिक्षा मंत्री एवं शहडोल जिले के प्रभारी मंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल की उपसथित में शहडोल जिले में ब्यौहारी जनपद पंचायत अन्तर्गत ग्राम पंचायत टिहकी में जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत जन चौपाल आयोजित किया गया। जन चौपाल को सम्बोधित करते हुए प्रदेष के उप मुख्यमंत्री श्री राजेंद्र शुक्ल ने कहा कि प्रदेश सरकार पानी का संरक्षण एवं संवर्धन कर पानीदार बनाने का काम कर रही है,जल गंगा संवर्धन अभियान प्रदेश के हर गांव में जन अभियान बन गया है,ऐसा करके हम धरती के कोख से अपने उपयोग में लिए जाने वाले जल को पुनः धरती के कोख में पहुंचा सकेंगे। उप मुख्यमंत्री श्री राजेंद्र शुक्ल ने कहा कि देश के प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी तथा मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव की अगुवाई में देश एवं प्रदेश में निरंतर विकास के कार्य किए जा रहे है, महिलाएं सशक्त हो रही हैं, सामाजिक कार्यों में उनकी सहभागिता बढ़ी है। उन्होंने कहा कि चारों तरफ पुल पुलियों, सड़कों का निर्माण होने से व्यापार के अवसर बढ़ रहें हैं, लोगों को रोजगार मिल रहा है। उन्होंने कहा कि जीवन का पहला सुख निरोगी काया है,सभी लोग निरोगी रहें, इसके लिए सरकार निरोगी काया अभियान चलाकर घर घर सर्वे कराकर रोगियों की पहचान कर रही है, जिससे आमजन को गंभीर बीमारियों से बचाया जा सके। शहडोल जिला इस अभियान में तीसरे स्थान पर है, जिसके लिए जिला प्रशासन तथा सी. एम. एच. ओ. डॉ. राजेश मिश्रा को बधाई दी। जन चौपाल को संबोधित करते हुए विधायक ब्यौहारी श्री शरद कोल ने मै बचपन में देखा है कि गांव के तालाब, कुआं, बावड़ी, में कभी पानी की कमी नहीं होती थी। सभी जगह साल भर पानी भरपूर मात्रा में रहता था, लेकिन अब इस दौर में कुआं,तालाब एवं बावड़ी का पानी गर्मी का सीजन आते ही सूख जाता है। उन्होंने कहा कि हमें आसपास के तालाब, कुआं, बावड़ी सहित अन्य जल संरचनाओं को बचाना होगा। उनकी साफ सफाई कर उनका जीर्णोद्धार करना होगा। विधायक ने कहा कि पानी को सहेजने एवं संरक्षण हेतु प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने प्रदेश भर में जल गंगा संवर्धन अभियान चलाया है। इस अभियान के अंतर्गत प्रदेश भर में विभिन्न प्रकार के जल स्रोतों की साफ सफाई एवं जीर्णोद्धार का कार्य किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि हमें पानी की एक-एक बूंद को संरक्षित करना है पानी की जितनी आवश्यकता है उतना ही उपयोग करना है। पानी को व्यर्थ में नहीं बहाना है। विधायक श्री शरद कोल ने लोगो से अपील करते हुए कहा कि आप सब जल गंगा संवर्धन अभियान में जुड़कर जल संरचनाओं की साफ सफाई करें उनको बचाए रखने हेतु कार्य करें। कलेक्टर डॉ.केदार सिंह ने जल गंगा संवर्धन अभियान के प्रगति की जानकारी देते हुए बताया कि जिले में चार हजार से अधिक जल संरचनाओं का चयन किया गया है,एक तिहाई कार्य प्रारंभ किए जा चुके हैं, लगातार जल चौपाल लगाकर लोगों को सहभागी बनाया जा रहा है ।इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक श्री राम जी श्रीवास्तव, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्री नरेंद्र सिंह धुर्वे, सीएमएचओ श्री राजेष मिश्रा, जन अभियान परिषद के जिला समन्वयक श्री विवेक पाण्डेय, सरपंच माया कोल, ए. पी. ओ. मनोज मिश्रा,कार्यपालन यंत्री ग्रा.या.सेवा के.पी. पटेल, राजेश्वर उदानिया, राजेश तिवारी, राकेश तिवारी, श्रीमती विजय लक्ष्मी राकेश तिवारी,प्रिंसू सिंह,कालू कोल, विनय पाण्डेय, रघु तिवारी सहित अन्य लोग उपस्थित थें।

विजय की 33 गेंदों पर 76 रन की पारी से इंजीनियरिंग विभाग ने फाइनल में बनाई जगह

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
वाराणसी। मिनी स्टेडियम लहरतारा में आयोजित टी-20 क्रिकेट प्रतियोगिता में दूसरे सेमीफाइनल मुकाबले में इंजीनियरिंग विभाग ने प्रशासन विभाग की टीम को 41 रन से हराकर फाइनल में प्रवेश कर लिया। पूर्वोत्तर रेलवे वाराणसी मंडल के मंडल क्रीड़ा स्थल मिनी स्टेडियम लहरतारा में आयोजित ग्रीष्मकालीन अंतर विभागीय टी-20 क्रिकेट प्रतियोगिता अपने अंतिम पड़ाव पर है। बुधवार को खेले गए दूसरे सेमीफाइनल मुकाबले में इंजीनियरिंग विभाग ने प्रशासन विभाग की टीम को 41 रन से हराकर फाइनल में प्रवेश कर लिया। टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी इंजीनियरिंग विभाग की टीम ने ताबड़तोड़ शुरुआत की और निर्धारित 20 ओवरों में 7 विकेट खोकर 236 रन का स्कोर खड़ा किया। इंजीनियरिंग विभाग की ओर से विजय ने तूफानी बल्लेबाजी करते हुए मात्र 33 गेंदों में 6 चौकों और 7 छक्कों की मदद से सर्वाधिक 76 रन बनाए। इसके अलावा, अजीत ने भी महत्वपूर्ण योगदान देते हुए 26 गेंदों पर 7 चौकों और 2 छक्कों की सहायता से 48 रन जोड़े। जबकि सुभाष ने 20 गेंदों में 3 चौकों और 3 छक्कों की मदद से 37 रनों की पारी खेली। अखिलेश ने 18 और अभिषेक ने 16 रन का योगदान दिया। प्रशासन विभाग की गेंदबाजी की बात करें तो असलम ने किफायती गेंदबाजी करते हुए 4 ओवरों में 23 रन देकर 2 विकेट हासिल किए। यशवीर सिंह ने 2 ओवरों में 30 रन देकर 2 विकेट चटकाए, जबकि पुष्पेंद्र को एक विकेट मिला। 237 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी प्रशासन विभाग की टीम ने भी संघर्ष किया, लेकिन वे निर्धारित 20 ओवरों में 8 विकेट खोकर 195 रन ही बना सकी।

बनारस में दो दिनों तक लू का यलो अलर्ट जारी, जानें- चिलचिलाती गर्मी से कब मिलेगी राहत

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
वाराणसी। वाराणसी जिले में भीषण गर्मी पड़ रही है। सुबह से तेज धूप के चलते घरों ने निकलना मुश्किल हो गया है। 30 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से चल रही गर्म हवा लोगों को झुलसा दे रही है। बनारस में असहनीय गर्मी के साथ लू जैसी स्थितियां बन गईं हैं। घर के कूलर-पंखे सब फेल हो गए हैं। खिड़की खोलने पर गर्म हवा और बंद करने पर उमस बेहाल कर रही है। 30 किलोमीटर प्रति घंटे की गति से बह रही हवा जैसे किसी भट्ठी से निकलकर सीधे शरीर को छू रही हो। धूप इतनी सख्त है कि छतों पर रखीं टंकियों का पानी भी सुबह 10 बजते ही खौल उठ रहा है। दोपहर में धूप से तपीं घरों की दीवारें रात 12 बजे तक ठंडी नहीं हो पा रहीं हैं। जिले में तीन दिन से तापमान 42 डिग्री से नीचे ही नहीं आ रहा है। बुधवार को जिले का अधिकतम पारा सामान्य से 2.5 डिग्री ऊपर 42.2 डिर्ग्री सेल्सियस तक पहुंच गया। रात का तापमान सामान्य से 1 डिग्री ऊपर 23.9 डिग्री सेल्सियस तक दर्ज किया गया। मौसम विज्ञान विभाग की ओर से आज से लेकर अगले दो दिनों तक लू का यलो अलर्ट जारी किया गया है। तापमान 45 डिग्री तक आ सकता है। लखनऊ के आंचलिक मौसम विज्ञान केंद्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. अतुल सिंह के अनुसार, अगले दो दिनों तक गर्मी तो तेजी से बढ़ेगी, लेकिन उसके बाद पश्चिमी विक्षोभ की स्थितियां बन रहीं हैं और बारिश होने की पूरी उम्मीद नजर आ रही है। इसके चलते फिर 3-4 दिनों तक मौसम मेहरबान होगा और गर्मी से राहत मिल सकती है।

बेल्ट और कुर्सी से की युवक की पिटाई

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
जौनपुर। जौनपुर जिले के मुंगराबादशाहपुर थानाध्यक्ष पर युवक की पिटाई करने पर कार्रवाई की गाज गिरी है। एसपी ने वीडियो वायरल होने पर थानाध्यक्ष को लाइन हाजिर कर दिया। जौनपुर जिले के मुंगराबादशाहपुर थानाध्यक्ष पर पर बर्बरता पूर्वक युवक की पिटाई का आरोप लगा है। युवक की बेरहमी से पिटाई का वीडियो भी वायरल हुआ है। मामले का संज्ञान लेते हुए पुलिस अधीक्षक डॉक्टर कौस्तुभ ने थानाध्यक्ष विनोद कुमार मिश्र को लाइन हाजिर कर दिया और दिलिप कुमार सिंह को मुंगराबादशाहपुर थानाध्यक्ष के रूप में तैनाती दे दी है। इस बाबत मुंगराबादशाहपुर थाना क्षेत्र के हेमापुर तरहठी निवासी तौफीक पुत्र फारूक अहमद का परिवार में ही किसी बात को लेकर विवाद हो गया था। दूसरे पक्ष के मुजाहिद ने शनिवार को थाने आकर तौफीक के खिलाफ मारपीट व गाली गलौज का मुकदमा दर्ज कराया। तौफीक का आरोप है कि पुलिस उन्हें घर से पकड़ लाई और थानाध्यक्ष विनोद कुमार मिश्र ने खंभे में पकड़वा कर बेल्ट से आधे घंटे तक पीटा। जिससे वह बेहोश हो गया। होश आने पर पुनः पीटा गया। थानाध्यक्ष यहीं तक नहीं रूके उन्होंने लकड़ी व प्लास्टिक की कुर्सी से भी जमकर मारा। युवक की बेरहमी से पिटाई का किसी ने वीडियो बनाया और उसे वायरल कर दिया। थानाध्यक्ष द्वारा युवक की बेरहमी से पिटाई का वीडियो वायरल होते ही पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया। पुलिस अधीक्षक ने वायरल वीडियो को संज्ञान लेते हुए थानाध्यक्ष विनोद कुमार मिश्र को लाइन हाजिर कर दिया और मुंगराबादशाहपुर थानाध्यक्ष के रूप में दिलिप कुमार सिंह की तैनाती कर दी है। पीड़ित युवक ने बताया कि पुलिस ने दूसरे पक्ष से 26000 लेकर बेरहमी से पिटाई की है।

छह अधिकारी जिम्मेदार, भेजी गई छह दिन की खुफिया रिपोर्ट

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
वाराणसी। बीएचयू में पीएचडी मामलों को लेकर चल रहे बवाल और धरने के मामले में छह अधिकारियों को जिम्मेदार ठहराया गया है। छह दिन की खुफिया रिपोर्ट भारत सरकार को भेजी गई।बीएचयू में पीएचडी मामलों को लेकर चल रहे बवाल और धरने के छह दिन की रिपोर्ट भारत सरकार को भेज दी गई है। बीएचयू के तीन मुख्य स्थलों को धरना स्पॉट बना दिया गया, इसके पीछे प्रशासनिक विफलता वजह रही। खुफिया विभाग की जांच में इंटरनल फैक्ट फाइंडिंग एसेसमेंट के तहत बीएचयू के छह शीर्ष अधिकारियों को जिम्मेदार ठहराया गया है। आरोप है कि धरना रोकने से लेकर चयन और एकेडमिक प्रक्रियाओं में कई खामियां की हैं, जिसके चलते ऐसी स्थिति बनी। समय से धरना रोका या खत्म नहीं किया गया। जबकि ऐसा किया जा सकता था। टीम ने सरकार से इस स्थिति से जल्द से जल्द निपटने का सुझाव भी दिया है। इस रिपोर्ट की एक कॉपी पीएमओ और दूसरी कॉपी शिक्षा मंत्रालय को भेजी गई है।रिपोर्ट में बताया गया है कि अर्चिता का प्रवेश गलत नहीं है। वह योग्य है। इससे पहले काशी शिवम सोनकर को पीएचडी में प्रवेश नहीं दिए जाने के मामले ने तूल पकड़ा था। सामान्य श्रेणी में द्वितीय स्थान प्राप्त करने वाले शिवम विश्वविद्यालय प्रशासन द्वारा प्रवेश नहीं दिया गया। इसके बाद सोनकर कुलपति आवास के बाहर धरने पर बैठ गए थे। काफी समय तक धरने के बाद और संसद में मामला उठने के बाद बीएचयू प्रशासन ने उनका प्रवेश लिया था। शिवम के समर्थन में कांग्रेस, सपा सहित कई पार्टियां आईं थी। नेताओं ने मौके पर पहुंचकर शिवम को समर्थन दिया था। इसके अलावा भी पीएचडी में प्रवेश को लेकर बीएचयू प्रशासन फैसला विवाद में रहा है।

बंगाल भर्ती घोटालों में ने 600 करोड़ से अधिक की संपत्ति अटैच की, तीन अलग-अलग मामलों में की कार्रवाई

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
बंगाल। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने पश्चिम बंगाल में तीन अलग-अलग शिक्षक और कर्मचारी भर्ती घोटालों में मनी लॉन्ड्रिंग जांच के तहत 609 करोड़ रुपये से अधिक की संपत्ति अटैच की है। इन घोटालों में स्कूल सेवा आयोग (एसएससी), सहायक शिक्षक भर्ती घोटाला और प्राथमिक शिक्षक भर्ती घोटाला शामिल हैं। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने पश्चिम बंगाल में तीन अलग-अलग शिक्षक और कर्मचारी भर्ती घोटालों में मनी लॉन्ड्रिंग जांच के तहत 609 करोड़ रुपये से अधिक की संपत्ति अटैच की है। ईडी ने बुधवार को बताया कि स्कूल सेवा आयोग (एसएससी) द्वारा ग्रुप सी और डी कर्मचारियों की भर्ती से संबंधित मामले में 56.50 करोड़ रुपये मूल्य के भूखंड, वाणिज्यिक स्थान, फ्लैट और विला जब्त किए गए हैं। ये संपत्तियां मुख्य बिचौलिए प्रसन्न कुमार रॉय और उनके सहयोगियों की कंपनियों और एलएलपी (सीमित देयता भागीदारी) के नाम पर हैं।बता दें कि सुप्रीम कोर्ट ने 2016 की भर्ती प्रक्रिया में बड़े पैमाने पर अनियमितता पाए जाने के चलते 3 अप्रैल को पूरे पैनल को रद्द कर दिया था। इसके बाद राज्य द्वारा संचालित और सहायता प्राप्त स्कूलों के कुल 25,753 शिक्षण और गैर-शिक्षण कर्मचारियों की नौकरी चली गई थी। इस मामले में ईडी ने पहले रॉय और उनके मुख्य एजेंट चंदन मंडल के नाम पर 163.66 करोड़ रुपये की संपत्ति अटैच की थी। एजेंसी द्वारा गिरफ्तार किए जाने के बाद दोनों फिलहाल न्यायिक हिरासत में जेल में बंद हैं।पश्चिम बंगाल के कक्षा 9 से 12 तक के लिए सहायक शिक्षक भर्ती के अन्य मामले में ईडी ने करीब 238.78 करोड़ रुपये की संपत्ति अटैच की है। इसी तरह, तीसरा मामला प्राथमिक शिक्षक भर्ती का है, जहां एजेंसी ने 151 करोड़ रुपये की संपत्ति जब्त की है। इस प्रकार, भर्ती घोटाले के मामलों में ईडी कोलकाता कार्यालय द्वारा अटैच की गई कुल संपत्ति 609.9 करोड़ रुपये है।

डाक पंजीयन नं.AD-326/2024-2026 -website:www.aadhuniksamachar.com- E-mail:-adhuniksamachar2024@gmail.com आधुनिक समाचार

प्रयागराज के समस्त लायंस क्लब की ओर से श्रद्धांजलि एवं आक्रोश रैली

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

प्रयागराज। पहलगाम (जम्मू-कश्मीर) में हाल ही में हुई आतंकवादी घटना में निर्दोष नागरिकों की जान गई है। इस दुखद घटना पर श्रद्धांजलि अर्पित करने और अपने आक्रोश व संवेदना व्यक्त करने के लिए लायंस क्लब द्वारा शोक एवं आक्रोश रैली आयोजित की जा रही है। समयः आज़ शाम 6 बजे स्थानः गिरजा घर से, सुभाष चौराहे तक आप सभी से अनुरोध है कि अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर इस रैली में शामिल हों और आतंकवाद के खिलाफ एकजुट होकर अपने भाव प्रकट करें।

सब्र करो सब होगा, बस थोड़ा वक्त लगेगा, कभी नहीं सोचा था कि पहली रैंक आएगी

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

प्रयागराज। इमारत तो काफी पुरानी है, इसे गिराकर नई बनाने में वक्त लगेगा। किस्से तो कई संभाल कर रखे हैं, उनको कहानी बनाने में वक्त लगेगा। सब्र करो सब होगा, बस थोड़ा वक्त लगेगा।' सिविल सेवा परीक्षा-2024 की टॉपर शक्ति दुबे की यह कविता उन्हीं के संघर्षों और जीवटता को बयां करती है। इमारत तो काफी पुरानी है, इसे गिराकर नई बनाने में वक्त लगेगा। किस्से तो कई संभाल कर रखे हैं, उनको कहानी बनाने में वक्त लगेगा। सब्र करो सब होगा, बस थोड़ा वक्त लगेगा।' सिविल सेवा परीक्षा-2024 की टॉपर शक्ति दुबे की यह कविता उन्हीं के संघर्षों और जीवटता को बयां करती है। शक्ति ने इंटरव्यू में भी अपनी यही कविता सुनाई थी। खाली वक्त में अपनी ही कविताओं से प्रेरणा लेकर आगे बढ़ने वाली प्रयागराज की बेटी शक्ति दुबे को सात साल की तैयारी और पांच प्रयासों के बाद शानदार सफलता मिली। सिविल सेवा परीक्षा में ओवरऑल टॉपर शक्ति बुधवार को अपने घर लौटने के बाद मीडिया से मुखातिब हुईं और बताया कि बिना तैयारी के पहला प्रयास किया, सो चयन की उम्मीद नहीं थी। बाद में तैयारी के लिए कोचिंग की मदद ली और सेल्फ स्टडी भी की। तीसरे प्रयास में पूरी तैयारी के साथ परीक्षा में शामिल हुई। निराशा हाथ लगी तो गलतियों पर काम किया और आखिर सफलता मिली। हालांकि, उन्होंने सोचा नहीं था कि पहली रैंक आएगी। जब रिजल्ट देखा तो सबसे पहले अपने पिता को फोन किया। यह सुनकर शक्ति के पिता देवेंद्र दुबे कुछ देर के लिए चुप हो गए और फोन शक्ति की मां प्रेमा देवी को दे दिया। दस मिनट बाद फिर से फोन आया और पिता ने कहा कि दोबारा बताओ क्या हुआ।

अशरफ की पत्नी जैनब रूबी ने कुर्की और वारंट के खिलाफ हाईकोर्ट में लगाई गुहार

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

प्रयागराज। राजू पाल हत्याकांड के गवाह रहे उमेश पाल और उनके दो गनरों की हत्या के मामले में वांछित चल रही जैनब बुधवार को हाईकोर्ट पहुंची। उसने खुद के खिलाफ जारी गैर जमानती वारंट और कुर्की की कार्रवाई की चुनौती दी है। जैनब उर्फ रूबी माफिया अतीक के भाई अशरफ की पत्नी है। उमेश पाल व उनके दो गनर की हत्या के मामले में फरार चल रही माफिया खालिद अजीम उर्फ अशरफ की पत्नी जैनब उर्फ रूबी ने फिर हाईकोर्ट में गुहार लगाई है। उसने खुद के खिलाफ गैर जमानती वारंट जारी करने और कुर्की की कार्रवाई को त्रुटिपूर्ण बताते हुए कोर्ट में चुनौती दी है। जैनब 25 हजार की इनामी है और उसकी तलाश में पुलिस कई जनपदों की खाक छान चुकी है। उसने भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस) की धारा 528 के तहत उपरोक्त कार्रवाई को रद्द करने की मांग करते हुए अर्जी दाखिल की है। 15 अप्रैल को यह अर्जी दाखिल की गई है जिसमें अभी सुनवाई की तिथि तय नहीं है। 24 फरवरी 2023 को हुए इस हत्याकांड में जैनब का नाम विवेचना के दौरान प्रकाश में आया था। मुकदमे में आरोपी बनाए जाने की भनक लगते ही वह फरार हो गई और फिर उसका कुछ पता नहीं चला। लगभग पांच महीनों तक तलाश के बाद भी कुछ पता नहीं चलने पर 20 जुलाई 2023 को पुलिस ने अर्जी देकर उसका गैर जमानती वारंट जारी कराया। 26 जुलाई 2023 को उसके खिलाफ कुर्की की कार्रवाई का नोटिस(सीआरपीसी 82 के तहत) जारी किया गया। 82 की कार्रवाई

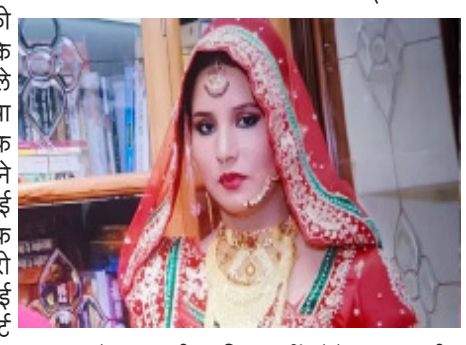

के बाद भी हाजिर नहीं होने पर 19 अक्तूबर 2023 को कुर्की(सीआरपीसी 83 के तहत) का आदेश जारी हुआ जिस पर पुलिस ने उसके मकान को कुर्क किया। जैनब उमेश पाल हत्याकांड में फरार चल रहे छह इनामी आरोपियों में से एक है। इस हत्याकांड में उसकी भाभी व माफिया अतीक अहमद की पत्नी शाइस्ता व ननद आयशा नूरी भी वांछित हैं। जैनब व आयशा पर 25-25 हजार जबकि शाइस्ता पर 50 हजार का इनाम घोषित है। इन तीनों के अलावा पांच-पांच लाख के तीन इनामी गुड्डू मुस्लिम ,साबिर व अरमान भी दो साल से ज्यादा समय से फरार हैं। जैनब उमेश पाल हत्याकांड के अलावा 50 करोड़ की वक्फ संपत्ति बेचने के मामले में भी आरोपी है। आरोप है कि पूरामुफ्ती के अकबरपुर स्थित वक्फ की संपत्ति को उसने अपने भाइयों जैद मास्टर, सद्दाम के अलावा मुतवल्ली असियम, उसकी पत्नी जिन्नत, शिबली समेत अन्य की मदद से अवैध रूप से कब्जा किया और कुछ को बेच भी दिया। इस मामले में उसके खिलाफ चार्जशीट भी दाखिल हो चुकी है। वक्फ की इसी जमीन पर बने उसके आलीशान मकान पर पीडीए ने बुल्डोजर भी चलाया था। उमेश पाल हत्याकांड के एक अन्य आरोपी इकबाल अहमद उर्फ मो. सजर की क्रिमिनल अपील पर हाईकोर्ट में बृहस्पतिवार को सुनवाई होनी है। मुकदमे की वादिनी जया पाल के अधिवक्ता प्रवीन कुमार पांडेय की ओर से यह जानकारी दी गई। सजर उन 15 आरोपियों में शामिल है, जिनके खिलाफ चार्जशीट दाखिल की जा चुकी है। पुलिस का आरोप है कि वारदात के मुख्य शूटर असद ने घटना से पहले जयंतीपुर निवासी सजर को आईफोन दिया था। जो फेसटाइम एप के जरिए घटना वाले दिन उमेश पाल के कचहरी से निकलने के बाद से उनकी लोकेशन शूटरों से साझा कर रहा था।

तीन महीने में ही उखड़ीं महाकुंभ की सड़कें, जाम हुईं नालियां, कमिश्नर ने दिए जांच के आदेश

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

प्रयागराज। महाकुंभ के मद्देनजर हुए निर्माण कार्यों के अब अंतिम भुगतान की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। इससे पहले मंडलायुक्त ने नगर निगम और प्रयागराज विकास प्राधिकरण के कार्यों की जांच का आदेश दिया है। प्राधिकरण के 59 कार्यों की जांच के लिए 12 टीमें गठित की गई हैं।महाकुंभ के मद्देनजर हुए निर्माण कार्यों के अब अंतिम भुगतान की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। इससे पहले मंडलायुक्त ने नगर निगम और प्रयागराज विकास प्राधिकरण के कार्यों की जांच का आदेश दिया है। प्राधिकरण के 59 कार्यों की जांच के लिए 12 टीमें गठित की गई हैं। वहीं निगम के 44 कार्यों की जांच नौ टीमें करेंगी। इन्हें 10 मई तक रिपोर्ट देनी है। इन जांच टीमों की रिपोर्ट में क्या होगा यह तो 10 मई के बाद ही पता चल पाएगा लेकिन कई कार्यों की वर्तमान स्थिति काफी चिंताजनक है। कई सड़कें तीन महीने में ही उखड़ने लगी हैं तो नालियां को निकास नहीं दिया गया। कई अन्य तरह की खामियां

भी हैं।मुट्ठीगंज में छोटा चौराहा से आर्य कन्या के बीच सड़क, नाली, पटरी सबकुछ उखड़ने लगी है। वहां काम भी पूरा नहीं हुआ है। जीटीबी नगर करेली मुख्य मार्ग से मस्तान मार्ग की तरफ जाने वाली सड़क पर जगह-जगह गड्ढे हो गए हैं। महात्मा गांधी मार्ग पर सीएवी इंटर कॉलेज के सामने सड़क धंस गई है। इसी तरह से सीएमपी डिग्री कॉलेज के सामने डॉट पुल चौराहे पर भी सड़क धंस गई है। उसमें गिट्टी डालकर बालू भर दिया गया है। इसी तरह से कई अन्य जगहों पर सड़क धंस गई है तथा दुर्घटना की आशंका बनी रहती है।प्राधिकरण ने सड़क चौड़ीकरण के साथ नालियां भी बनवाई हैं लेकिन मुश्किल यह कि उन्हें किसी बड़े नाले या सीवर लाइन से लिंक नहीं किया गया है। यानि, उनमें निकासी की व्यवस्था ही नहीं की गई है। शंकरलाल भार्गव मार्ग पर इसी तरह की गड़बड़ी को लेकर पार्षद किरन जायसवाल ने धरना भी दिया। महापौर गणेश केसरवानी की ओर से प्राधिकरण को लिखा गया लेकिन सुधार नहीं हुआ। अब तो प्लास्टिक तथा दूसरे तरह के कचरे से नाले भर गए हैं।नगर निगम की ओर से अब बारिश से पहले नालों की सफाई कराने की प्रक्रिया शुरू की गई है। इसी क्रम में निगम की ओर से प्राधिकरण को ऐसे दो दर्जन से अधिक नालों की सूची सौंपी गई है, जिनमें निकासी की व्यवस्था नहीं की गई है। पत्र में इन्हें ठीक नहीं कराए जाने पर बारिश के समय जलभराव की बात भी कही गई है। यह सूची मंडलायुक्त के पास भी भेजी गई है। नगर आयुक्त के इस पत्र के बाद भी नालों में कोई सुधार नहीं हुआ है।

क्षय तृतीया को लेकर बाजार में उत्साह, कम भार वाले आभूषण की बढ़ी डिमांड

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

प्रयागराज। सोना भले ही अपने अब तक के उच्चतम रेट पर पहुंच

गया हो लेकिन अक्षय तृतीया के मौके पर बाजार में खासा उत्साह देखा जा रहा है। तमाम ज्वैलर्स के यहां लोगों ने अक्षय तृतीया के मौके पर सोने और हीरे के आभूषण की बुकिंग भी करवा दी है। बाजार में कम वजन वाले आभूषणों की मांग बढ़ गई है। इस बीच शहर के तमाम सराफा कारोबारियों ने अक्षय तृतीया के मौके पर ग्राहकों को आकर्षक ऑफर भी दिए हैं। अक्षय तृतीया के मौके पर सोना खरीदना शुभ माना जाता है। इसका बाजार में असर भी दिखने लगा है। सोना एवं चांदी के बढ़ते दाम के बावजूद अक्षय तृतीया के मौके पर कम वजन वाले आभूषणों की मांग बढ़ी है। इसकी मुख्य वजह सोने की कीमतों में हुई वृद्धि है। इन दिनों सहालग भी चल रहा है, जबकि 30 अप्रैल को अक्षय तृतीय का पर्व है। इस वजह से लोग कम कीमत वाले आभूषणों को ही पसंद कर रहे हैं, ताकि वह अपने बजट के भीतर रह सकें। शहर के तमाम नामी ज्वैलरी शोरूम ने कम वजन के आभूषण की कई डिजाइन तैयार की है। इस अवसर पर लोग 4-5 ग्राम के नेकलेस सेट, 3-4 ग्राम के मंगलसूत्र, 1-1.5 ग्राम की अंगूठी और 3 ग्राम की चेन जैसे आभूषणों को पसंद कर रहे हैं। इस पर्व के मौके पर बाजार में हल्के सोने और चांदी के आभूषण के साथ-साथ डायमंड के आभूषणों की मांग को देखते हुए लोग जहां पहले से गोल्ड रेट लॉक करा रहे हैं। कारोबारी दिनेश सिंह ने बताया कि अक्षय तृतीया के लिए कुछ लोगों ने गोल्ड का रेट लॉक भी कराया है। मासिक किस्तों में एक निश्चित राशि जमा कर ज्वेलरी की बिक्री की भी बात कारोबारियों ने कही है। वहीं, दूसरी ओर सिविल लाइंस, चौक, कटरा, कोठापार्चा आदि बाजारों में स्थित ज्वैलरी शोरूमों में पर्व को लेकर तैयारियां शुरू कर दी गई हैं। गहनों की बनवाई पर तमाम ऑफर भी दिए जा रहे हैं। कुंदन, टेंपल एवं पोल्की ज्वैलरी की तमाम नई डिजाइन के आभूषण बाजार में मौजूद हैं। बुलियन और सिक्कों की मांग को देखते हुए कम भार वाले सिक्के भी बाजार में उपलब्ध हैं। शोरूम में आभूषणों का बेहतरीन कलेक्शन उपलब्ध है। मेकिंग चार्ज पर 50 प्रतिशत की छूट दी जा ही है। इसके अलावा एक लाख की खरीद पर एक ग्राम वजन वाला सोने का सिक्का ग्राहकों को दिया जाएगा।सोने के आभूषण की बनवाई नौ प्रतिशत से शुरू है। 20 प्रतिशत तक छूट डायमंड वैल्यू पर दी जा रही है। सौ फीसदी वैल्यू पुराने सोने के आभूषणों के एक्सचेंज पर दी जा रही है। इसके अलावा कई अन्य अच्छे आफर ग्राहकों को दिए जा रहे हैंबाजार में हल्के सोने और चांदी के आभूषण के साथ-साथ डायमंड के आभूषणों की मांग देखी जा रही है। डायमंड के ब्रेसलेट, लाइट वेट सेट, कुंदन, पोलकी आदि डिजाइनर गहनों का चलन बढ़ा है। मंगलवार के मुकाबले बुधवार को चार हजार प्रति दस ग्राम से अधिक की गिरावट सोने पर आई।0 फाइनेंसियल एडवाइजर डा. पवन जायसवाल बताते हैं कि जब भी दुनिया पर कोई मुसीबत आती है।

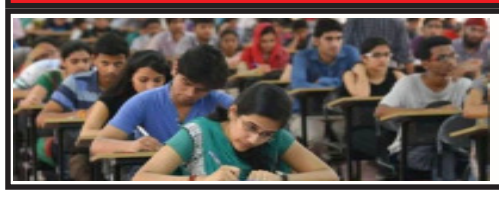

प्रदेश आस/पास

भारत

वृक्षारोपण करके प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पर बांटी गई पोषण पोटली

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
रायबरेली। मा0 प्रधानमंत्री जी के ड्रीम प्रोजेक्ट राष्ट्रीय क्षय रोग उन्मूलन कार्यक्रम के अंतर्गत अमावा ब्लाक के सन्दीनागिन प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पर उत्साहपूर्वक पोषण पोटली वितरण का कार्यक्रम आयोजित किया गया। कर्मचारियों ने प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र को सजाकर उत्साहपूर्वक पोषण पोटली बांटी। आपको अवगत करा दें कि मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. नवीन चंद्रा के दिशा-निर्देशन पर चल रहे राष्ट्रीय क्षय रोग उन्मूलन कार्यक्रम को साकार कर रहे हैं।कर्मचारी, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. नवीन चंद्रा ने पोषण पोटली बांटने हेतु विश्वास संस्थान के कार्य की प्रशंसा की। इस मौके पर मुख्य अतिथि के रूप में डेडीकेटेड कॉरिडोर कारपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड के डिप्टी जनरल मैनेजर अभिषेक यादव प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचे। कार्यक्रम का शुभारंभ वृक्षारोपण करके किया गया। कार्यक्रम में जिला क्षय रोग अधिकारी डॉ. अनुपम सिंह, बडौदा उ. प्र. बैंक वेलफेयर एसोसिएशन के अध्यक्ष विनोद कुमार शुक्ला भी मौजूद रहे। प्रधानमंत्री टीबी मुक्त भारत अभियान के तहत क्षय रोगियों का विशेष ख्याल रखा जा रहा है। इसी क्रम में बुधवार को अमावा ब्लॉक की पीएचसी में डेडीकेटेड फ्रेट कोरिडोर कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड नई दिल्ली के सहयोग से विश्वास संस्थान द्वारा कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें 63 क्षय रोगियों को पोषण किट देकर उनके स्वास्थ्य के बारे में जानकारी ली गई। ऊ्इण्ण्ध्य् से आए डिप्टी जनरल मैनेजर (मानव संसाधन) अभिषेक यादव व जिला क्षय रोग अधिकारी डॉ. अनुपम सिंह ने केंद्र में बरगद का पेड़,बरगद कीकर तथा अन्य वृक्ष लगाकर समाज को एक संदेश दिया। कार्यक्रम के दौरान अपने उद्बोधन में अभिषेक यादव ने बताया कि ऊ्इण्ण्ध्य् ने इस वर्ष जनपद के 700 क्षय रोगियों को पोषण किट विश्वास संस्थान के द्वारा वितरित कराई है और यथा संभव हम आगे भी ऐसा करते रहेंगे। जिला क्षय रोग अधिकारी ने आगे बताया कि किस तरह से हम इस बीमारी से बच सकते हैं, उनके उपचार व बचाव के लक्षण बताएं।। वर्तमान सीएचसी अधीक्षक डॉ. रोहित कटियार ने सभी को धन्यवाद दिया। विश्वास संस्थान के सचिव विपिन बाजपेई ने सभी कर्मचारियों को प्रोत्साहित करते हुए धन्यवाद दिया। जिला क्षय रोग अधिकारी ने बताया कि सभी क्षय रोगियों का स्वास्थ्य व पोषण में किसी प्रकार की कोई कोर कसर नहीं छोड़ी जाएगी। साथ ही उन्हें एक भी दिन दवा न छोड़ने और सम्पूर्ण उपचार के लिए भी प्रेरित किया। टीबी कर्मचारी संगठन के प्रदेश अध्यक्ष करुणा शंकर मिश्र ने बताया कि कि टीबी मुक्त भारत बनाने के लिए क्षय रोगियों को हर संभव सहायता की जा रही है। मरीजों को अपने पोषण पर ध्यान देना चाहिए।दवा नियमित रूप से लेनी चाहिए। कोई भी समस्या होने पर तत्काल सरकारी चिकित्सालय में संपर्क करना चाहिए। उन्होंने बताया कि रोगियों को भावनात्मक सहयोग देने के उद्देश्य से पोषण किट का वितरण किया गया है। साथ ही साथ बताया कि प्रधानमंत्री के सपने को साकार करने हेतु हर कोई कोर कसर छोड़ी नहीं छोड़ेगा। सरकार के के द्वारा दवा और जांच सब निशुल्क है। विश्वास संस्थान के आयोजन में विकास बाजपेई,प्रशांत शुक्ला आदि मौजूद थे इस मौके पर डॉ.कमलेश, चीफ फार्मासिस्ट अर्चना दोहरे, दिव्यांशु वर्मा, रितेश कुमार, रामबली, कालीदीनआदि मौजूद रहे।

व्यापार मंडल द्वारा पाकिस्तान आर्मी का पुतला फूंका गया

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
रायबरेली। जम्मू कश्मीर स्थित अनंत अनंतनाग जिले के पहलगाम में 28 हिंदू पर्यटकों की नृशंस हत्या के विरोध में ॐ शिवशक्ति मानव सेवा मंडल , एवं अमरनाथ यात्री पहुंचकर बड़ा विरोध जतायेंगे। निहत्थे हिंदू संप्रदाय के लोगों को निशाना बनाना कायर नपुंसकों की निशानी है। प्रदेश अध्यक्ष अतुल गुप्ता ने कहा कि भारतीय फौजियों के द्वारा इसका शीघ्र माकूल जवाब दिया जाएगा। ॐ शक्ति मानव सेवा मंडल के मंडल अध्यक्ष राजेंद्र अवस्थी एवं मंडल संरक्षक महेंद्र अग्रवाल ने कहा कि इस आतंकवादी घटना के बावजूद अमरनाथ यात्री दुगने उत्साह से बाबा बर्फानी के दर्शन करने के लिए तैयार है। उपस्थित समुदाय ने 2 मिनट का मौन रखकर मृत आत्माओं की शांति के लिए प्रार्थना की।इस अवसर पर पंकज मिश्रा गंगेश चौरसिया कृष्ण मुरारी मिश्रा मुकेश अग्रवाल दिलीप वाधवानी राजू अग्रवाल जगदीश चैनानी मान बहादुर सिंह अनुराग चौरसिया पंकज साहू आदि उपस्थित रहे।

महासंघ उत्तर प्रदेश, तथाअखिल भारतीय उद्योग व्यापार मंडल द्वारा पाकिस्तान आर्मी का पुतला फूंका गया। मंडल अध्यक्ष राजेंद्र अवस्थी एवं संरक्षक महेंद्रअग्रवाल ने कहा कि इस तरीके के कायरना हमले की घोर निंदा करता है। कहां की इस तरीके की घटना भारत के लिए दुर्भाग्यपूर्ण है इसका मुकम्मल जवाब भारत की ओर से देना चाहिए। वहीं जुलाई में शुरू हो रही अमरनाथ यात्रा किसी तरह प्रभावित नहीं होगी। अमरनाथ यात्रा में अत्यधिक रोशन और वह कई गुना अधिक संख्या में

एम्स में नौकरी दिलाने के नाम पर 10 लाख रुपये की ठगी- अब जान से मारने की दे रहे धमकी

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
गोरखपुर । बड़हलगंज थाने में जगदीशपुर निवासी काजल यादव ने बताया कि संतोष जायसवाल नामक व्यक्ति ने चार लाख रुपये में एम्स में नौकरी लगवाने के लिए ले लिए। जब नौकरी नहीं मिली तो रुपये मांगने पर आरोपी आनाकानी करने लगा। अब जान से मारने की धमकी दे रहा है। कोतवाली और बड़हलगंज थाना पुलिस ने करीब 10 लाख रुपये की ठगी मामले में केस दर्ज किया है। आरोप है कि स्वास्थ्य विभाग व एम्स में नौकरी दिलाने के लिए आरोपियों ने धोखाधड़ी कर रकम ले ली। रकम मांगने पर आरोपी जान से मारने की धमकी दे रहे हैं। पुलिस मामले की छानबीन कर रही है। बुधवार को कोतवाली थाने में कुशीनगर जिले के रामकोला थाने के लक्ष्मीगंज निवासी राजाराम चौरसिया ने चार लोगों के विरुद्ध केस दर्ज कराया।

बताया कि कुशीनगर के रामकोला थाने के घोघरही निवासी घनश्याम यादव, गोरखपुर के आम बाजार निवासी जितेंद्र चौधरी, रामगढ़ताल क्षेत्र निवासी जितेंद्र गुप्ता व कुशीनगर के बेलवा चुंगी निवासी मुन्ना अंसारी ने स्वास्थ्य विभाग में नेत्र परीक्षण पद पर नौकरी के लिए 5.80 लाख रुपये लिए। नौकरी नहीं मिलने पर रकम मांगी तो जान से मारने की धमकी देने लगे। इसी तरह बड़हलगंज थाने में जगदीशपुर निवासी काजल यादव ने बताया कि संतोष जायसवाल नामक व्यक्ति ने चार लाख रुपये में एम्स में नौकरी लगवाने के लिए ले लिए। जब नौकरी नहीं मिली तो रुपये मांगने पर आरोपी आनाकानी करने लगा। अब जान से मारने की धमकी दे रहा है। इस संबंध में एसएसपी डॉ. गौरव ग्रोवर ने बताया कि जालसाजी का प्रकरण सामने आने पर तत्काल केस दर्ज कर कार्रवाई की जाती है। अगर आरोपी एक से अधिक जालसाजी के मामले में संलिप्त मिलते हैं तो उनके खिलाफ गैंगस्टर एक्ट की कार्रवाई भी की जाती है।एम्स में नौकरी दिलाने के नाम लाखों रुपये ठगी का मामला पहले भी सामने आ चुका है। महिला समेत करीब तीन से चार लोग जेल भी भेजे जा चुके हैं।

नए नगर आयुक्त गौरव कुमार ने सम्भाली जिम्मेदारी, बोले- शहर चमकाना और भ्रष्टाचार रोकना पहली प्राथमिकता

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
लखनऊ। लखनऊ के नए नगर आयुक्त गौरव कुमार ने अपनी

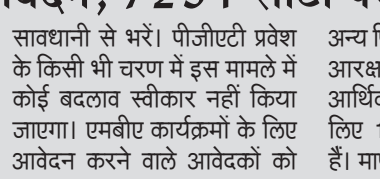

जिम्मेदारी संभाल ली है। उन्होंने बृहस्पतिवार को पदभार ग्रहण किया। नए नगर आयुक्त गौरव कुमार ने बृहस्पतिवार को कार्यभार ग्रहण कर लिया। नगर आयुक्त इन्द्रजीत सिंह ने उनको पद की जिम्मेदारी सौंपी। पदभार ग्रहण करने के बाद नए नगर आयुक्त ने कहा कि सफाई और भ्रष्टाचार पर लगाम उनकी पहली प्राथमिकता होगी। बारिश के दौरान जलभराव की समस्या नहीं होने दी जायेगी। उन्होंने कहा जिस तरह पूर्व नगर आयुक्त इन्द्रजीत सिंह ने शहर को संवारा है, वह भी उसी तरह काम करेंगे। गौरव कुमार वह मूल रूप से चंढीगढ के रहने वाले है और मैकेनिकल इंजीनियर है। 2018 बैच के अफसर गौरव ने बताया कि वह करीब डेढ़ साल पहले एल.डी.ए. में ओ.एस.डी. पद पर 20 दिन तक रहे है। अब दोबारा उनको लखनऊ में काम करने का मौका मिला है। इस समय वह प्रयागराज में सीडीओ के पद पर कार्यरत थे। उनकी ट्रेनिंग श्रावस्ती और कानपुर में हुई। आजमगढ़ में ज्वाइंट मजिस्ट्रेट और गोंडा में सीडीओ के पद पर काम कर चुके है।

स्पोर्ट्स कालेजों में कक्षा 06, 07, 08 व 09 में छात्र-छात्राओं के प्रवेश हेतु प्रारम्भिक चयन ट्रायल परीक्षण में प्रतिभाग करने के लिए करें आवेदन

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
रायबरेली। उत्तर प्रदेश स्पोर्ट्स कालेजेज सोसाइटी, लखनऊ के अन्तर्गत संचालित गुरू गोविन्द सिंह स्पोर्ट्स कॉलेज लखनऊ, वीर बहादुर सिंह स्पोर्ट्स कॉलेज गोरखपुर एवं मेजर ध्यानचन्द सिंह स्पोर्ट्स कॉलेज सैफई (इटावा) में शैक्षिक सत्र 2025-26 में कुल 275 संभावित रिक्त सीटों को भरे जाने हेतु कक्षा 06, 07, 08 एवं कक्षा 09 में छात्र-छात्राओं के प्रवेश हेतु निर्धारित प्रारम्भिक चयन परीक्षान्तर्गत ट्रायल/परीक्षण में प्रतिभाग करने के सम्बन्ध में 16 अप्रैल से प्रदेश में 08 स्थानों पर प्रवेश ऑनलाइन के माध्यम से किया जाना है जो 27 अप्रैल 2025 तक सम्पन्न होगा। विस्तृत जानकारी के लिये खेल विभाग से सम्बन्धित खेल साथी पोर्टल ।

नादरगंज पावर हाउस में सीटी फटने से लगी आग, 10 हजार से अधिक उपभोक्ता बिजली संकट में फंसे

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
लखनऊ। लखनऊ के नादरगंज पावर हाउस में करंट ट्रांसफॉर्मर फटने से यार्ड में आग लग गई। इस घटना से कानपुर रोड स्थित करीब 10 हजार उपभोक्ताओं के सामने बिजली संकट उत्पन्न हो गया। राजधानी लखनऊ के कानपुर रोड पर स्थित नादरगंज पावर हाउस में बृहस्पतिवार को दोपहर करीब 1:00 बजे जोरदार धमाका होने के बाद यार्ड में आग लग गई। आग के विकराल रुप धारण करने से पहले दमकल टीम ने मौके पर पहुंच कर आग पर काबू पा लिया।हालांकि कानपुर रोड के 10 हजार से ज्यादा उपभोक्ताओं के सामने बिजली संकट की समस्या उत्पन्न हो गई है । अभियंताओं और कर्मचारियों की टीम इस संकट से उपभोक्ताओं को उबारने और व्यवस्था को दुरुस्त करने में जुटे हैं ।नादरगंज खंड के अधिशासी अभियंता अविनाश कुमार ने बताया की सीटी यानी करंट ट्रांसफॉर्मर के फटने से उसका तेल यार्ड में फैल गया जिससे आग लगी। उन्होंने बताया 3:00 बजे तक 50 फीसदी उपभोक्ताओं की बिजली चालू कर दी जाएगी लेकिन स्पोर्ट्स अथॉरिटी परिसर के स्वतंत्र फीडर की बिजली चालू होने में समय लगेगा। इसकी वजह आग के कारण 11000 वोल्ट का केबल झुलस गया है।

इलाहाबाद विवि में पीजी प्रवेश के लिए कल से शुरू होंगे ऑनलाइन आवेदन, 7231 सीटों पर होंगे दाखिले

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
प्रयागराज। इलाहाबाद विश्वविद्यालय (इविवि) एवं संघटक महाविद्यालयों में सत्र 2025-26 के तहत परास्नातक प्रवेश परीक्षा (पीजीएटी) के लिए ऑनलाइन आवेदन की प्रक्रिया 25 अप्रैल से शुरू होगी। अंतिम तिथि 16 मई निर्धारित की गई है। इलाहाबाद विश्वविद्यालय (इविवि) एवं संघटक महाविद्यालयों में सत्र 2025-26 के तहत परास्नातक प्रवेश परीक्षा (पीजीएटी) के लिए ऑनलाइन आवेदन की प्रक्रिया 25 अप्रैल से शुरू होगी। अंतिम तिथि 16 मई निर्धारित की गई है। अभ्यर्थियों को वेबसाइट के माध्यम से आवेदन करने हैं। कुल 55 विषयों में पीजी की 7,231 सीटों पर दाखिले होंगे। इविवि के प्रवेश निदेशक प्रो. जेके प्रति के अनुसार, पारंपरिक पीजी पाठ्यक्रम पीजीएटी-एक में शामिल किए गए हैं, जिनकी परीक्षा ऑफलाइन व ऑनलाइन दोनों मोड में होगी। वहीं, पीजीएटी-दो में शामिल गैर पारंपरिक पाठ्यक्रमों की प्रवेश परीक्षा केवल ऑनलाइन मोड में होगी। पाठ्यक्रमों की लिस्ट पीजीएटी-2025 की विवरणिका में उपलब्ध है। प्रवेश निदेशक ने आवेदकों को सलाह दी है कि वे अपनी पसंद के सही विषय कोड सावधानी से भरें। पीजीएटी प्रवेश के किसी भी चरण में इस मामले में कोई बदलाव स्वीकार नहीं किया जाएगा। एमबीए कार्यक्रमों के लिए आवेदन करने वाले आवेदकों को

संबंधित विभाग की एक अतिरिक्त परीक्षा देनी होगी। पीजीएटी-एक पाठ्यक्रमों के लिए अनारक्षित, ईडब्ल्यूएस व ओबीसी श्रेणी के अभ्यर्थियों को 1000 रुपये और एससी/एसटी/दिव्यांग वर्ग के अभ्यर्थियों को 500 रुपये पंजीकरण शुल्क देना होगा। वहीं, पीजीएटी-एक में अनारक्षित, ईडब्ल्यूएस व ओबीसी वर्ग के लिए पंजीकरण शुल्क 1600 रुपये है और एससी/एसटी/दिव्यांग वर्ग के लिए 800 रुपये निर्धारित किया गया है। प्रवेश निदेशक के अनुसार, एनसीसी वेटेज व खेल कोटा बीएएड, एमएड, एमबीए व एमबीएआरडी में लागू नहीं होगा। प्रवेश में अनुसूचित जाति के लिए 15 फीसदी, अनुसूचित जनजाति के लिए 7.5 फीसदी व अन्य पिछड़ा वर्ग के लिए 27 फीसदी आरक्षण प्रदान किया जाएगा। आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के लिए 10 फीसदी सीटें आरक्षित हैं। मापदंड विकलांगता वाले व्यक्ति के लिए पांच फीसदी कोटा और प्रत्येक पाठ्यक्रम में खेल उम्मीदवारों के लिए दो फीसदी कोटा प्रदान किया जाएगा। विदेशी नागरिकों को इविवि की ओर से निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार अंतरराष्ट्रीय छात्र सलाहकार, इलाहाबाद विश्वविद्यालय के माध्यम से आवेदन करना होगा। इस मामले में अभ्यर्थी को पीजीएटी-2025 में आवेदन करने या उपस्थित होने की आवश्यकता नहीं होगी। पीजीएटी-2025 की प्रवेश परीक्षा 300 अंकों की होगी और इसमें 150 बहुविकल्पीय प्रश्न होंगे। 50 प्रश्न सामान्य जागरूकता, सामान्य अंग्रेजी, सामान्य हिंदी, तार्किक व मानसिक क्षमता से संबंधित होंगे और एलएलएम, बीएड, एमएड व एमबीए/एमबीएआरडी को छोड़कर सभी पाठ्यक्रमों के लिए अनिवार्य होंगे। शेष 100 प्रश्न आवेदक की पसंद के कार्यक्रम के अनुसार होंगे। पेपर पैटर्न के बारे में अधिक जानकारी सूचना विवरणिका में उपलब्ध है।

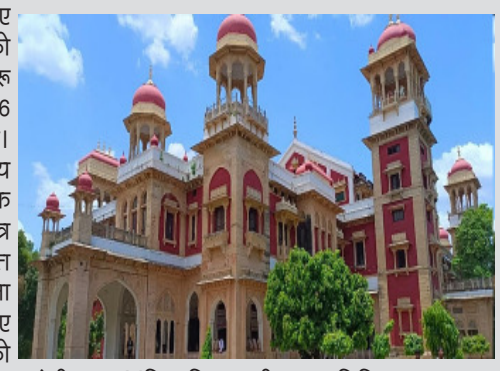

सड़क पर खड़े ट्रैक्टर ट्राली में घुसी कार, पिता पुत्र की मौत, बरेली से अयोध्या जा रहा था परिवार

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
लखनऊ। बरेली से अयोध्या जा रहा एक परिवार हादसे का शिकार हो गया। सीतापुर रोड पर एक कार सड़क पर खड़े ट्रैक्टर ट्राली से टकरा गई। हादसे में पिता-पुत्र की मौत हो गई। सीतापुर रोड पर बृहस्पतिवार सुबह देवरी रुखारा क्रासिंग के सामने एक कार सड़क पर खड़े ट्रैक्टर ट्राली से टकरा गई। हादसे में पिता पुत्र की मौत हो गई, जबकि चालक समेत तीन अन्य घायल हो गए। घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। हादसे के वक्त ट्रैक्टर चालक मौके पर मौजूद नहीं था।बरेली में मकान नंबर 25 पार्क लाइट, नियर साउथ सिटी सुभाषनगर निवासी विकास चंद्र हजेला (60) बेटे गौरव (42), बहू प्राची (37) और पोते अयान (07) के साथ अयोध्या जा रहे थे। गाड़ी बरेली के इज्जतनगर निवासी अर्पित दीक्षित चला रहे थे।सीतापुर रोड पर तेज रफ्तार कार सड़क किनारे खड़े ट्रैक्टर ट्राली में पीछे से जा घुसी। हादसे में पांचों लहूलुहान हो गए। पुलिस के मुताबिक विकास चंद्र हजेला की मौके पर मौत हो गई। वहीं, गंभीर रूप से घायल गौरव को अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। प्राची, अयान और अर्पित का इलाज चल रहा है। पुलिस ने परिजनों को घटना की जानकारी दे दी है। परिजनों के आने के बाद शवों का पोस्टमार्टम कराया जाएगा।

नूडल्स की फैक्टरी में हुआ था विस्फोट, घरेलू सिलेंडर का हो रहा था प्रयोग

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
लखनऊ। बुधवार को गीडा की फैक्ट्री में धमाका होने से सात मजदूर घायल हो गए थे। गीडा सेक्टर 13 में नूडल्स बनाने वाली फैक्ट्री में विस्फोट मामले में गीडा थाने में केस दर्ज कर पुलिस जांच कर रही है। मुख्य अग्नि शमन अधिकारी संतोष कुमार ने कूड़ाघाट निवासी हिमांशु मणि त्रिपाठी के विरुद्ध केस दर्ज कराया है। नूडल्स सुखाने के लिए घरेलू सिलेंडर का उपयोग किया जा रहा था।मुख्य अग्निशमन अधिकारी संतोष कुमार राय ने बताया कि बुधवार को गीडा सेक्टर 13 गीडा में टोटल फूड प्रोडक्ट फैक्ट्री में नूडल उत्पादन के दौरान घरेलू गैस सिलेंडर का लापरवाही पूर्वक इस्तेमाल किया गया । जिससे उद्यहन के कारण गैस विस्फोट होने से फैक्ट्री में कार्य कर रहे मजदूर गंभीर रूप से झुलस गए। गम्भीर रुप से झुलसे मजदूरों का मेडिकल कालेज में इलाज चल रहा है।बुधवार को गीडा सेक्टर-13 में शाम करीब पांच बजे फास्ट फूड फैक्टरी का बॉयलर फट जाने से इसमें काम कर रहे बिहार के सात मजदूर गंभीर रूप से झुलस गए थे। तेज विस्फोट की आवाज से पूरा इलाका दहल गया और चीख पुकार मच गई थी। आसपास के लोगों ने घायलों को सीएचसी पिपरौली पहुंचाया, जहां से डॉक्टरों ने सभी को मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया। घायलों को मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया है, इनमें दो की हालत गंभीर बताई जा रही है। जानकारी के मुताबिक, गीडा सेक्टर-13 में प्लॉट नंबर डी-20 में हिमांशु मणि त्रिपाठी की टोटल फास्ट फूड प्रोडक्ट लिमिटेड नाम से फैक्टरी है। यहां गत्ता, पत्तल के साथ ही जूनियर नाम से नूडल्स बनाया जाता है। फैक्टरी में ठेकेदार के जरिये मजदूरों से काम लिया जाता है। बुधवार की शाम को फैक्टरी में काम चल रहा था। इसी बीच तेज विस्फोट हुआ जिससे अंदर चहारदीवारी और टिनशेड भरभराकर गिरने लगा। काम करने वाले मजदूर चीखने लगे थे।

गोरखपुर में सनसनीखेज वारदात, युवक और युवती के मिले अर्धनग्न शव; पास में मिला ये सामान

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
गोरखपुर । गोरखपुर में गुरुवार सुबह चिउटहा पुल के पास युवक और युवती के शव मिले हैं। सूचना में लाश मिलने से सनसनी फैल गई।लड़के के पर्स और लड़की के पास मिले आधार कार्ड, पेन कार्ड से पहचान हुई। शव अकड़ गए थे।

पर पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी है। उत्तर प्रदेश के गोरखपुर जिले में एक युवक और एक युवती की लाश मिली हैं। दोनों के शव अर्धनग्न थे। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है। युवती के पास जहरीले पदार्थ की शीशी मिली है।जानकारी के अनुसार, गोरखपुर के चिलुआताल थाना इलाके के जंगल कौड़िया समीप चिउटहा पुल के पास गुरुवार सुबह 24 वर्षीय युवक विश्वनाथ सिंह और युवती नीतू की संदिग्ध परिस्थितियों कहीं-कहीं हलके खरोंच के निशान थे। ग्रामीणों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने जांच शुरू की और फॉरेंसिक टीम ने मौके का मुआयना कर साक्ष्य जुटाए। पुलिस के अनुसार, सुबह करीब आठ बजे गोरखपुर-सोनौली मार्ग पर चिउटहा पुल के पास दोनों के शव मिले। मृतक नीतू (निवासी कुंजलगढ़, थाना कैंपियरगंज) अर्धनग्न अवस्था में थीं, उनके पास सल्फास की बोतल, पानी की बोतलें, मैरून हैंडबैग, घड़ी, नथिया और दुपट्टा मिला। मृतक विश्वनाथ सिंह (निवासी बजहा, थाना कैंपियरगंज) का शव केवल अंडरवियर और भगवा तौलिया में था, पास में नीला जींस और बेल्ट पड़ी थी। दोनों शव 100 मीटर की दूरी पर थे, बीच में एक एक्टिवा स्कूटर (यूपी 42 डी 2645) और उसकी चाबी मिली। मृतक के भाई बृजेश सिंह ने बताया कि विश्वनाथ दो दिन पहले स्कूटी लेकर गोरखपुर गया था। दोनों का चार साल से प्रेम संबंध था। नीतू की शादी होकर तलाक हो चुका था, और वह गोरखपुर में रहती थीं, जबकि विश्वनाथ दिल्ली में एक हॉस्पिटल में काम करता था। विश्वनाथ पिछले कुछ दिनों से आत्महत्या की धमकी दे रहा था। क्षेत्राधिकारी कैंपियरगंज गौरव त्रिपाठी ने बताया बुधवार को नीतू के लापता होने की रिपोर्ट कैंपियरगंज थाने में दर्ज हुई थी। एसपी नॉर्थ जितेंद्र कुमार श्रीवास्तव ने बताया कि प्रथम दृष्टया मामला आत्महत्या प्रतीत होता है, क्योंकि शवों के पास सल्फास की बोतलें मिलीं। पंचनामा के बाद शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। पुलिस और फॉरेंसिक टीम हर पहलू की जांच कर रही है। आगे की कार्रवाई जारी है।

मिर्जापुर, सोनभद्र

अधिवक्ताओं ने आयोजित किया शोक सभा

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
सोनभद्र। पूर्व सूचनानुसार सोनभद्र बार एसोसिएशन सभागार में अध्यक्ष अरुण कुमार मिश्र एड. की अध्यक्षता व महामंत्री अखिलेश कुमार पाण्डेय एड. के संचालान में पहलगाम अटैक में मारे गये भारतीयों की आत्मा को शान्ति व परिवार को इस दुःख की घड़ी मे दुःख सहन करने की शक्ति प्रदान करने हेतु ईश्वर से प्रार्थना की गयी तथा ऐसे आतंकी हमले की घोर निन्दा की गयी । जिसमे नरेन्द्र कुमार पाठक(पूर्व अध्यक्ष), विनोद कुमार चौबे , सुरेन्द्र कुमार पाण्डेय, राकेश शरण मिश्र , राजीव सिंह गौतम(पूर्व महामंत्री), संजय श्रीवास्तव, धनन्जय मौर्य, शारदा प्रसाद मौर्य,(वरिष्ठ उपाध्याक्ष) मुनीरज शाह, प्रदूमन त्रिपाठी, आनन्द कुमार मिश्र(पूर्व महामंत्री), अशोक प्रसाद श्रीवास्तव , पुष्पा तिग्गा, अवधेश मिश्र, राजेन्द्र प्रसाद, मनोज दूबे, अनुज प्रसाद अवस्थी, अविनाश रंजन त्रिपाठी, आशिष शुक्ला प्रभात मिश्र, कृष्ण कुमार त्रिपाठी, संजय कुमार पाण्डेय, व टैक्स बार के अध्यक्ष धर्मेन्द्र ओझा, पवन शर्मा ,एड आदि उपस्थित रहे।

आतंकियों को कड़ी से कड़ी सजा मिलनी चाहिए :योगेश पाण्डेय

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
सोनभद्र।उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ कार्यालय में जिलाध्यक्ष योगेश कुमार पाण्डेय के नेतृत्व में जिला पदाधिकारियों के द्वारा दो मिनट का मौन रख कर पहलगाम हमले में मृतात्माओं की आत्मा की शांति के लिए कामना की । उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ जनपद सोनभद्र आतंकियों द्वारा पर्यटकों की निर्मम हत्या की घोर निंदा करता है। जिलाध्यक्ष योगेश कुमार पाण्डेय ने कहा कि यह आतंकियों की कायरता पूर्ण घटना है जिसके लिए आतंकियों को कड़ी से कड़ी सजा मिलनी चाहिए । समस्त शिक्षक समाज इस घटना की घोर निंदा एवं भर्त्सना करता है और सरकार से यह मांग करता है कि आतंकियों को कठोर से कठोर सजा मिलनी चाहिए जिससे दोबारा इस प्रकार की दर्दनाक घटना न हो ।अब आतंक को मुंहतोड़ जवाब देने का वक्त आ गया है आतंकवाद दुनिया के लिए बहुत बड़ा खतरा है इसलिए आतंकवाद का खात्मा होना चाहिए। इस अवसर पर जिला पदाधिकारी रामनिवास शर्मा , हुकुम चंद्र,राजेश जायसवाल पंकज पाण्डेय, अभिषेक कुमार, आशुतोष शर्मा, मनीष शर्मा, अभिषेक सोनकर, राजेश द्विवेदी आदि उपस्थित रहे।

संगठन को बूथ स्तर तक मज़बूत करने का हैं लक्ष्य:रामाशीष राय

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
सोनभद्र।संगठन को बूथ स्तर तक मज़बूत करने की दिशा में बड़ा कदम राष्ट्रीय लोकदल (थ्ड) संगठन को जिला, ब्लॉक एवं बूथ स्तर तक व्यापक रूप से मजबूत करने के उद्देश्य से एक विशेष सदस्यता अभियान शुरु कर रहा है। यह अभियान 14 अप्रैल बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर जयंती से प्रारंभहोकर सितंबर 2025 तक चलेगा। इस अभियान का मुख्य उ?द्देश्य किसानों, मज़दूरों, अनुसूचित जातियों, पिछड़े वर्गों और अल्पसंख्यक समुदायों को पार्टी से जोड़ना है। उक्त बातें राष्ट्रीय लोकदल के प्रदेश अध्यक्ष रामाशीष राय ने कही। बताया कि राष्ट्रीय लोकदल की मजबूती, एनडीए की मजबूती है। आगामी पंचायत चुनावों को ध्यान में रखते हुए राष्ट्रीय लोकदल एक बार फिर चौधरी चरण सिंह के समय के व्यापक जनाधार को पुनः सक्रिय करने हेतु प्रदेशभर में पूरी सक्रियता से कार्यरत है। पार्टी अपने संगठन को हर स्तर पर सशक्त बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। राष्ट्रीय अध्यक्ष को केंद्र सरकार में महत्वपूर्ण । जिम्मेदारियाँ राष्ट्रीय लोकदल के राष्ट्रीय अध्यक्ष चौधरी जयंत सिंह को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा केंद्र सरकार में महत्वपूर्ण दायित्व सौंपा गया है। उन्हें कौशल विकास एवं उद्यमशीलता मंत्रालय का स्वतंत्र प्रभार और शिक्षा राज्य मंत्री का दायित्व मिला है। वे पूरे समर्पण भाव से प्रदेश और देश में केंद्र सरकार की योजनाओं को ज़मीन पर लागू करने में जुटे हुए हैं और प्रधानमंत्री के ठनए भारतठ के सपनों को साकार करने में अहम भूमिका निभा रहे हैं। गांव-किसान के विकास की प्राथमिकता । राष्ट्रीय लोकदल का मानना है कि गांव और किसान की समृ?द्धि ही राष्ट्र की समृद्धि का मार्ग है। भारत रत्न चौधरी चरण सिंह का सपना था कि देश के विकास की नींव गांव आधारित योजनाओं और कुटीर उ?द्योगों पर रखी जाए। नौजवानों को हुनरमंद और आत्मनिर्भर बनाना उनकी हमेशा से प्राथमिकता रही है। राज्य सरकार की पहल । आज की केंद्र सरकार और उत्तर प्रदेश सरकार चौधरी साहब के दृष्टिकोण को साकार करते हुए ग्रामीण विकास, तकनीकी शिक्षा, और स्थानीय रोजगार के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य कर रही है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा शुरू की गई ठएक जिला, एक उत्पादठ (ध्व्ध्झ्) योजना के तहत प्रदेश के विकास को नई गति मिली है। इसके साथ ही प्रदेश सरकार बंद पड़ी चीनी मिलों को पुनः शुरू करने की दिशा में भी विचार कर रही है, जिससे पूर्वाचन में विकास और रोजगार के अवसर बढ़ेंगे।

पाक्सो एक्टः दोषी अखिलेश भारती को 20 वर्ष की कठोर कैद

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
सोनभद्र।7 माह पूर्व 8 वर्षीय नाबालिग लड़की के साथ हुए दुष्कर्म के मामले में अपर सत्र न्यायाधीश / विशेष न्यायाधीश पाक्सो एक्ट सोनभद्र अमित वीर सिंह की अदालत ने बुधवार को सुनवाई करते हुए दोषसिद्ध पाकर दोषी अखिलेश भारती को 20 वर्ष की कठोर कैद एवं 51 हजार रूपये अर्थदंड की सजा सुनाई। अर्थदंड न देने पर 6 माह की अतिरिक्त कैद भुगतनी होगी। वहीं अर्थदंड की धनराशि में से 40 हजार रूपये पीड़िता को मिलेगी। अभियोजन पक्ष के मुताबिक दुद्धी थाना क्षेत्र के एक गांव निवासी पीड़िता के पिता ने 2 सितंबर 2024 को दुद्धी थाने में दी तहरीर मे अवगत कराया था कि उसकी 8 वर्षीय नाबालिक बेटी एक सितंबर 2024 को दोपहर 2:30 बजे घर से 100 मीटर दूर स्थित महुआ के पेड़ के नीचे एक लड़के के साथ गोटी खेल रही थी। जहां पर अखिलेश भारती पुत्र रामखेलावन राम निवासी दिघुल, थाना दुद्धी, जिला सोनभद्र आ गया और लड़के को भगा दिया। उसकी नाबालिग बेटी का हाथ पकड़कर अपने चाचा के घर ले गया और जबरन बेटी के साथ दुष्कर्म किया। वह रोती चिल्लाती रही, लेकिन वह नहीं माना। बेटी ने बताया कि कहीं सूचना देने पर पूरे परिवार को जान से मारने की धमकी दिया था। इस तहरीर पर पुलिस ने एफआईआर दर्ज कर मामले की विवेचना शुरू कर दिया। विवेचक ने पर्याप्त सबूत मिलने पर कोर्ट में चार्जशीट दाखिल किया था। मामले की सुनवाई के दौरान अदालत ने दोनों पक्षों के अधिवक्ताओं के तर्कों को सुनने, 9 गवाहों के बयान एवं पत्रावली का अवलोकन करने पर दोषसिद्ध पाकर दोषी अखिलेश भारती को 20 वर्ष की कठोर कैद एवं 51 हजार रूपये अर्थदंड की सजा सुनाई। अर्थदंड न देने पर 6 माह की अतिरिक्त कैद भुगतनी होगी। वहीं अर्थदंड की धनराशि में से 40 हजार रुपये पीड़िता को मिलेगा। अभियोजन पक्ष की तरफ से सरकारी वकील दिनेश प्रसाद अग्रहरि, सत्य प्रकाश त्रिपाठी एवं नीरज कुमार सिंह ने बहस की।

प्रदर्शन करियों ने पहलगाम की घटना पर किया घोर शोक -ब्यक्त

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
सोनभद्र। राष्ट्रीय उद्योग ब्यापार, जवान,किसान मंच एवं राष्ट्रीय सोनार समाज एसोसिएशन के राष्ट्रीय/प्रदेश अध्यक्ष राज कुमार सोनी के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने जम्मू काश्मीर के पहलगाम में पाकिस्तान समर्थित आतंकवादियों द्वारा 26 निर्दोष तीर्थ यात्रियों को धर्म पूछकर गोलियों से भुनकर मार डाले जाने की घटना पर विरोध प्रदर्शन कर पाकिस्तान सरकार और आतंकवादी संघठनों का पुतला दहन कर पाकिस्तान - आतंकवादी मुर्दाबाद के जमकर नारे बाजी लगाकर केंद्र सरकार से देश के दुश्मनों को मुहतोड़ जवाब देने की मांग किया त् ईस मौके पर पूर्वांचल राज्य मौर्चा के राष्ट्रीय महा सचिव पवन कुमार एड. ने कहाँ कि ईस घटना की घोर निंदा करता हूँ और ईस घटना में मरने वाले सभी लोगों के प्रति शोक ब्यक्त करता हूँ त् ईस मौके पर राष्ट्रीय उद्योग ब्यापार,जवान किसान मंच के राष्ट्रीय अध्यक्ष राज कुमार सोनी ने केंद्र सरकार से पाकिस्तान को मुहतोड़ जवाब देकर ईस घटना शामिल आतंकवादी को तत्काल ढूढ़कर जहन्नम भेजकर पूरे देश से आतंकवाद का सफाया कर देश के दुश्मनों, आतंकवादियों से देश के जवानों व आम नागरिकों की सुरक्षा में देश हित में कई वर्षो से लगातार देश की सीमा पर अभेद दीवार निर्माण कर देश की सुरक्षा किये जाने की मांग जो कि केंद्र में विचाराधीन चल रहा है राष्ट्रीय सुरक्षा जैसे गंभीरता पूर्वक विचार करने का अपील कर मृतकों के प्रति शोक संवेदना ब्यक्त कर घायलों को शीघ्र स्वस्थ होने की प्रार्थना किया त् ईस मौके पर महा सचिव शशि भूषण सिंगला सहित तमाम अधिवक्ता गणों ने ईस घटना की घोर निंदा कर पाकिस्तान को मुहतोड़ जवाब देकर पुरे देश में आतंकवादियों का सफाया कर आतंकवादी घुसपैठ रोकने हेतु सीमा पर दीवार निर्माण मांग को जायज ठहराया और केंद्र सरकार से ईस पर गंभीरता पूर्वक विचार करने का अपील किया ईस मौके पर राज कुमार सोनी, पवन कुमार एड, शशि भूषण सिंगला , राजेश, विमलेश सिंह, संदीप, अतुल, इत्यादि भारी संख्या में लोग मौजूद रहे ।

अपर पुलिस अधीक्षक (मुख्यालय) द्वारा सर्किल पिपरी का किया गया अर्दली रूम, सम्बन्धित विवेचकों को त्वरित निस्तारण हेतु दिये गये निर्देश

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
सोनभद्र। अपर पुलिस अधीक्षक (मुख्यालय) कालू सिंह द्वारा सर्किल पिपरी के थाना पिपरी एवं थाना अनपरा पर अर्दली रूम किया गया। अर्दली रूम के दौरान अपर पुलिस अधीक्षक द्वारा थाना पिपरी एवं थाना अनपरा पर लम्बित विवेचनाओं के सन्बंध में विस्तृत रूप से वार्ता करते हुये लम्बित विवेचनाओं की समीक्षा की गई तथा विवेचनाओं का समय से निस्तारण करने हेतु सम्बंधित विवेचकों को निर्देशित किया गया साथ ही जनशिकायतों की सुनवाई कर तत्काल जाँच करने व विधिक निस्तारण सुनिश्चित करने हेतु भी निर्देश दिये गये। इसके अतिरिक्त अपर पुलिस अधीक्षक द्वारा अधिक समय से लंबित विवेचनाओं के शीघ्र निस्तारण पर जोर देते हुए वांछित अभियुक्तों व वारंटियों की गिरफ्तारी करने, आईजीआरएस प्रार्थना पत्रों एवं शिकायती प्रार्थना पत्रों का त्वरित निस्तारण, रात्रि में चौराहे/तिराहे पर चेकिंग करके अपराधियों के संचरण पर रोक लगाने सहित अन्य अपराधिक गतिविधियों में संलिप्त अपराधियों का भौतिक सत्यापन करने, अवैध शराब एवं मादक पदार्थों के तस्करों व क्रय विक्रय करने वालों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई करने, थाने के मालों का निस्तारण तथा महिला संबंधी अपराधों में त्वरित गति से कार्रवाई करने के भी निर्देश दिए। इसके साथ ही वर्तमान समय में शासन एवं उच्चाधिकारीगण द्वारा जारी आदेशों एवं अभियानों के सम्बन्ध में आवश्यक दिशा-निर्देश दिये गये।

19 से अभिषेकात्मक रुद्र महायज्ञ एवं संगीतमय श्री राम कथा

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
सोनभद्र। रावटसगंज के बरैला महादेव मंदिर पर विगत वर्षों की भांति 6 वर्ष होने जा रहे अभिषेकात्मक रुद्र महायज्ञ एवं संगीतमय श्री राम कथा ज्ञान महायज्ञ के आचार्य पंडित सौरभ भारद्वाज ने बताया 19 मई से 27 मई 2025 तक यज्ञ होना है जिसके लिए मंगल कलश शोभायात्रा 19 मई प्रातः 7:00 बजे बरकरा जलाशय से मंदिर तक 151 कलस के साथ पूजन प्रारंभ किया जाएगा अतः यज्ञ के दौरान प्रतिदिन भोलेनाथ का अलग-अलग पदार्थ से रुद्राभिषेक किया जाएगा एवं रात्रि कालीन प्रवचन शाम 6:00 बजे से रात्रि 10:00 बजे तक किया जाएगा श्री राम कथा प्रवचन के लिए आजमगढ़ उत्तर प्रदेश से पंडित बाल गोविंद शास्त्री महाराज का शुभ आगमन होगा एवं काशी की पवित्र धरती से मानस गंगा प्रियंका पांडेय का शुभागमन होगा इसके शुभ अवसर पर आज ध्वज पूजन संपन्न किया गया यज्ञ कमेटी के संरक्षक अरविंद शरण सिंह बृजेश शरण सिंह रवि प्रकाश पांडे बृजेश पांडे संदीप कुमार सिंह मंदिर के पुजारी देवनाथ बाबा अखिलेश चतुर्वेदी जेई संकल्प लेकर यज्ञ निर्विघ्नता के लिए सैकड़ो भक्तों के द्वारा पूजन अर्चन किया गया श्री राम नाम केजयकारे से विगत वर्षों से यज्ञ कराई जा रही है जिससे क्षेत्र में काफी हर्षोल्लास है क्षेत्र में चर्चा का विषय बरैला महादेव की यज्ञ है श्री राम कथा से क्षेत्र का बहुमुखी विकास हो रहा है राम कथा सुंदर कर्तरी संशय विहग उड़वन हरि।।राम कथा सुनने से सन से समाप्त होकर सुख की प्राप्ति हो जाती है इसलिए सभी को राम कथा सुनना चाहिए इस शुभ अवसर पर पंडित राजकुमार पांडे दीपेंद्र विद्यार्थी विनय चौबे धीरज शास्त्री राजाराम बाबा शाहिद सैकड़ो लोग मौजूद रहे।

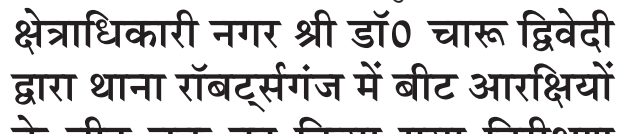

क्षेत्राधिकारी नगर श्री डॉ0 चारू द्विवेदी द्वारा थाना रॉबर्ट्सगंज में बीट आरक्षियों के बीट बुक का किया गया निरीक्षण

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
सोनभद्र। थाना रॉबर्ट्सगंज में क्षेत्राधिकारी नगर डॉ0 चारू द्विवेदी द्वारा थाना रॉबर्ट्सगंज पर बीट सुदृढ़ीकरण के सम्बन्ध में समस्त बीट कर्मियों के बीट बुक का निरीक्षण किया गया। उक्त निरीक्षण के दौरान बीट कर्मियों को बीट क्षेत्र में नियमित रूप से भ्रमण करते हुये बीट क्षेत्र में होने वाले अवैध कार्यों के सम्बन्ध में अभिसूचना संकलन करने तथा अवैध शराब/मादक पदार्थों/ छेड़खानी/महिला उत्पीड़न में लिप्त अपराधियों व मनचलों/ शोहदों के सम्बन्ध में जानकारी एकत्र किये जाने हेतु निर्देशित किया गया। साथ ही बीट में प्रभावी कार्यवाही हेतु उच्चाधिकारीगण से प्राप्त निर्देशों से अवगत कराते हुये ब्रीफ किया गया।

एसपी ने जन शिकायतों के त्वरित निस्तारण को दिए दिशा-निर्देश

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
सोनभद्र। चूर्क स्थित पुलिस लाइन सभा कच्छ में प्रतिदिन की भांति की जा रही जनसुनवाई के क्रम में गुरुवार को अशोक कुमार मीणा, पुलिस अधीक्षक द्वारा जनता दर्शन में आये फरियादियों की समस्याएं/ शिकायतों को सुना गया। जनसुनवाई के दौरान प्राप्त शिकायतों के शीघ्र एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण हेतु सम्बन्धित को आदेशित किया गया। एसपी द्वारा सभी थाना प्रभारियों को सचेत किया गया कि जनसुनवाई/महिला हेल्पडेस्क को और अधिक प्रभावशाली बनाये ताकि पीड़ित/ शिकायतकर्ता को अनावश्यक रूप से अपने थाने से पुलिस कार्यालय आने की आवश्यकता न हो। साथ ही निर्देशित किया गया कि जिस समस्या का समाधान थाना स्तर से हो सकता है उनका समाधान थाना स्तर पर ही समयबद्ध, गुणवत्तापूर्ण निस्तारण प्राथमिकता के आधार पर कराना सुनिश्चित करें। इसी क्रम में जनपद के समस्त राजपत्रित अधिकारीगण व थाना प्रभारियों द्वारा कार्यालय/ थाना पर जनसुनवाई करते हुए प्राप्त जन शिकायतों का त्वरित निस्तारण सुनिश्चित कराया जा रहा है।

आतंकवादियों के हमले में निर्मम हत्या पर आयोजित हुई शोक सभा

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
सोनभद्र। पहलगाम जम्मूकश्मीर में निर्दोष हिंदुओं की आतंकवादियों द्वारा निर्मम हत्या करने पर मृत आत्माओं के शांति के लिए भाजपा जिला कार्यालय पर जिलाध्यक्ष नंदलाल के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं द्वारा दो मिनट का मौन रखकर शोक संवेदना व्यक्त किया गया। शोक संवेदना व्यक्त करते हुए जिलाध्यक्ष नन्दलाल ने कहा की हिन्दुओ से जाति पूछकर की गयी हत्याए भारतीय राजनिति के लिए कलंक है और मांग की इन आतंकवादियों पर कठोर से कठोर कार्यवाही की जाये ! प्रार्थना की गयी की मृत आत्माओ को शांति प्रदान करे साथ ही घायलों को जल्दी स्वस्थ्य होने की कामना की गयी । शोक संवेदना में मुख्य रूप से जिला मंत्री संतोष शुक्ला शंभू नारायण सिंह अनूप तिवारी पूर्व जिला उपाध्यक्ष कमलेश चौबे प्रसन्न पटेल रामनिवास तोमर बृजेश श्रीवास्तव अशोक पांडे अतुल पांडे राम गति चौहान कैलाश तिवारी राजन पांडे लव कुश आदि उपस्थित रहे ।

छात्राओं ने काली पट्टी बांधकर निकाली आक्रोश रैली

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
सोनभद्र। जम्मू कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के विरोध में विन्ध्य कन्या पी0जी0 कालेज की छात्राएं व स्टॉफ ने काली पट्टी बांधकर रैली निकाल कर उक्त घटना पर अपना आक्रोश व्यक्त किया तथा सरकार से पीड़ितों के लिए न्याय की मांग की। कालेज की प्राचार्या डॉ0 अंजली विक्रम सिंह ने अपना आक्रोश व्यक्त करते हुए कहा कि इस तरह की घटनाओं का मुँहतोड़ जवाब देना होगा अन्यथा इसी तरह बेकसूरों को अपनी जान गंवानी पड़ेगी। भाजपा महिला मोर्चा की अध्यक्ष पुष्पा सिंह तथा जिला संयोजिका (एक राष्ट्र एक चुनाव) डॉ0 रचना तिवारी, नगर पालिका अध्यक्ष रूबी प्रसाद, कुसुम शर्मा आदि ने भी घटना को लेकर शोक संवेदना व्यक्त करते हुए आक्रोश व्यक्त किया। इस अवसर पर महाविद्यालय के चीफ ट्रस्टी डॉ0 अजय कुमार सिंह, डॉ0 कैलाश नाथ, डॉ0 मालती, डॉ0 अरूणेन्द्र संदल, विनीता, कीर्ति, पंकज, अनीश आदि उपस्थित रहें।

11 वर्षीय नाबालिक लडकी के साथ दुष्कर्म करने वाले मंजर खान को पुलिस ने किया गिरफ्तार

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
सोनभद्र। थाना पिपरी क्षेत्रान्तर्गत एक नाबालिक लड़की के साथ शारीरिक शोषण करने वाला गिरफ्तार अभियुक्त, घटना के समय पहने कपड़े की बरामदगी कर वापस आते समय अभियुक्त द्वारा पुलिसकर्मी से रायफल छिन कर भागने के प्रयास के दौरान पुलिस मुठभेड़ में घायल एक नफर अभियुक्त गिरफ्तार जय हिन्द सर, श्रीमान् जी सादर अवगत कराना है कि दिनांक 23.04.2025 को थाना पिपरी पर आवेदिका मालती देवी पत्नी गणेश राम जाति चमार निवासिनी वार्ड नंबर 04 शहीद भगत सिंह नगर रेणुकूट थाना पिपरी जनपद सोनभद्र द्वारा लिखित सूचना दी कि उसकी बड़ी बेटी की नाबालिग लड़की जो करीब 4 महीने से आवेदिका के साथ रह रही थी। आज दिनांक 23.4.2025 समय करीब 16:00 बजे आवेदिका की नातिन नहीं दिखाई दी तो उसे आवेदिका व उसकी बेटी तलाश करने लगे तभी पास के ही मकान विनोद साब उर्फ मुन्ना के कमरे में रोने की आवाज सुनाई दी, जिस पर आवेदिका आदि जाकर दरवाजा खटखटाने लगे तो उसके अंदर से मंजर खान पुत्र कलाम खान निवासी वार्ड नंबर 04 शहीद भगत सिंह रेणुकूट दर्जी मार्केट थाना पिपरी

जनपद सोनभद्र अस्त-व्यस्त कपड़ों को सही करते हुए घबराया हुआ दरवाजा खोलकर भाग गया। आवेदिका व उसकी बिटिया अंदर जाकर देखा तो आवेदिका की नातिन बिना कपड़े के नग्न अवस्था में पड़ी रो रही थी, पूछने पर उसके द्वारा बताया कि मंजर उपरोक्त ने उसकी मुंह दबाकर उसके साथ गलत काम किया है। उक्त तहरीर के आधार पर दिनांक 23.04.2025 को थाना पिपरी पर मु0अ0सं0-65/2025 धारा 65(2) बीएनएस 5(श्)/6 पाक्सो एक्ट व 3(2)ल्र् एससी/एसटी एक्ट में अभियोग पंजीकृत कर तत्काल पुलिस टीम लगा कर अभियुक्त उपरोक्त को गिरफ्तार कर लिया गया। गिरफ्तार अभियुक्त मंजर खान उपरोक्त से घटना के समय पहने कपड़े के बारे में कड़ाई से पुछा गया तो आज दिनांक 24.04.2025 को सुबह बताया कि घटना के समय पहने कपड़े को ग्राम खाड़पातर जंगल में फेक दिया है, कपड़े की बरामदगी के लिए प्रभारी निरीक्षक पिपरी मय पुलिस बल के द्वारा पहने कपड़े को बरामद कर वापस आते समय अभियुक्त मंजर खान उपरोक्त द्वारा मौका देख पुलिसकर्मी महेश सरोज से रायफल छीन कर भागने के प्रयास में पुलिस पर हमलावर हो गया, जिसमें पुलिस आत्मरक्षार्थ करते समय मुठभेड़ में अभियुक्त मंजर खान उपरोक्त के बांये पैर में गोली लगने से घायल हो गया, जिसे गिरफ्तार कर इलाज हेतु सीएचसी म्योरपुर में भर्ती कराया गया है।

कमिश्नर शहडोल संभाग को शहडोल युवाओं ने भेंट की सकोरे

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
शहडोल। शहडोल 23 अप्रैल 2025- ग्रीष्मकाल को दृष्टिगत रखते हुए शहडोल युवा टीम द्वारा पशु पक्षियों की प्यास बुझाने के लिए निरंतर कार्य किया जा रहा है। कमिश्नर शहडोल संभाग श्रीमती सुरभि गुप्ता को शहडोल युवा श्री गौरव मिश्रा, देवेंद्र श्रीवास्तव, प्रभाकर मिश्रा, प्रकाष सेन, आर्या द्विवेदी, षिवनाथ द्विवेदी सहित अन्य युवाओं ने सकोरे भेंट किया। युवा टीम के श्री गौरव मिश्रा ने पषु पक्षियों एवं निराश्रित मवेषियों के लिए अभियान चलाकर किये जा रहे कार्यों की जानकारी दी तथा कमिष्नर शहडोल संभाग श्रीमती सुरभि गुप्ता ने किये जा रहे कार्यों की सराहनी भी की। कमिष्नर ने कहा कि युवा टीम शहडोलज युवाओं की टोली का यह अत्यंत सराहनीय प्रयास है। युवाओं के इस प्रयास में हम सभी को अपनी सहभागिता निभाकर पक्षियों के लिए सकोरे बांधने चाहिए जिससे विलुप्त हो रहे पक्षियों का संरक्षण हो सके। उन्होंने कहा इस पुनीत कार्य के लिए लोगो को जागृत करने व परिवार के साथ पक्षियों व पशुओं के लिए दाना पानी की व्यवस्था करने का संकल्प लें इससे पुण्य तो मिलेगा ही।

स्पोर्ट्स

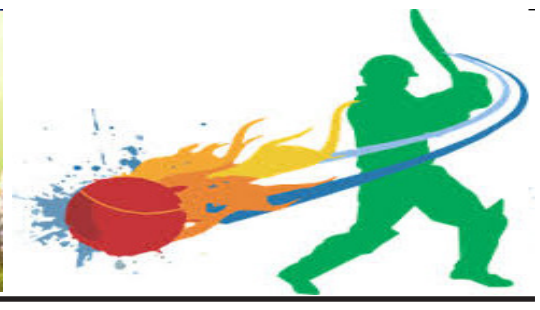

ऑलराउंड प्रदर्शन से जीती मुंबई इंडियंस, अंक तालिका में हुआ बड़ा बदलाव; रोहित का लगातार दूसरा पचासा

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)

नई दिल्ली। मुंबई लगातार चौथी जीत के साथ अंक तालिका में 10 अंक और 0.673 के नेट रन रेट के साथ तीसरे पायदान पर पहुंच गई। वहीं, सनराइजर्स हैदराबाद आठ में छह मैच गंवाकर नौवें स्थान पर है। अब मुंबई का सामना 27 अप्रैल यानी रविवार को लखनऊ से होगा। इस मैच में जीत के साथ हार्दिक पांड्या की टीम स्थिति मजबूत करने उतरेगी। 144 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी मुंबई को जयदेव उनादकट ने पहला झटका दिया था। उन्होंने रेयान रिकेल्टन को आउट किया। वह सिर्फ 11 रन बना सके। इसके बाद मोर्चा रोहित शर्मा और विल जैक्स ने संभाला। दोनों के बीच दूसरे विकेट के लिए 46 गेंदों में 64 रन की साझेदारी हुई, जिसे जीशान अंसारी ने तोड़ा। उन्होंने जैक्स को अभिनव मनोहर के हाथों कैच कराया। वह दो चौके और एक छक्के की मदद से 22 रन बनाकर आउट हुए। इसके बाद रोहित शर्मा को सूर्यकुमार यादव का साथ मिला। दोनों ने 32 गेंदों में 53 रन जोड़े और जीत सुनिश्चित की। हिटमैन इस मैच में एक बार फिर अर्धशतकीय पारी खेलने में कामयाब हुए। उन्होंने 46 गेंदों में 70 रन बनाए। इस दौरान उनके बल्ले से 35 गेंदों में अर्धशतक आया। हैदराबाद के खिलाफ मुकाबले में रोहित ने 152.17 के स्ट्राइक रेट से बल्लेबाजी की और दो चौके व एक छक्का लगाया। वहीं, सूर्यकुमार यादव 40 और तिलक वर्मा दो रन बनाकर नाबाद रहे। हेनरिक क्लासेन (71) और अभिनव मनोहर (43) की 99 रनों की विशाल साझेदारी के दम पर सनराइजर्स हैदराबाद ने मुंबई के सामने 144 रन का लक्ष्य रखा। इस मैच में हैदराबाद की शुरुआत खराब हुई। 20 से कम के स्कोर पर टीम ने अपने चार विकेट गंवा दिए। ट्रेविस हेड (0), अभिषेक शर्मा (8), ईशान किशन (1) और नीतीश रेड्डी (2) बड़ी पारी खेलने में नाकाम रहे। इसके बाद मोर्चा हेनरिक क्लासेन और अभिनव मनोहर ने संभाला। दोनों के बीच छठे विकेट के लिए 99 रन की विशाल साझेदारी हुई। क्लासेन ने 34 गेंदों में इस आईपीएल का अपना पहला अर्धशतक पूरा किया। वह 44 गेंदों में 71 रन का निजी स्कोर बनाने में कामयाब हुए। वहीं, इम्पैक्ट प्लेयर के तौर पर आए अभिनव मनोहर ने 37 गेंदों का सामना किया और दो चौके व तीन छक्के की मदद से 43 रन बनाए। अनिकेत वर्मा ने 12, पैट कमिंस ने एक और हर्षल पटेल ने एकङ रन बनाया। मुंबई के लिए ट्रेंट बोल्ट ने चार विकेट लिए जबकि दीपक चाहर को दो विकेट मिले। वहीं, बुमराह ने एक सफलता अपने नाम की।

ईशान किशन ने खुद मारी पैर पर कुल्हाड़ी, अपील से पहले लौटे पवेलियन; अंपायर और पांड्या भी कन्फ्यूज

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)

नई दिल्ली। इस मैच में ईशान किशन अपनी गलती के कारण दीपक चाहर का शिकार बन बैठे। तीसरे ओवर की पहली गेंद लेग साइड की तरफ जा रही थी, उन्होंने खेलने का प्रयास किसा लेकिन गेंद न तो उनके बल्ले से लगी थी और न ही उनके शरीर से लगी। विकेटकीपर ने गेंद को बिना किसी गलती के लपक लिया। सनराइजर्स हैदराबाद के स्टार बल्लेबाज ईशान किशन एक बार फिर छोटी पारी खेलकर आउट हो गए। मुंबई इंडियंस के खिलाफ वह सिर्फ एक रन बना पाए। इस मैच में जिस तरह से ईशान आउट हुए, उसने सभी को हैरान कर दिया। बता दें कि, मुंबई इंडियंस के कप्तान हार्दिक पांड्या ने इस मैच में टॉस जीतकर सनराइजर्स हैदराबाद को पहले बल्लेबाजी का न्योता दिया।इस मैच में ईशान किशन अपनी गलती के कारण दीपक चाहर का शिकार बन बैठे। तीसरे ओवर की पहली गेंद लेग साइड की तरफ जा रही थी, उन्होंने खेलने का प्रयास किसा लेकिन गेंद न तो उनके बल्ले से लगी थी और न ही उनके शरीर से लगी। विकेटकीपर ने गेंद को बिना किसी गलती के लपक लिया। इस दौरान अंपायर विनोद शेषन ने पहले गेंद को वाइड देने के लिए अपना हाथ उठाया लेकिन ईशान किशन ने अंपायर की उंगली उठने का भी इंतजार नहीं किया और पवेलियन की तरफ लौटने लगे। अंपायर भी इसे देखकर चौंक गए। जब ईशान किशन को अहसास हुआ कि अंपायर वाइड बॉल दे रहे हैं, तो वह क्रीज की तरफ लौटने लगे। तभी अंपायर और भ्रमित हो गए। उन्होंने दो बार हिचकिचाते हुए उंगली उठाकर आउट करार देने का मन बनाया। आखिरकार अंपायर ने उन्हें आउट करार दिया। हैरानी की बात यह रही कि इससे पहले मुंबई के किसी भी खिलाड़ी ने अपील नहीं की थी लेकिन ईशान किशन को बाहर जाता देखकर हार्दिक ने अपील की और अंपायर ने उन्हें आउट दे दिया। ईशान किशन भी पवेलियन को लौट गए और रिव्यू भी नहीं लिया। कुछ समय बाद इस विकेट का रिव्यू दिखाया गया तो स्निकोमीटर पर कोई हलचल नहीं दिखाई दी जिससे साफ हो गया कि ईशान अपना विकेट खुद ही फेंककर चले गए। रिव्यू में साफ दिख रहा था कि गेंद का बल्ले से कोई संपर्क नहीं हुआ था। बता दें कि, इस सत्र में ईशान किशन का बल्ला खामोश रहा है। उन्होंने पहले मैच में शतक जड़ा था लेकिन इसके बाद कोई बड़ी पारी नहीं खेल पाए।ट्रेंट बोल्ट की घातक गेंदबाजी और रोहित शर्मा की अर्धशतकीय पारी के दम पर मुंबई इंडियंस ने सनराइजर्स हैदराबाद को सात विकेट से हरा दिया। टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी हैदराबाद ने हेनरिक क्लासेन की 71 रनों की पारी की मदद से 20 ओवर में आठ विकेट खोकर 143 रन बनाए। जवाब में पांच बार की विजेता टीम ने 15.4 ओवर में तीन विकेट खोकर 146 रन बनाए और मुकाबला अपने नाम कर लिया। हैदराबाद के लिए जयदेव उनादकट, ईशान मलिंगा और जीशान अंसारी ने एक-एक विकेट लिया।मुंबई लगातार चौथी जीत के साथ अंक तालिका में 10 अंक और 0.673 के नेट रन रेट के साथ तीसरे पायदान पर पहुंच गई। वहीं, सनराइजर्स हैदराबाद आठ में छह मैच गंवाकर नौवें स्थान पर है। अब मुंबई का सामना 27 अप्रैल यानी रविवार को लखनऊ से होगा। इस मैच में जीत के साथ हार्दिक पांड्या की टीम स्थिति मजबूत करने उतरेगी।

मेरी जगह है वो', पिटाई के बाद बौखलाए बुमराह ड्रिंक्स में करुण से उलझे; हार्दिक-रोहित बीच में कूदे

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)

नई दिल्ली। मुंबई इंडियंस के खिलाफ मैच में दिल्ली कैपिटल्स के स्टार बल्लेबाज करुण नायर ने धमाकेदार प्रदर्शन किया। उन्होंने जसप्रीत बुमराह को निशाना बनाकर एक ही ओवर में 18 रन ठोके और अर्धशतक पूरा किया। इस मैच में 33 वर्षीय बल्लेबाज ने 22 गेंदों में अपने आईपीएल करियर का 11वां पचासा पूरा किया। मुंबई इंडियंस के खिलाफ मैच में दिल्ली कैपिटल्स के स्टार बल्लेबाज करुण नायर ने धमाकेदार प्रदर्शन किया। उन्होंने जसप्रीत बुमराह को निशाना बनाकर एक ही ओवर में 18 रन ठोके और अर्धशतक पूरा किया। इस मैच में 33 वर्षीय बल्लेबाज ने 22 गेंदों में अपने आईपीएल करियर का 11वां पचासा पूरा किया। मैच के दौरान बुमराह और नायर के बीच हल्की-फुल्की बहस भी हुई जिसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है।यह घटना पावरप्ले की समाप्ति के बाद की है। छठा ओवर जसप्रीत बुमराह ने फेंका। इस ओवर में करुण नायर ने दो छक्के, एक चौके और दो रन की मदद से 18 रन बटोरे। इसी के साथ नायर ने 22 गेंदों में अपना अर्धशतक पूरा किया। इस ओवर की समाप्ति के बाद स्ट्रेटजिक टाइमआउट हुआ और बुमराह को करुण नायर से कुछ कहते सुना गया। दरसअल, जब नायर आखिरी दो रन के लिए दौड़ रहे थे तभी उनकी बुमराह से टक्कर हो गई थी। यह बात तेज गेंदबाज को हजम नहीं हुई। बुमराह को उनसे कहते सुना गया कि जिस जगह तुम दौड़कर आए वो मेरी जगह थी। करुण भी इसपर जवाब देते हैं। हालांकि, हार्दिक पांड्या बीच में आकर दोनों को अलग करते हैं। वहीं, रोहित शर्मा करुण नायर से इशारों-इशारों में मजाक मस्ती करते दिखते हैं। इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। मुंबई के खिलाफ बतौर इम्पैक्ट खिलाड़ी खेलने आए करुण नायर ने घरेलू क्रिकेट का फॉर्म बरकरार रखा है। उन्होंने पिछले घरेलू सत्र में नौ शतक जड़े थे। इस मैच में नायर ने बुमराह की भी जमकर पिटाई की। उन्होंने तेज गेंदबाज के खिलाफ कुल नौ गेंदें खेलीं और 26 रन बटोरे। इसी के साथ वह आईपीएल में बुमराह के खिलाफ सबसे ज्यादा रन बनाने वाले दूसरे बल्लेबाज बन गए। 2016 में शिखर धवन ने 16 गेंदों में बुमराह के खिलाफ 27 रन बनाए थे।

आईसीसी की नई पहल, अफगानिस्तान की विस्थापित महिला क्रिकेटरों के लिए टास्क फोर्स का गठन किया

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)

नई दिल्ली। इस पहल के हिस्से के रूप में आईसीसी प्रत्यक्ष मौद्रिक सहायता प्रदान करने के लिए एक समर्पित कोष स्थापित करेगा जिससे कि यह सुनिश्चित हो सके कि इन क्रिकेटरों के पास वे संसाधन हों जिनकी उन्हें अपने पसंदीदा खेल को जारी रखने के लिए आवश्यकता है। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने अफगानिस्तान की विस्थापित महिला क्रिकेटरों की सहायता के लिए रविवार को एक समर्पित टास्क फोर्स के गठन की घोषणा की। अफगानिस्तान की कई महिला क्रिकेटर अब ऑस्ट्रेलिया में निर्वासन में रह रही हैं और इसके लिए खेल की सर्वोच्च संस्था ने भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) और इंग्लैंड तथा ऑस्ट्रेलिया के क्रिकेट बोर्ड के साथ सहयोग किया है। एक ऐतिहासिक पहल में आईसीसी ने खेल के तीन सबसे प्रभावशाली बोर्ड- बीसीसीआई, इंग्लैंड एवं वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी), और क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) के साथ हाथ मिलाया है जिससे कि 'इन प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को उनके क्रिकेट और व्यक्तिगत विकास दोनों यात्राओं में सहायता मिल सके'। इस पहल के हिस्से के रूप में आईसीसी प्रत्यक्ष मौद्रिक सहायता प्रदान करने के लिए एक समर्पित कोष स्थापित करेगा जिससे कि यह सुनिश्चित हो सके कि इन क्रिकेटरों के पास वे संसाधन हों जिनकी उन्हें अपने पसंदीदा खेल को जारी रखने के लिए आवश्यकता है। आईसीसी ने विज्ञप्ति में कहा कि इसके साथ ही एक मजबूत हाई परफोर्मेंस कार्यक्रम भी होगा जिसमें उन्नत कोचिंग, विश्व स्तरीय सुविधाएं और उन्हें अपनी पूरी क्षमता तक पहुंचने में मदद करने के लिए अनुकूलित मार्गदर्शन प्रदान किया जाएगा। इस पहल पर टिप्पणी करते हुए आईसीसी के चेयरमैन जय शाह ने कहा, अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद में हम समावेशिता को बढ़ावा देने और यह सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध हैं कि हर क्रिकेटर को अपने हालात की परवाह किए बिना चमकने का अवसर मिले। हमारे मूल्यवान भागीदारों के सहयोग से हमें इस कार्यबल और सहायता कोष को शुरू करने पर गर्व है जिसके साथ व्यापक हाई परफोर्मेंस कार्यक्रम भी होगा जिससे कि यह सुनिश्चित किया जा सके कि अफगानिस्तान की विस्थापित महिला क्रिकेटर खेल में अपनी यात्रा जारी रख सकें। यह पहल क्रिकेट के वैश्विक विकास और एकता, लचीलापन और आशा को प्रेरित करने की इसकी शक्ति के प्रति हमारी दृढ़ प्रतिबद्धता को दर्शाती है। आईसीसी का मानना है कि यह पहल ना केवल अफगानिस्तान की महिला क्रिकेटरों के खेल करियर को संरक्षित करने में मदद करेगी बल्कि सीमाओं और प्रतिकूलताओं से परे एक एकीकृत शक्ति के रूप में खेल की भूमिका को भी मजबूत करेगी। वर्ष 2021 में तालिबान के सत्ता में लौटने के बाद से अफगानिस्तान में महिलाओं को खेलों से प्रतिबंधित कर दिया गया है।

मुंबई ने रोका दिल्ली का विजय रथ, आईपीएल में दूसरी बार एक ओवर में तीन रनआउट हुए; अंक तालिका का हाल

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)

नई दिल्ली। टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी मुंबई ने तिलक वर्मा की अर्धशतकीय पारी की बदौलत 20 ओवर में पांच विकेट खोकर 205 रन बनाए। जवाब में दिल्ली की टीम 19वें ओवर में 193 रन पर ऑलआउट हो गई। उनके तीन बल्लेबाज 19वें ओवर की आखिरी तीन में रनआउट हो गए। मौजूदा सत्र में यह दिल्ली की पहली शिकस्त है। अबतक खेले पांच मुकाबलों में दिल्ली ने चार में जीत और एक मैच में हार दर्ज की है। इसी के साथ अक्षर पटेल की टीम अंक तालिका में दूसरे पायदान पर खिसक गई। वहीं, मुंबई छह मैचों में दूसरी जीत के साथ सातवें पायदान पर पहुंच गई। शीर्ष पर गुजरात टाइटंस है। लक्ष्य का पीछा करने उतरी दिल्ली को पहले ओवर की पहली ही गेंद पर दीपक चाहर ने तगड़ा झटका दिया था। उन्होंने जेक फ्रेजर मैकगर्क को विल जैक्स के हाथों कैच कराया। इसके बाद मोर्चा अभिषेक पोरेल और करुण नायर ने संभाला। दोनों के बीच दूसरे विकेट के लिए 119 रन की साझेदारी हुई। कर्ण शर्मा ने पोरेल को अपना शिकार बनाया। वह 25 गेंदों में 33 रन बनाकर आउट हुए। वहीं, सेंटनर ने करुण नायर को बोल्ड किया। उन्होंने 40 गेंदों में 12 चौके और पांच छक्के की मदद से 89 रन बनाए। दिल्ली के लिए केएल राहुल ने 15, अक्षर पटेल ने नौ, स्टब्स ने एक, आशुतोष शर्मा ने 17, विप्रज निगम ने 14, कुलदीप यादव ने एक रन बनाया। वहीं, मोहित शर्मा बिना खाता खोले आउट हुए जबकि मिचेल स्टार्क एक रन बनाकर नाबाद रहे। मुंबई के लिए कर्ण शर्मा ने तीन जबकि मिचेल सेंटनर ने दो विकेट झटके। वहीं, दीपक चाहर और जसप्रीत बुमराह को एक-एक सफलता मिली। इस मैच में मुंबई की शुरुआत अच्छी हुई। रोहित शर्मा और रेयान रिकेल्टन के बीच पहले विकेट के लिए 47 रन की साझेदारी हुई जिसे विप्रज निगम ने तोड़ा। उन्होंने हिटमैन को एलबीडब्ल्यू आउट किया। वह सिर्फ 18 रन बना सके। हालांकि, यह इस सत्र का उनका सबसे बड़ा स्कोर है। इसके बाद मोर्चा सूर्यकुमार यादव ने संभाला। उन्होंने रेयान के साथ दूसरे विकेट के लिए 28 और तीसरे विकेट के लिए तिलक वर्मा के साथ 60 रनों की साझेदारी की। सूर्यकुमार ने पांच चौके और दो छक्के की मदद से 40 रन बनाए जबकि रेयान ने 41 और तिलक ने 59 रनों की दमदार पारी खेली। दिल्ली के खिलाफ हार्दिक पांड्या सिर्फ दो रन बना सके। वहीं, नमन धीर 38 और विल जैक्स एक रन बनाकर नाबाद रहे। इस दौरान दिल्ली के लिए कुलदीप यादव और विप्रज निगम ने दो-दो विकेट झटके जबकि मुकेश कुमार को एक सफलता मिली। यह दिल्ली की पहली शिकस्त है। मुंबई इंडियंस ने दिल्ली कैपिटल्स को 12 रन से हराकर जीत की पटरी पर वापसी कर ली है। रविवार को अरुण जेटली स्टेडियम में खेले गए इस मुकाबले में टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी मुंबई ने तिलक वर्मा की अर्धशतकीय पारी की बदौलत 20 ओवर में पांच विकेट खोकर 205 रन बनाए। जवाब में दिल्ली की टीम 19वें ओवर में 193 रन पर ऑलआउट हो गई। उनके तीन बल्लेबाज 19वें ओवर की आखिरी तीन में रनआउट हो गए। आईपीएल में ऐसा दूसरी बार हुआ है जब एक ओवर में तीन रनआउट हुए हैं। इससे पहले 2008 में मुंबई के तीन बल्लेबाज आखिरी ओवर में रनआउट हुए थे।मौजूदा सत्र में यह दिल्ली की पहली शिकस्त है। अबतक खेले पांच मुकाबलों में दिल्ली ने चार में जीत और एक मैच में हार दर्ज की है। इसी के साथ अक्षर पटेल की टीम अंक तालिका में दूसरे पायदान पर खिसक गई। वहीं, मुंबई छह मैचों में दूसरी जीत के साथ सातवें पायदान पर पहुंच गई। शीर्ष पर गुजरात टाइटंस है। लक्ष्य का पीछा करने उतरी दिल्ली को पहले ओवर की पहली ही गेंद पर दीपक चाहर ने तगड़ा झटका दिया था। उन्होंने जेक फ्रेजर मैकगर्क को विल जैक्स के हाथों कैच कराया। इसके बाद मोर्चा अभिषेक पोरेल और करुण नायर ने संभाला। दोनों के बीच दूसरे विकेट के लिए 119 रन की साझेदारी हुई। कर्ण शर्मा ने पोरेल को अपना शिकार बनाया। वह 25 गेंदों में 33 रन बनाकर आउट हुए। वहीं, सेंटनर ने करुण नायर को बोल्ड किया। उन्होंने 40 गेंदों में 12 चौके और पांच छक्के की मदद से 89 रन बनाए। दिल्ली के लिए केएल राहुल ने 15, अक्षर पटेल ने नौ, स्टब्स ने एक, आशुतोष शर्मा ने 17, विप्रज निगम ने 14, कुलदीप यादव ने एक रन बनाया। वहीं, मोहित शर्मा बिना खाता खोले आउट हुए जबकि मिचेल स्टार्क एक रन बनाकर नाबाद रहे। मुंबई के लिए कर्ण शर्मा ने तीन जबकि मिचेल सेंटनर ने दो विकेट झटके। वहीं, दीपक चाहर और जसप्रीत बुमराह को एक-एक सफलता मिली। इस मैच में मुंबई की शुरुआत अच्छी हुई। रोहित शर्मा और रेयान रिकेल्टन के बीच पहले विकेट के लिए 47 रन की साझेदारी हुई जिसे विप्रज निगम ने तोड़ा। उन्होंने हिटमैन को एलबीडब्ल्यू आउट किया। वह सिर्फ 18 रन बना सके। हालांकि, यह इस सत्र का उनका सबसे बड़ा स्कोर है। इसके बाद मोर्चा सूर्यकुमार यादव ने संभाला। उन्होंने रेयान के साथ दूसरे विकेट के लिए 28 और तीसरे विकेट के लिए तिलक वर्मा के साथ 60 रनों की साझेदारी की। सूर्यकुमार ने पांच चौके और दो छक्के की मदद से 40 रन बनाए जबकि रेयान ने 41 और तिलक ने 59 रनों की दमदार पारी खेली। दिल्ली के खिलाफ हार्दिक पांड्या सिर्फ दो रन बना सके। वहीं, नमन धीर 38 और विल जैक्स एक रन बनाकर नाबाद रहे। इस दौरान दिल्ली के लिए कुलदीप यादव और विप्रज निगम ने दो-दो विकेट झटके जबकि मुकेश कुमार को एक सफलता मिली।

हमने पावरप्ले में ही मैच गंवा दिया', आरसीबी से मिली शिकस्त पर आया कप्तान संजू सैमसन का बयान

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)

नई दिल्ली। आरसीबी के लिए सॉल्ट ने 33 गेंदों पर पांच चौकों और छह छक्कों की मदद से 65 रन बनाए, जबकि कोहली 45 गेंदों पर चार चौकों और दो छक्कों के सहारे 62 रन बनाकर नाबाद लौटे। इनके अलावा इम्पैक्ट प्लेयर के तौर पर उतरे देवदत्त पडिक्कल ने 28 गेंदों पर पांच चौकों और एक छक्के की मदद से नाबाद 40 रन बनाए। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) ने विराट कोहली और फिल सॉल्ट के अर्धशतकों की मदद से राजस्थान रॉयल्स को नौ विकेट से हराया। राजस्थान ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में चार विकेट पर 173 रन बनाए थे। जवाब में आरसीबी ने 17.3 ओवर में एक विकेट पर 175 रन बनाकर मैच जीत लिया। इस मैच के बाद राजस्थान के कप्तान संजू सैमसन ने कहा कि उन्होंने पावरप्ले में ही मुकाबला गंवा दिया था।आरसीबी के लिए सॉल्ट ने 33 गेंदों पर पांच चौकों और छह छक्कों की मदद से 65 रन बनाए, जबकि कोहली 45 गेंदों पर चार चौकों और दो छक्कों के सहारे 62 रन बनाकर नाबाद लौटे। इनके अलावा इम्पैक्ट प्लेयर के तौर पर उतरे देवदत्त पडिक्कल ने 28 गेंदों पर पांच चौकों और एक छक्के की मदद से नाबाद 40 रन बनाए। टीम की लगातार दूसरी हार के बाद सैमसन ने कहा- धीमे विकेट पर टॉस हारने के बाद 170 रन के आसपास का स्कोर वाकई अच्छा स्कोर था। पावरप्ले में बल्लेबाजी करना मुश्किल था। आरसीबी इस मुकाबले में हरी जर्सी पहनकर उतरी थी।यह टीम हर सीजन कम से कम एक मैच हरी जर्सी में खेलती है। दरअसल, बेंगलुरु की टीम पर्यावरण संरक्षण का संदेश देने के लिए हरे रंग की जर्सी पहनकर खेलती है। आरसीबी के लिए ग्रीन जर्सी में रिकॉर्ड कुछ खास नहीं रहा है, लेकिन राजस्थान के खिलाफ वह जीत दर्ज करने में सफल रही। आरसीबी की ग्रीन जर्सी में यह पांचवीं जीत है। उसने ग्रीन जर्सी पहनते हुए दो बार राजस्थान को हराया है। सैमसन ने आगे कहा- मुझे पता था कि सॉल्ट और कोहली हमें कड़ी टक्कर देंगे। उन्होंने पावरप्ले में ही मैच जीत लिया। इस दौरान राजस्थान के विकेटकीपर बल्लेबाज ने अपने खिलाड़ियों द्वारा फील्डिंग के दौरान हुई गलती पर भी बात की। उन्होंने कहा- उन्होंने (आरसीबी के खिलाड़ियों ने) हमारे कैच भी छोड़े, हमने भी उनके कैच छोड़े। यह ठीक है, उन्होंने बेहतर बल्लेबाजी की। आरसीबी को श्रेय देना होगा, उनका इरादा बेहतर था। कहना होगा कि टॉस ने मदद की। मैं इस मैच को 19वें या 20वें ओवर तक ले जाना पसंद करता। आरसीबी की जीत से अंक तालिका में बदलाव हुआ है और गत चैंपियन कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) की टीम पांचवें स्थान पर खिसक गई है। आरसीबी छह मैचों में चार जीत और दो हार के साथ आठ अंक लेकर तीसरे स्थान पर आ गई है, जबकि राजस्थान ने भी छह मैच खेले हैं और वह दो जीत, चार हार के साथ चार अंक लेकर सातवें स्थान पर आ गई है। मुकाबले के बाद आरसीबी के कप्तान रजत पाटीदार ने विराट कोहली के योगदान की तारीफ की। उन्होंने कहा कि विराट ने अपने अनुभव का इस्तेमाल करके इसे एकतरफा मुकाबला बना दिया। उन्होंने कहा- विकेट बल्लेबाजी के लिए आसान नहीं था।

राशि फल

मेष
कुछ कार्य जिसकी पिछले कुछ दिनों से प्लानिंग चल रही है, आज शुरू हो सकता है, जिससे आपको आर्थिक स्थिति में लाभ होगा। व्यापार-व्यवसाय में परिवर्तन की योग बन रहे हैं

वृषभ
आज का दिन अच्छा है। परिवार में कोई नया सदस्य आ सकता है। आपके स्वास्थ्य में उतार-चढ़ाव देखने को मिलेगा। व्यापार आदि में सहयोगी पार्टनर के माध्यम से आय के नए स्रोत बनेंगे

मिथुन
किसी कार्य विशेष को लेकर आज यात्रा आदि पर बाहर जा सकते हैं। यात्रा में सावधानी बरतें, नहीं तो आपको नुकसान हो सकता है। साथ ही परिवार में किसी अपने के स्वास्थ्य से आप चिंतित रह सकते हैं।

कर्क
आज आप व्यर्थ की भागदौड़ से परेशान हो सकते हैं। आपका मन अशांत रहेगा। कार्य की अधिकता के कारण थकावट आदि महसूस होगी।

सिंह
आज आप मानसिक रूप से उलझे रहेंगे। किसी बात को लेकर परिवार में परेशानी बढ़ सकती है, लेकिन आप अपनी कुशलता से उसे हल करने में सफल होंगे। स्वास्थ्य ठीक रहेगा।

कन्या
नौकरी आदि के लिए यदि प्रयास कर रहे है तो, आज आपको सफलता मिलेगी। स्वास्थ्य आपका ठीक रहेगा, परंतु परिवार में माता-पिता का स्वास्थ्य बिगड़ सकता है।

तुला
आज आपका कोई महत्वपूर्ण कार्य न होने से आप मानसिक तौर से परेशान रह सकते है। आर्थिक स्थिति के कारण आपको किसी से मदद मांगनी पड़ सकती है। व्यापार-व्यवसाय में भी इस समय गिरावट महसूस होगी।

वृश्चिक
आज आप पतने के स्वास्थ्य को लेकर कुछ परेशान रहेंगे। परिवार के लोग सहयोग करेंगे। व्यापार-व्यवसाय में अपने साथियों के विरोध के कारण आपको बड़ा नुकसान हो सकता है।

धनु
स्वास्थ्य को लेकर आप परेशान हो सकते हैं। साथ ही नौकरी आदि में अधिकारी वर्ग से मतभेद बढ़ने से आपकी परेशानी बढ़ेगी।

मकर
आज का दिन आपके लिए लाभदायक रहेगा। किसी अपने के द्वारा आपको कार्यक्षेत्र में बड़ा काम मिल सकता है, जिस कारण मन प्रसनन रहेगा।

कुंभ
आत्मविश्वास में कमी रहेगी। मानसिंक शांति रहेगी लेकिन असंतोष भी रहेगा। परिवार में शांति बनी रहेगी। पिता का सहयोग मिलेगा।

मीन
मान-सम्मान बढ़ेगा। नौकरी में पदोन्नति के योग हैं। आत्मविश्वास बन रहेगा। शिक्षा से जुड़े काम सफल होंगे।

सम्पादकीय

तो क्या अब सुप्रीम कोर्ट से दो-दो हाथ के मूड में हैं ममता

वर्ष 2016 में 25 हजार से शिक्षकों और गैर-शिक्षण कर्मचारियों की भर्ती के लिए स्कूल सेवा आयोग ने परीक्षा का आयोजन किया था, लेकिन कुछ दिनों बाद ही उसमें भ्रष्टाचार औ? घोटाले के आरोप लगने लगे। चयन से वंचित रहे कई उम्मीदवारों ने मेरिट लिस्ट के खिलाप हाईकोर्ट में याचिका दायर की थी। क्या पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी अब शिक्षकों की नौकरी के मुद्दे पर सुप्रीम कोर्ट से भी दो-दो हाथ करने के

मूड में हैं। बीते सप्ताह शीर्ष अदालत के फैसले पर करीब 26 हजार शिक्षकों की नौकरियां चली गई हैं। अदालत ने वर्ष 2016 की पूरी भर्ती प्रक्रिया को ही रद्द कर दिया है। लेकिन सोमवार को कोलकाता में नौकरी गंवाने वाले शिक्षकों से मुलाकात के दौरान ममता ने आक्रामक तेवर दिखाते हुए कहा कि किसी भी योग्य व्यक्ति की नौकरी नहीं जाएगी। वे अपने जीते-जी ऐसा नहीं होने देंगी। इसके साथ ही उन्होंने इस पूरे मामले को राज्य की शिक्षा व्यवस्था को ध्वस्त करने की साजिश भी करार दिया। दरअसल, वर्ष 2016 में 25 हजार से शिक्षकों और गैर-शिक्षण कर्मचारियों की भर्ती के लिए स्कूल सेवा आयोग ने परीक्षा का आयोजन किया था। लेकिन कुछ दिनों बाद ही उसमें भ्रष्टाचार औ? घोटाले के आरोप लगने लगे। चयन से वंचित रहे कई उम्मीदवारों ने मेरिट लिस्ट के खिलाप हाईकोर्ट में याचिका दायर की थी। उसके आधार पर कलकत्ता हाईकोर्ट ने पहले इस कथित घोटाले की जांच के लिए पहले एक उच्च-स्तरीय समिति का गठन किया और उसकी रिपोर्ट के आधार पर इस मामले की जांच सीबीआई को सौंप दी थी। सीबीआई ने अपनी जांच के दौरान पूर्व शिक्षा मंत्री पार्थ चटर्जी समेत स्कूल सेवा आयोग के कई अधिकारियों को गिरफ्तार किया था। उनमें से ज्यादातर अब तक जेल में ही हैं। हाईकोर्ट ने बीते साल इस भर्ती प्रक्रिया को रद्द करने का फैसला दिया था, लेकिन सरकार, हजारों उम्मीदवारों और स्कूल सेवा आयोग ने इसे सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी थी। अब साल भर बाद सुप्रीम कोर्ट ने भी वह फैसला बहाल रखा है।फैसले के बाद आज ममता ने कोलकाता में ऐसे हजारों शिक्षकों से मुलाकात की जिनकी नौकरियां चली गई हैं। इस बैठक में ममता ने कहा कि किसी भी योग्य उम्मीदवार की नौकरी नहीं जाएगी। सरकार पहले सुप्रीम कोर्ट में समीक्षा याचिका दायर करेगी और वहाम से सकारात्मक जवाब नहीं मिलने पर इन उम्मीदवारों के लिए दो महीने के भीतर वैकल्पिक नौकरियों की व्यवस्था की जाएगी। साथ ही इनमें से किसी की सर्विस भी ब्रेक भी नहीं होगी। लेकिन वह वैकल्पिक व्यवस्था क्या होगी, इसका उन्होंने खुलासा नहीं किया। उनका कहना था कि उनके जीते जी किसी भी योग्य उम्मीदवार की नौकरी नहीं छीनी जा सकती। यह उनके लिए बड़ी चुनौती है। बंगाल की शिक्षा व्यवस्था को ध्वस्त करने की साजिश चल रही है। मुख्यमंत्री का कहना था कि योग्य उम्मीदवारों की नौकरी की सुरक्षा सरकार की जिम्मेदारी है। हम कानून के दायरे में ही रह कर यह काम करेंगे। उन्होंने अपील की अगर आप नौकरी दे नहीं सकते तो कम से छीनिए तो मत। मुख्यमंत्री का कहना था कि अगर इन शिक्षकों के समर्थन की वजह से उनको जेल जाना पड़ता है तो वो उसके लिए भी तैयार हैं। ममता बनर्जी के इस बयान को सुप्रीम कोर्ट के फैसले को सीधी चुनौती माना जा रहा है। हालांकि ममता का कहना था कि उनको किसी जज से कोई शिकायत नहीं है, लेकिन इस फैसले से उनका कलेजा पत्थर का हो गया है। राजनीतिक विश्लेषकों का कहना है कि ममता का यह रवैया कोई नया नहीं है। वो पहले भी कई अदालती फैसले के खिलाफ अक्सर ऐसे ही आक्रामक तेवर अपनाती रही हैं, लेकिन फिलहाल इस मामले में कई सवाल उठ रहे हैं। पहला सवाल यह है कि योग्य और अयोग्य उम्मीदवारों की पहचान कैसे की जाएगी? उसके अलावा यह भी दो महीने के भीतर हजारों लोगों के लिए वैकल्पिक नौकरी का इंतजाम कैसे किया जाएगा? राजनीतिक विश्लेषक शिखा चक्रवर्ती मानती हैं कि शायद इस आक्रामक बयान के जरिए ममता केंद्र सरकार और भाजपा पर दबाव बनाना चाहती हैं। सरकार इस मामले में लगातार कानूनी सलाह भी ले रही है। लेकिन सुप्रीम कोर्ट के फैसले पर अमल नहीं करने का क्या नतीजा होगा इस सवाल पर फिलहाल कोई कुछ कहने को तैयार नहीं है।

जब तक घर न पहुंच जाएं, सोना अच्छा नहीं; सकारात्मक विचार रखें

जीवन के अरण्य में डूबे हुए पुरुष पर प्रकृति के मौन व्याख्यानों के प्रयास से, सुनार के छोटे हथौड़े की मंद-मंद चोटों की तरह, जब आचरण का रूप प्रत्यक्ष होता है, तभी मनुष्य सही अर्थों में अपने घर पहुंचता है। विद्या, कला, कविता, साहित्य, धन और राजस्व से भी आचरण की सभ्यता अधिक ज्योतिष्मती है। आचरण की सभ्यता को प्राप्त करके एक कंगाल व्यक्ति भी राजाओं के हृदयों पर अपना प्रभुत्व जमा सकता है। इस सभ्यता के दर्शन से कला, साहित्य और संगीत को अद्भुत सिद्धि प्राप्त होती है। राग अधिक मृदु हो जाता है; विद्या का तीसरा शिव-नेत्र खुल जाता है; चित्रकला का मौन राग अलापने लगता है; वक्ता चुप हो जाता है; लेखक की लेखनी थम जाती है; मूर्तिकार के सामने नए कपोल, नए नयन और नई छवि का दृश्य उपस्थित हो जाता है।आचरण की सभ्यतामयी भाषा सदा मौन रहती है। इस भाषा का शब्दकोश शुद्ध श्वेत पत्रों वाला है। इसमें नाममात्र के लिए शब्द नहीं हैं। यह सभ्य आचरण नाद करता हुआ भी मौन है, व्याख्यान देता हुआ भी व्याख्यान के पीछे छिपा है, राग गाता हुआ भी राग के सुरों में समाया है। मृदु वचनों की मिठास में आचरण की सभ्यता मौन रूप से प्रकट होती है। नम्रता, दया, प्रेम और उदारता-ये सभी सभ्य आचरण की भाषा के मौन व्याख्यान हैं। मनुष्य के जीवन पर मौन व्याख्यान का प्रभाव चिरस्थायी होता है और उसकी आत्मा का एक अंग बन जाता है।विशाल आत्मा के आचरण से मौन रूपिणी सुगंध सदा प्रसारित होती रहती है। इसकी उपस्थिति से मन और हृदय की ऋतु बदल जाती है। मौन रूपी व्याख्यान की महत्ता इतनी बलवती, इतनी अर्थपूर्ण और इतनी प्रभावशाली होती है कि उसके सामने मातृभाषा, साहित्यिक भाषा और अन्य देशों की भाषाएं सब तुच्छ प्रतीत होती हैं। कोई अन्य भाषा दिव्य नहीं है; केवल आचरण की मौन भाषा ही ईश्वरीय है। विचार करके देखें, मौन व्याख्यान किस तरह आपके हृदय की नाड़ी-नाड़ी में सुंदरता को पिरो देता है। वह व्याख्यान ही क्या, जिसने हृदय की धुन को-मन के लक्ष्य को-बदल न दिया। प्रेम की भाषा शब्दरहित है। नेत्रों की, कपोलों की, मस्तक की भाषा भी शब्दरहित है। जीवन का तत्व भी शब्दों से परे है। सच्चा आचरण-प्रभाव, शील, अचल-स्थित संयुक्त आचरण-न तो साहित्य के लंबे व्याख्यानों से गढ़ा जा सकता है, न वेदों की श्रुतियों के मधुर उपदेशों से, न इंजील से, न कुरान से, न धर्मचर्चा से, न केवल सत्संग से। जीवन के अरण्य में डूबे हुए पुरुष पर प्रकृति और मनुष्य के जीवन के मौन व्याख्यानों के प्रयास से, सुनार के छोटे हथौड़े की मंद-मंद चोटों की तरह, आचरण का रूप प्रत्यक्ष होता है। आचरण की सभ्यता जब संसार में आती है, तब नीले आकाश से मनुष्य को वेद-ध्वनि सुनाई देती है। नर-नारी पुष्पवत खिलते जाते हैं, प्रभात हो जाता है, प्रभात का गजर बज उठता है।

जिहादी आतंक का उपचार, पाकिस्तान की भी चौतरफा घेराबंदी

कश्मीर के पहलगाम में पर्यटकों को उनके धर्म के आधार पर निशाना बनाकर किए गए आतंकी हमले में 28 लोगों की जान चली गई और कई घायल हो गए। आतंकियों ने हत्या करने से पहले पुरुष पर्यटकों से पता किया कि वे हिंदू हैं अथवा मुसलमान? पुरुष पर्यटकों के कपड़े उतार कर यह पुष्ट किया कि वे लहूलुहान शव पर बैठा रो रहा है तो कहीं भारतीय नौसेना के एक अधिकारी की नवविवाहिता अपने मृत पति के शव के पास अकेली असहाय बैठी नजर आ रही है। मृतकों एवं घायलों में खुफिया विभाग के एक अधिकारी, भारतीय नौसेना, वायु सेना आदि सुरक्षा बलों से जुड़े अधिकारी भी शामिल हैं, जो अपने आतंकियों के लिए उनके लक्ष्य की निशानदेही की गई हो। इससे पहले प्रधानमंत्री पुनर्वास पैकेज के जरिये कश्मीर में सरकारी नौकरियों पर भेजे गए कश्मीर के विस्थापित हिंदुओं की भी उनके ही साथी कर्मियों की मुखबिरी के चलते हत्या के मामले सामने आ चुके हैं। ऐसी ही भेदियों की वजह से सैन्य बलों पर भी कई

मुस्लिम तो नहीं हैं कुछ पर्यटकों से कलमा सुनाने की भी मांग की गई और उसे सुनाने में असमर्थ लोगों की हत्या उनकी पत्नी और बच्चों के सामने ही कर दी गई। इस आतंकी हमले की कई हृदयविदारक तस्वीरें सामने आई हैं। कहीं तीन साल का बच्चा अपने पिता के परिवारों के साथ छुट्टियां मनाने पहलगाम गए थे। इसका अंदेशा है कि आतंकियों को पर्यटन व्यवसाय से जुड़े स्थानीय लोगों ने उनके वहां होने की मुखबिरी की हो। इन आतंकियों को शरण भी स्थानीय लोगों ने दी होगी। यह पहली बार नहीं है कि स्थानीय लोगों द्वारा हमले हो चुके हैं कश्मीर में हिंदुओं को निशाना बनाने की यह पहली घटना नहीं। जून 2024 में रियासी में शिवखोड़ी मंदिर से लौट रहे तीर्थयात्रियों की बस पर आतंकियों ने घात लगाकर हमला किया था। उसमें नौ तीर्थयात्रियों की मौत हो गई थी। कश्मीरी समाज में आतंकी संगठनों की पैठ कितनी गहरी है, इसे इससे समझा जा सकता है कि इस वर्ष ही जम्मू-कश्मीर सरकार के पांच कर्मचारियों को नौकरी से इसलिए निकालना पड़ा, क्योंकि सरकार में रहते हुए भी वे आतंकी संगठनों के लिए काम कर रहे थे। ऐसे और सरकारी कर्मचारी हैं, जिनकी आतंकी संगठनों से मिले होने के संदेह में जांच हो रही है। कश्मीर में फैले इस्लामी कट्टरपंथ का यह वह सच है, जो अक्सर बाकी देश की जनता तक नहीं पहुंच पाता। अनुच्छेद 370 यह सोचकर भी हटाया गया था कि देश का कोई भी नागरिक अन्य राज्यों की भांति चाहेगा तो कश्मीर में भी व्यवसाय स्थापित कर सकेगा या जब चाहे वहां आवाजाही कर सकेगा। कश्मीर में गहराई से व्याप्त इस्लामिक कट्टरपंथ के चलते ऐसा होना आज तक संभव नहीं हो सका और पीएम पैकेज के जरिये नौकरी करने भेजे गए कश्मीर के ही मूल निवासी हिंदुओं की भी निशाना बनाकर हत्याएं हुईं यह यही सिद्ध करता है कि कश्मीर केवल राजनीतिक या संवैधानिक समस्या नहीं है और न ही उसे पारंपरिक सैन्य कार्रवाई से नियंत्रित किया जा सकता है। कश्मीर में तब तक पूर्ण रूप से शांति स्थापित नहीं हो सकती, जब तक जिहादी कट्टरपंथ से ग्रस्त कश्मीरियों का वैचारिक उपचार न हो। चीन अपने मुस्लिम बाहुल्य शिनजियांग प्रांत में यही कर रहा है। चीन की कम्युनिस्ट सरकार अलगाववादी एवं आतंकी विचारधारा की गिरफ्त में आ चुके लोगों को पुनर्शिक्षण कैंपों में भेजती है। इन कैंपों में ऐसे लोगों के मन-मस्तिष्क में भर चुकी कट्टरपंथी जिहादी विचारधारा को निकाला जाता है और उन्हें गैर-मुसलमानों के प्रति मानवीय संवेदनाएं रखने की शिक्षा दी जाती है। चीन के इस अकेले मुस्लिम बहुल प्रांत में इस्लामी शिक्षा पर सरकारी नियंत्रण है और वहां के मस्जिद-मदरसों में इस्लामी मान्यताओं या मजहबी शिक्षा के नाम पर कोई भी ऐसी चीज नहीं पढ़ाई जा सकती, जिससे कि गैर-मुसलमानों के प्रति घृणा की भावना पनपे अथवा मजहब के नाम पर चीन से अलगाववाद की मानसिकता जन्म ले। यही कारण है कि जहां कई युद्ध लड़ने के बाद भी इजरायल जिहादी आतंक को पूरी तरह नष्ट नहीं कर पाया है, वहीं चीन ने शिनजियांग में इस्लामी आतंकवाद को पूरी तरह काबू कर लिया है। दुर्भाग्यवश जम्मू-कश्मीर में दशकों से आतंकवाद से जूझते भारत ने सैकड़ों नागरिक और सुरक्षा बलों के जवान गंवाने के बाद भी जिहादी आतंक की विचारधारा के स्रोतों पर कोई लगाम नहीं लगाई है। कम्युनिस्ट चीन को छोड़िए, अब तो उदारवादी फ्रांस और जर्मनी तक कट्टरपंथी मस्जिदों पर ताले जड़ रहे हैं, लेकिन भारत में इस पर कोई चर्चा तक संभव नहीं हो पाती। पहलगाम में भीषण आतंकी हमला पाकिस्तान के सेना प्रमुख जनरल आसिम मुनीर के उस भाषण के एक हफ्ते के भीतर हुआ, जिसमें उन्होंने हिंदुओं और भारत के विरुद्ध जमकर जहर उगला था। उन्होंने जिन्ना के नफरती द्विराष्ट्रवाद के सिद्धांत का समर्थन भी किया था। पुलवामा हमले और बालाकोट में भारत की जवाबी कार्रवाई के बाद से पाकिस्तानी फौज जम्मू-कश्मीर में छोटे आतंकी हमले करा रही थी और किसी बड़े आतंकी हमले से बच रही थी। ऐसे में अचानक से पाकिस्तान को इस दुस्साहस की हिम्मत कहां से आई? संभवतः पाकिस्तान को लगता है कि बांग्लादेश में भारत के विपरीत हालात होने के चलते और एलएसी पर भारतीय सेना के चीनी सेना से तनाव की स्थिति का वह फायदा उठा सकता है। यह भी ध्यान देने योग्य है कि पाकिस्तानी फौज बलूचिस्तान और खैबर-पख्तूनख्वा में बलूच और पश्तून विद्रोहियों से बार-बार मात खा रही है। हाल में बलूच राष्ट्रवादियों ने कई दिनों तक पाकिस्तानी सैनिकों को ले जा रही ट्रेन को बंधक बनाकर रखा था। इस सबसे खीझे मुनीर को कहना पड़ा था कि 1,500 बलूच विद्रोही पाकिस्तानी फौज का कुछ नहीं बिगाड़ सकते। भारत को चाहिए कि पाकिस्तान के विरुद्ध ऐसी सैन्य कार्रवाई करे, जिससे पाकिस्तान को मजबूर होकर अपने सैनिक बलूचिस्तान और खैबर-पख्तूनख्वा से हटाकर भारतीय सीमा पर लाने पड़ें और इसका लाभ बलूच और पश्तून उठा पाएं। पाकिस्तान की चौतरफा घेराबंदी की जानी चाहिए।

पोस्टर पर चस्पा कानून की बेचारगी, लोग अराजकता के भय से पलायन को विवश

पिछले दिनों दिल्ली के सीलमपुर इलाके में एक किशोर की हत्या ने सारे देश का ध्यान अपनी ओर खींचा, क्योंकि इस घटना के बाद कई स्थानीय लोगों ने अपने घरों पर ऐसे पोस्टर लगाए-हिंदू पलायन कर रहा है, ये मकान बिकाऊ है, योगी जी मदद करो..। ऐसे पोस्टर लगने के बाद सनसनी फैलनी ही थी। सीलमपुर में मीडिया का जमावड़ा भी पहुंचा और नेताओं एवं पुलिस अधिकारियों का अमला भी। इलाके में पुलिस की तैनाती भी बढ़ाई गई, क्योंकि तनाव की स्थिति थी। आखिर क्या कहते हैं सीलमपुर के ये पोस्टर? क्या यहां रहने वालों की लाचारी या फिर पुलिस और कानून के शासन के प्रति भरोसे में कमी? इन पोस्टरों में उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का उल्लेख तो यही इंगित करता है कि सीलमपुर के लोगों को दिल्ली पुलिस और यहां के शासन पर भरोसा नहीं। सीलमपुर के मामले को अपवाद नहीं कहा जा सकता, क्योंकि कुछ ही समय पहले ब्रह्मपुरी नामक मोहल्ले में ऐसे ही पोस्टर लगाए गए थे, क्योंकि मस्जिद के विस्तार को लेकर सांप्रदायिक तनाव फैल गया था। ब्रह्मपुरी और सीलमपुर जैसे मामले इसलिए बेहद चिंताजनक हैं, क्योंकि वे सुदूर इलाके नहीं, देश की राजधानी के मोहल्ले हैं। सीलमपुर से संसद और सुप्रीम कोर्ट की दूरी तो दस किलोमीटर भी नहीं है। यदि देश की राजधानी में एक तरह से संसद एवं सुप्रीम कोर्ट की नाक के नीचे रहने वालों के मन में कानून के शासन के प्रति ऐसा अविश्वास हो सकता है तो कल्पना की जा सकती है कि दूर-दराज के इलाकों में क्या स्थिति होगी? यह कल्पना करना इसलिए कठिन नहीं, क्योंकि वक्फ कानून विरोधियों की आतंक पैदा करने वाली हिंसा के भय से मुर्शिदाबाद से जो लोग मालदा भागने को मजबूर हुए, वे लौटने को तैयार नहीं। एक झटके में अपने ही देश में शरणार्थी बन गए इन अभागे लोगों का कहना है कि वे तभी लौटेंगे, जब वहां सीमा सुरक्षा बल के जवानों को स्थायी रूप से तैनात किया जाएगा। क्या ऐसा किया जाएगा? क्या मुर्शिदाबाद से मालदा भागे लोग

अपने घरों को लौट सकेंगे? पता नहीं, क्योंकि समस्या केवल यह नहीं कि मुर्शिदाबाद से भागे लोगों को बंगाल पुलिस पर भरोसा नहीं। समस्या यह भी है कि इन लोगों ने वक्फ कानून के विरोध में उतरी हिंसक भीड़ के हाथों पुलिस की पिटाई भी देखी है। हिंसा पर आमादा इस भीड़ ने पुलिस के वाहनों को आग लगा दी थी और उन पर इतने बम फेंके थे कि पुलिस वालों को जान बचाकर भागना पड़ा था। इस हिंसा में दस पुलिसकर्मी घायल हुए थे। जो पुलिस अपनी रक्षा करने में समर्थ न हो, वह भला यह दिलासा कैसे दे सकती है कि वह आम लोगों की सुरक्षा करने में समर्थ होगी मकान बिकाऊ है..के जैसे पोस्टर दिल्ली के सीलमपुर मोहल्ले में लगे, वैसे देश के अन्य हिस्सों में रह-रहकर लगते रहते हैं। निःसंदेह हर बार मामला गुंडों-दबंगों की अराजकता का नहीं होता। कई बार अपनी सामान्य समस्याओं से आजिज आए लोग शासन-प्रशासन का ध्यान आकर्षित करने के लिए भी ऐसे पोस्टर लगा देते हैं, लेकिन ऐसे कुछ मामलों के आधार पर सभी मामलों की अनदेखी नहीं की जा सकती। पिछले एक दशक में मकान बिकाऊ है.. के पोस्टरों ने सबसे अधिक सनसनी तब पैदा की थी, जब 2016 में मुजफ्फरनगर के कैराना से कई हिंदू परिवारों के पलायन करने की खबर आई थी। ये परिवार अपने घरों पर मकान बिकाऊ है... के पोस्टर चस्पा कर गए थे। पहले तो इस खबर का खंडन-मंडन करने की कोशिश हुई, लेकिन आखिरकार राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग की एक टीम ने अपनी जांच में माना कि बेलगाम अराजक तत्वों के भय से कई हिंदू परिवार सचमुच अपने घर छोड़ गए हैं। योगी सरकार के सत्ता में आने के बाद ही ऐसे परिवार अपने घरों को लौट सके, लेकिन ऐसे उदाहरण कम ही हैं, जब अराजकता, उत्पीड़न के चलते पलायन कर गए लोग अपने घरों को लौट सके हों। इसका कारण यह है कि ऐसे मामलों को गंभीरता से नहीं लिया जाता। प्रायः लोगों को समझा-बुझाकर शांत करने और इलाके में फौरी तौर पर सुरक्षा बढ़ाकर कर्तव्य की इतिश्री कर ली जाती है। जरूरी यह है कि ऐसी घटनाओं पर शासन-प्रशासन उदाहरण पेश करने वाली कार्रवाई करे, ताकि देश में कहीं भी कोई भी किसी की भी अराजकता के भय से अपना घर-बार छोड़ जाने के लिए विवश न हो। जब ऐसा होता है तो पीड़ित लोग नहीं, कानून का शासन लाचार साबित होता है। आतंक पैदा करने वाली अराजकता के खिलाफ उदाहरण पेश करने का सबसे पहला काम कश्मीर में किया जाना चाहिए था, जहां से लाखों कश्मीरी हिंदू आतंकियों के भय से अपना घर-बार छोड़ने को बाध्य हुए थे। यह उदाहरण न तो मनमोहन सरकार पेश कर सकी और न ही मोदी सरकार। आशा की जा रही थी कि अनुच्छेद 370 की समाप्ति के बाद कश्मीरी हिंदू अपने घरों को लौट सकेंगे, लेकिन पांच साल बीत जाने के बाद भी ऐसी स्थितियां नहीं बन पा रही हैं।

संघ विरोध और जातीय राजनीति पर ही आगे बढ़ेंगे राहुल गांधी

कांग्रेस की कोशिश गुजरात की धरती से भारतीय जनता पार्टी, विशेषकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को सीधी चुनौती देने की है। वो इसमें कितना सफल हो पाएंगे, यह तो बजाय कांग्रेस का पहिया एकबार फिर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ और जातीय राजनीति के इर्द-गिर्द ही घूमता नजर आ रहा है। पार्टी की निर्भरता पहले की भांति गांधी राहुल गांधी की एक अलग छवि गढ़ी जा रही है। वैसे, अहमदाबाद में कांग्रेस के अधिवेशन में राहुल गांधी के दिए भाषण से एक बात तो स्पष्ट हो गई है कि वो जातीय भाजपा के साथ जुड़ते चले गए। दलितों का बड़ा वर्ग अब भी कांग्रेस के साथ है। हालांकि, उत्तर प्रदेश जैसे बड़े राज्य में बहुजन समाज पार्टी के उदय के साथ दलित शिफ्ट किया है। अनुच्छेद 370, नागरिकता संशोधन कानून और अब वक्फ संशोधन कानून पर कांग्रेस का रुख देश के बहुसंख्यकों को रास नहीं आया है। पिछले दिनों बताया। यह और बात है कि गुजरात में ही बने स्टैचू ऑफ यूनिटी को देखने आज तक राहुल गांधी नहीं गए हैं। कांग्रेस के नेता स्टैचू ऑफ यूनिटी पर जाने से परहेज करते हैं, क्योंकि इसे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बनवाया है। सरदार पटेल की विरासत को अपने हाथों से जाता देख कांग्रेस परेशान भी है। पार्टी को अब सरदार पटेल और पूर्व प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू के बीच संबंधों को बताना पड़ रहा है। कहीं न कहीं पार्टी भाजपा के ट्रैप में फंसती नजर आती है। गुजरात में पिछले तीन दशक से कांग्रेस पार्टी सत्ता से बाहर है। विगत् विधानसभा चुनाव में तो उसका अब तक का सबसे निराशाजनक प्रदर्शन रहा था। लोकसभा चुनाव में भी पार्टी को बहुत अधिक सफलता गुजरात में नहीं मिली, लेकिन राहुल गांधी को शायद लग रहा है कि गुजरात के रास्ते वह देश की सत्ता को पुनः हासिल कर सकते हैं।गुजरात संघ परिवार की प्रयोगशाला माना जाता है। जहां नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भाजपा ने पिछले कुछ सालों में लगातार अच्छा प्रदर्शन किया है। शायद राहुल गांधी गुजरात में आकर नरेंद्र मोदी को सीधी चुनौती देकर अपने इंडी गठबंधन के सहयोगियों को बताना चाहते हैं कि वो गठबंधन में बड़े भाई की भूमिका में हैं। वर्ष 2029 के चुनाव में अभी चार साल से अधिक का समय है। वर्ष 2024 के नतीजों को लेकर कांग्रेस का उत्साह अभी भी कायम है। पार्टी को लग रहा है कि 2029 उनके लिए बेहतर अवसर हो सकता है और इसी की तैयारी गुजरात से राहुल गांधी ने शुरू की है। अब देखना यह होगा कि राहुल गांधी के यह प्रयास कितने सफल होते हैं। संघ विरोध और जातीय राजनीति कांग्रेस को कितनी चुनावी सफलता दिला पाती है।

आगामी चुनावों के नतीजों में पता चलेगा। पिछले महीने राहुल गांधी गुजरात की राजधानी अहमदाबाद में थे, तब उन्होंने कांग्रेस पार्टी के कुछ नेताओं पर भाजपा के लिए काम करने का आरोप लगाया था। यह और बात है कि अहमदाबाद में ही कांग्रेस पार्टी ने अपना अधिवेशन कर लिया। गुजरात कांग्रेस के सभी नेता अपने केंद्रीय दल के वरिष्ठों की सेवा करते नजर आए। कांग्रेस की कोशिश गुजरात की धरती से भारतीय जनता पार्टी, विशेषकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को सीधी चुनौती देने की है। वो इसमें कितना सफल हो पाएंगे, यह तो आगामी चुनावों के नतीजों में पता चलेगा। हालांकि, किसी नई रणनीति के परिवार पर ही बनी हुई है। वर्ष 2024 के लोकसभा चुनाव में जब कांग्रेस पार्टी को देश में 99 सीटें मिली थीं, तब पार्टी नेताओं ने जमकर जश्न मनाया था। 99 सीटों पर जीत का सेहरा राहुल गांधी के सिर पर बांधा गया था। हालांकि, लोकसभा चुनाव के बाद हुए विधानसभा चुनावों में कांग्रेस को सफलता नहीं मिली। इसके बावजूद 99 सीटें जीतने का जोश कांग्रेस पार्टी में अब तक बना हुआ है। लोकसभा चुनाव के बाद राहुल गांधी एंग्री यंग नेता की भूमिका में बने हुए हैं। पार्टी भी उन्हें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मुकाबले में खड़ा करने का कोई अवसर नहीं छोड़ पा रही है। सड़क से लेकर संसद तक राजनीति के मैदान में पार्टी को पूरी तरह उतारने के लिए आतुर हैं। राहुल गांधी ने अधिवेशन में दिए अपने भाषण में कहा कि कांग्रेस दलित, मुस्लिम व ब्राह्मण को साधती रही और अति पिछड़ा जातियां (ओबीसी) हमसे दूर चली गईं। यह और बात है कि एक समय कांग्रेस का नारा था कि न जात पर-न पात पर, इंदिरा जी की बात पर, मुहर लगेगी हाथ पर। ओबीसी को आरक्षण की सिफारिश करने वाले मंडल कमीशन के विरोध में सबसे बड़ा भाषण राहुल गांधी के पिता स्वर्गीय राजीव गांधी ने संसद में दिया था। शायद ओबीसी तभी से कांग्रेस से नाखुश है। ब्राह्मण भी राम मंदिर आंदोलन के बाद हुए हैं। जहां-जहां क्षेत्रीय दल जैसे समाजवादी पार्टी, राष्ट्रीय जनता दल, द्रमुक, तृणमूल कांग्रेस, आम आदमी पार्टी सत्ता में आए, वहां मुस्लिम कांग्रेस से छिंटक गया। हालांकि, मुस्लिमों को दोबारा अपने फोल्ड में लाने की कांग्रेस की कोशिशें तेज हो चली हैं। राहुल गांधी कह रहे हैं कि मुस्लिम हितों को लेकर वो पीछे नहीं हटेंगे। यह और बात है कि यह कोशिशें उसके सहयोगी दलों को रास नहीं आ रही हैं। राहुल गांधी का जोर भले मुस्लिम हितों पर अडिग रहने का है, लेकिन इसे लेकर कई बार उनकी पार्टी के नेता भी असहज नजर आते हैं। पार्टी के मुस्लिम हित ने हिंदुओं के बड़े वर्ग को भाजपा की ओर शिफ्ट संपन्न प्रयागराज महाकुंभ और सद्गुरु के कार्यक्रम में शामिल होने पर जिस तरह से कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार की पार्टी के अंदर से आलोचना हुई, उसने भी कांग्रेस को लेकर बहुसंख्यकों को निराश किया। अहमदाबाद अधिवेशन में कांग्रेस ने एक बार फिर सरदार वल्लभभाई पटेल के बहाने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ पर हमला बोला है। पार्टी ने अपने अधिवेशन को सरदार वल्लभभाई पटेल के नाम पर बने मेमोरियल में रखा। पार्टी ने यह भी याद दिलाया कि कैसे सरदार वल्लभभाई पटेल ने संघ पर प्रतिबंध लगाया था? पार्टी ने इस मेमोरियल में अपने अधिवेशन को विशेष भी

नेता विपक्ष उत्तर प्रदेश विधानसभा ,माता प्रसाद पांडे नोएडा में मिले पार्टी कार्यकर्ताओं से जाने उनकी समस्याएं

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नोएडा। नोएडा उत्तर प्रदेश विधानसभा में नेता विपक्ष और

समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता माता प्रसाद पांडे आज अपने निजी कार्यक्रम के दौरान नोएडा पहुंचे जहां पर सपा महानगर संगठन के द्वारा महानगर अध्यक्ष डॉक्टर आश्रय गुप्ता के नेतृत्व में उनके निवास स्थान शिव कला अपार्टमेंट सेक्टर 51 में उनका स्वागत अभिनंदन किया गया। उन्होंने पार्टी कार्यकर्ताओं से मिलकर उनका हौसला बढ़ाया और उनकी समस्याएं जानी,जम्मू कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले को लेकर माता प्रसाद पांडे ने केंद्र सरकार की सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े किए,उन्होंने कहा कि यह हमला दुर्भाग्यपूर्ण है यह उस दावे की पोल खोलता है जिसमें कहा गया था कि कश्मीर से आतंकवाद खत्म हो चुका है। उन्होंने पीड़ित परिवारों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त करते हुए सरकार से जल्द से जल्द आतंकियों को पकड़ने और उनके खिलाफ कठोर कार्रवाई की मांग की। कार्यक्रम का संचालन महानगर महासचिव विकास यादव के द्वारा किया गया। कार्यक्रम में मौजूद मुख्य लोगों में महासचिव विकास यादव, मीडिया प्रभारी गौरव कुमार यादव, मोहम्मद नौशाद, महकार तंवर, भीषम यादव, टीटू यादव, नीरज शर्मा, चिं त्यागी, सोनू त्यागी, शशि यादव,राणा मुखर्जी, मयंक कुमार लाल ,रोहित यादव ,सौरभ चौहान, रविन्द्र यादव, उदय सिंह, बाबूलाल बंसल ,वीरपाल प्रधान, बिल्लू खान सैफी ,गुलजारअल्वी , राम सहेली, शादाब खान, सतवीर यादव, प्रणब मोहला, रितेश, पायल ,अशोक, अरविंद , चंदन, विश्वास, सिकंदर पासवान मुख्य रूप से मौजूद रहे।

लूट एवम डकैती की घटना कारित करने वाले आरोपियों को पुलिस ने किया गिरफ्तार, आरोपियों के कब्जे से मोटर सायकल,मोबाइल, नकदी एवम सोने का लॉकेट बरामद

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
मैहर। पुलिस अधीक्षक मैहर श्री सुधीर अग्रवाल के निर्देशन, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक डॉ चंचल नागर एवम नगर पुलिस अधीक्षक

श्री राजीव पाठक के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी देहात निरीक्षक के एन बंजारे द्वारा की गई कार्यवाही घटना का विवरण - दिनांक 17/04/25 को फरियादी अरविन्द कुशवाहा पिता बल्देव कुशवाहा निवासी ग्राम देवरा थाना देहात ,मैहर का रिपोर्ट किया कि यह अपनी बहन के साथ स्कूटी से मैहर से ग्राम देवरा जा रहा था। बंशीपुर पुल के पास दो मोटर साइकल से आए अज्ञात बदमाशों ने फरियादी को जान से मारने की धमकी देते हुए उसका मोबाइल, नकदी 1500 रूपये और फरियादी की बहन के गले में पहना हुआ सोने का लॉकेट छीनकर भाग गए। फरियादी की रिपोर्ट पर थाना देहात मे अप क्र. 105/25 धारा 309(4),126(2),351(3),310(2)बीएनएस का पंजीबद्ध कर अज्ञात आरोपियों की पता तलाश शुरू की गई। फरियादी के द्वारा अज्ञात बदमाशों की एक मोटर साईकल श्झ19ँण5781 का नंबर रिपोर्ट में लेख कराया गया था, जिसके आधार पर पुलिस को अज्ञात आरोपियों तक पहुंचने में सफलता मिली। पुलिस के द्वारा संदेही 1. दिलीप उर्फ लच्छू रावत 2. नेन्दू रावत 3 प्रमोद रावत 4. विमलेश रावत 5. अरूण कुमार 6. आशीष रावत सभी निवासी बंशीपुर थाना कोतवाली मैहर को अभिरक्षा मे लेकर घटना के संबंध मे पूछताछ की गई तो उनके द्वारा फरियादी के साथ घटना कारित करना स्वीकार किया गया। आरोपियों के कब्जे से घटना में प्रयुक्त दोनो मोटर साईकिल एवम लूट का सामान बरामद किया गया है एवम आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायालय पेश किया गया। नाम पता गिरफ्तार आरोपी - 1. दिलीप उर्फ लच्छू रावत पिता पंचाई रावत उम्र 33 वर्ष 2. नेन्दू रावत पिता श्यामलाल रावत उम्र 35 वर्ष 3 प्रमोद रावत पिता राजकुमार रावत उम्र 22 वर्ष 4. विमलेश रावत पिता संतोष रावत उम्र 22 वर्ष। 5. अरूण कुमार कोल पिता किशोरीलाल कोल उम्र 22 वर्ष। 6. आशीष रावत पिता प्रेमलाल रावत उम्र 20 वर्ष सभी निवासी बंशीपुर थाना कोतवाली मैहर थाना मैहर जिला मैहर (म.प्र.) जप्ती मशरूका- दो मोबाईल फोन , एक सोने का लॉकेट , 1000 रूपये नगद , दो मोटर साईकल 1)अपाची श्झ19ँण5781,2) स्पलेण्डर मोटर साईकल क्र. श्झ19ँ2528 सराहनीय भूमिका निरी के एन बंजारे , उनि बंदना द्विवेदी , सउनि अनूप सिंह , सउनि समरजीत कोल, सउनि बी.एल रावत, प्र.आर. 196 श्यामलाल चौधरी, आर. 864 संजय यादव, आर. 1052 सौरभ लखेरा, आर. 446 विमल त्रिपाठी, आर. 165 सत्यनारायण गुप्ता ।

चिल्काडांड गांव में राष्ट्रीय पंचायती राज दिवस आयोजित

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
सोनभद्र। म्योरपुर ब्लॉक के ग्राम पंचायत चिल्का डांड पंचायत भवन

में गुरुवार को राष्ट्रीय पंचायती राज दिवस मनाया गया। पंचायत के सेक्रेटरी सुनील यादव और प्रधान हीरालाल की अगुवाई में कार्यक्रम आयोजित किया गया। ग्राम प्रधान हीरालाल ने बताया कि भारत लोकतांत्रिक व्यवस्था को जन-जन तक पहुंचाने के लिए पंचायती राज व्यवस्था शुरू की गई। प्रतिवर्ष 24 अप्रैल को राष्ट्रीय पंचायती राज दिवस मनाया जाता है। बताया की 24 अप्रैल 1993 को संविधान संशोधन के माध्यम से पंचायती राज संस्थाओं को संवैधानिक दर्जा मिला। इस संशोधन के बाद पूरे देश में त्रिस्तरीय पंचायत प्रणाली लागू की गई। साल 2010 में तत्कालीन प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह ने 24 अप्रैल को राष्ट्रीय पंचायती राज दिवस के रूप में घोषित किया गया था।पंचायत सचिव सुनील यादव ने सरकारी योजनाएं स्वच्छता ,पेयजल वृद्धापेंशन,निवास, आय ,जाति, आवास,राशनकार्ड, परिवार रजिस्टर केलिए जागरूक किया।

पाकिस्तान के 10 नागरिक रह रहे काशी में, सात विवाह और तलाक के आधार पर

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
वाराणसी । वाराणसी जिले में 10 पाकिस्तान के नागरिक रह रहे हैं।

इनमें से सात ऐसे लोग हैं जो विवाह और तलाक के आधार पर रह रहे हैं। इतना ही नहीं दो हिंदू बुजुर्ग महिलाओं ने नागरिकता के लिए आवेदन किए हैं। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में पर्यटकों पर आतंकी हमले के बाद केंद्र सरकार ने पाकिस्तान को लेकर सख्त रुख अख्तियार किया है। बुधवार को सुरक्षा मामलों की कैबिनेट समिति ने पाकिस्तानी नागरिकों का एसवीईएस वीजा रद्द करने सहित कई अन्य महत्वपूर्ण निर्णय लिए। इस क्रम में काशी में मौजूदा समय में पाकिस्तान के 10 नागरिक रह रहे हैं।पुलिस प्रशासन के अनुसार पाकिस्तान से लांग टर्म वीजा के तहत काशी आकर नौ लोग रह रहे हैं। इनमें से सात लोग विवाह और तलाक के आधार पर रह रहे हैं। जबकि, दो हिंदू बुजुर्ग महिलाएं भारतीय नागरिकता के लिए आवेदन देकर काशी में रह रही हैं। इसके अलावा एक 75 वर्षीय पाकिस्तानी बुजुर्ग 45 दिन के वीजा पर हाल ही में काशी आए हैं।पाकिस्तान के नागरिकों का एसवीईएस वीजा रद्द करने संबंधी सरकार की घोषणा को लेकर जिले के पुलिस और प्रशासनिक अधिकारियों से बात की गई। इस पर अफसरों ने कहा कि शीर्ष स्तर से जो भी गाइडलाइन आएगी, उसका अनुपालन सुनिश्चित कराया जाएगा।

62 योजनाओं में मिर्जापुर मंडल को ए प्लस श्रेणी

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
मिर्जापुर। आयुक्त कार्यालय सभागार में बुधवार को सीएम डैशबोर्ड की ग्रेडिंग के आधार पर विकास कार्यक्रमों की समीक्षा की गई। साथ ही कानून व्यवस्था की समीक्षा की गई। बताया गया कि मंडल को 62 योजनाओं में ए प्लस श्रेणी प्राप्त हुई। बैठक में मंडलायुक्त बालकृष्ण त्रिपाठी ने सी और डी श्रेणी पाने वाले विभागों के अधिकारियों को चेतावनी देते हुए विकास कार्यों में तेजी लाने और समय पर पूरा कराने के निर्देश दिए। उन्होंने गो आश्रय स्थलों में छाया, पेयजल और हरे चारा की व्यवस्था करने के निर्देश दिए। साथ ही कहा कि डीएम और सीडीओ गो आश्रय स्थलों का निरीक्षण कर व्यवस्थाएं दुरुस्त कराएं। उन्होंने कहा भीषण गर्मी में तालाब, पोखरों और कूपों की सूची बनाकर एक मई से उनमें पानी भरवानें का अभियान शुरू करें। स्वास्थ्य विभाग और आंगनबाड़ी के कार्यों की यूनीसेफ के सर्वे की समीक्षा की गई। कानून व्यवस्था की समीक्षा मंडलायुक्त व पुलिस महानिरीक्षक ने की। पुलिस महानिरीक्षक आरपी सिंह ने कहा कि थाना दिवस व तहसील दिवस में प्राप्त शिकायतों का राजस्व व पुलिस की टीम बनाकर संतोषजनक निस्तारण कराएं।

57-वर्षीय महिला की फोर्टिस नोएडा में योनि (वैजाइनल) प्रोलैप्स की सफल रोबोट सर्जरी संपन्न

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नोएडा। नोएडा फोर्टिस हॉस्पीटल ने गंभीर योनि प्रोलैप्स से ग्रस्त 57-वर्षीय महिला की रोबोट आधारित सर्जरी को सफलतापूर्वक अंजाम दिया है। मरीज पिछले करीब 20 वर्षों से योनि प्रोलैप्स से ग्रस्त थीं, उन्हें गर्भाशय हटाने (यूटरल रिमूवल सर्जरी) के बाद यह शिकायत हुई थी। वैजाइनल प्रोलैप्स में योनि का ऊपरी हिस्सा (जिसे वैजाइनल वॉल्ट कहते हैं), लटकने लगता है और नीचे की ओर गिरकर वैजाइनल कैनाल तक पहुंच जाता है। यह कंडीशन पेल्विक फ्लोर की मांसपेशियों, टिश्यूज़ और लिगामेंट्स में कमजोरी की वजह से पैदा होती है और इसमें अक्सर अंग अपनी सामान्य जगह से खिसक जाते हैं। इस जटिल प्रक्रिया को रोबोट-असिस्टेड सर्जरी की मदद से डॉ शैलेन्द्र गोयल, डायरेक्टर, यूरो-गाइनीकोलॉजी एंड रोबोटिक सर्जरी, फोर्टिस नोएडा ने सफलतापूर्वक पूरा किया। यह सर्जरी करीब दो घंटे चली, और दो ही दिन बाद मरीज को स्थिर अवस्था में अस्पताल से छुट्टी भी दे दी गई। फोर्टिस नोएडा में भर्ती के समय, मरीज काफी तकलीफ में थीं, और उनकी प्रोलैप्स्ड (फैली हुई या आगे की ओर निकली हुई) योनि में से रक्त-मिश्रित मवाद जैसा स्राव भी हो रहा था। उन्हें इस प्रोलैप्स्ड योनि की वजह से पेशाब करने और चलने-फिरने में भी काफी परेशानी हो रही थी। मरीज की एमआरआई जांच से स्टेज 4 वैजाइनल वॉल्ट

प्रोलैप्स का पता चला और साथ ही, योनि के जरिए मूत्राशय, छोटी आंत तथा मलाशय (रेक्टम) में हर्निया का भी पता चला। उनकी कंडीशन को देखते हुए, डॉक्टरों की टीम ने रोबोट की मदद से सैक्रो-कोलपोपेक्सी सर्जरी करने का फैसला किया, इस मिनीमॉली इन्वेसिव वैजाइनल लिफ्ट सर्जरी में एक खास किस्म के मेडिकल नेट (सर्जिकल मैश) की मदद से वैजाइनल वॉल्ट को सैकरम (रीढ़ की हड्डी का निचला सिरा) से जोड़ा जाता है। इस सर्जरी के लिए पेट में चार मामूली आकार के छेद किए गए और मरीज की नाजुक हालत के बावजूद इस प्रक्रिया को सफलतापूर्वक पूरा किया गया। मरीज को अन्य कई परेशानियां भी थीं - प्रोलैप्स्ड वैजाइनल टिश्यू और छोटी आंत, मूत्राशय, मलाशय के जोड़ों पर अल्सर (घाव) के अलावा सीओपीडी तथा अस्थमा की वजह से भी जटिलताएं बढ़ गई थीं। डॉ शैलेन्द्र गोयल, डायरेक्टर, यूरो-गाइनीकोलॉजी एंड रोबोटिक सर्जरी, फोर्टिस नोएडा ने इस मामले की जानकारी देते हुए कहा, वैजाइनल प्रोलैप्स ऐसी कंडीशन है जो प्रौढ़ एवं बुजुर्ग महिलाओं को, खासतौर से गर्भाशय हटने के बाद प्रभावित करती है। यह आमतौर पर पेल्विक फ्लोर मांसपेशियों की कमजोरी की वजह से पैदा होने वाली समस्या है। इसका इलाज नहीं होने पर मूत्र और मल-त्याग संबंधी परेशानियां पैदा हो सकती हैं, तथा अन्य कई जटिलताएं जैसे अल्सर बनना, इंफेक्शन और फिस्टुला बनने जैसी स्वास्थ्य समस्याएं भी उत्पन्न हो सकती हैं। यह काफी चुनौतीपूर्ण मामला था जो कि प्रालेक्प्स कंडीशन के लंबे समय से जारी रहने और कई पेल्विक अंगों के प्रभावित होने के कारण और भी जटिल बन चुका था। रोबोटिक असिस्टेंस ने सर्जरी के दौरान डिसेक्शन और मेश प्लेसमेंट में, खासतौर से मूत्राशय, छोटी आंत वं मलाशय के जोड़ों वाले स्थानों पर, काफी महत्वपूर्ण भूमिका निभायी। दा विंची शी रोबोट-एडेड सिस्टम से सर्जरी के दौरान हाइ-डेफिनेशन 3डी विज़न और बेहतर इंस्ट्रूमेंट कंट्रोल की सुविधा मिलती है, जो इस प्रकार की जटिल यूरोगाइनीकोलॉजी प्रक्रियाओं में खासतौर से कारगर साबित होता है।मोहित सिंह, जोनल डायरेक्टर, फोर्टिस हॉस्पीटल नोएडा ने कहा, इस मामले ने उन महिला रोगों के बारे में जागरूकता बढ़ाने के महत्व को रेखांकित किया है जिनका उपचार संभव है लेकिन कई महिलाएं जानकारी के अभाव में चुपचाप तकलीफ सहती रहती हैं। फोर्टिस नोएडा में, हम रोबोटिक सर्जरी जैसी अत्याधुनिक टेक्नोलॉजी की मदद से उन सर्जिकल समाधानों को उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध हैं जो हमारे मरीजों के लिए बेहतर परिणाम, त्वरित स्वास्थ्यलाभ और जीवन की बेहत गुणवत्ता सुनिश्चित करते हैं।

विश्व हिंदू परिषद तथा बजरंग दल नोएडा महानगर ने इस्लामी जिहादी का पुतला फूंका

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नोएडा। विश्व हिंदू बजरंग दल के कार्यकर्ताओं द्वारा कश्मीर के पहलगांव में हिन्दू पर्यटकों से धर्म पूछकर उनकी नृशंस हत्या के विरोध में इस्लामिक जिहाद का पुतला फूंक कर नारेबाजी की। विश्व हिंदू परिषद बजरंग दल के कार्यकर्ता नोएडा स्टेडियम गेट 4 में एकत्रित हुए। जहां उन्होंने इस्लामिक जिहाद का पुतला तैयार किया और कश्मीर के पहलगांव में हिन्दू पर्यटकों से धर्म पूछकर उनकी नृशंस हत्या के विरोध में जमकर नारेबाजी की।जिसके बाद इस्लामिक जिहाद के पुतले को लेजाकर डीएम चौक चौराहे पर पुतला फूंका कार्यकर्ताओं ने पुतला दहन के दौरान इस्लामिक जिहाद और पाकिस्तान के विरुद्ध कठोर कार्यवाही और मुंह तोड़ जवाब देने की मांग की।उन्होंने हिंदू पर्यटकों की मौत पर शोक भी व्यक्त किया और पाकिस्तान मुर्दाबाद के नारे लगाए और डीएम चौक पर 2 मिनट मौन रखा और सभी ने श्रद्धांजलि दी गई इस मौके पर नोएडा महानगर अध्यक्ष एवं प्रांत उपाध्यक्ष छाया जी , महानगर मंत्री दिनेश जी , विभाग मंत्री ललित जी, कोषाध्यक्ष अनिल जी , बजरंगदल संयोजक सुमित जी, उपाध्यक्ष सत्यवीर जी, सह मंत्री राजीव जी , धर्म प्रसार जितेंद्र जी , विधि प्रकोष्ठ प्रमुख विपुल जी, सत्संग प्रमुख विष्णु जी , प्रचार प्रमुख राहुल जी प्रकाश जी श्यामवीर की अजय जी एवं महानगर पूरी कार्यकारणी, मातृ शक्ति, दुर्गावाहिनी व प्रखण्ड , खण्ड के हज़ारों कार्यकर्त्ता व अन्य हिन्दू संगठनो के वरिष्ठ व प्रमुख लोग उपस्थित रहे।

आतंकी हमले का विरोध, सड़कों पर उतरे लोग

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
मिर्जापुर। कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले से हर तरफ गुस्सा और गम का माहौल दिख रहा है।

बुधवार को जिले में लोग सड़कों पर उतर आए। कहीं, आतंकवाद का पुतला फूंका गया तो कहीं मोमबत्ती जलाकर हमले में मारे गए लोगों को श्रद्धांजलि दी गई। चिनियहवा इनारा चौराहे पर हिंदू युवा वाहिनी के कार्यकर्ताओं ने आतंकवाद का पुतला फूंका। निवर्तमान जिला संयोजक अमित श्रीनेत ने कहा कि कश्मीर में जिस प्रकार धर्म पूछकर गोली मारी गई, उससे स्पष्ट है कि पूरी दुनिया में इस्लामिक आतंकवाद गंभीर समस्या बन गया है। इस दौरान सुनील सिंह, अंशु साहू, पवन मालवीय, बालाजी, सुधीर गुप्ता आदि थे। वहीं, कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने आवास विकास कॉलोनी स्थित राजीव गांधी पार्क में मोमबत्ती जलाकर मृतकों को श्रद्धांजलि दी। प्रदेश कांग्रेस कमेटी के सदस्य छोटे खान, सुधाकर, शशि भूषण दुबे कंचनीय, राजधार दुबे, रमेश प्रजापति पप्पू, संतोष यादव, अशोक कुमार गुप्ता आदि थे। नगर पालिका कार्यालय के कार्यालय में दो मिनट का मौन रख दिवगंत लोगों की आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की गई। नगर पालिका अध्यक्ष श्याम सुंदर केसरी ने कहा कि आतंकियों की करतूत से पूरा देश गुस्से में है। इस मौके पर कर निर्धारण अधिकारी अरविंद यादव, कर अधीक्षक सरदेंदु सिंह, विनोद गुप्ता, राजित यादव, संजय पटेल, अनिल जायसवाल आदि मौजूद रहे। विंध्याचल में नगर विधायक के शिविर कार्यालय पर राज्यसभा सांसद व भाजपा के राष्ट्रीय महामंत्री भाजपा राधा मोहन दास अग्रवाल के नेतृत्व में मृतकों को श्रद्धाजलि अर्पित की गई। राज्यसभा सांसद ने कहा कि पर्यटकों पर हमला करने वाले आतंकियों को बख्शा नहीं जाएगा। नगर विधायक पं. रत्नाकर मिश्र ने कहा कि यह हृदयविदारक घटना है। मुझे विश्वास है कि हमारे प्रधानमंत्री और गृह मंत्री आतंकियों पर कठोर कार्रवाई करेंगे। इस दौरान भाजपा के पश्चिमी मंडल अध्यक्ष नितिन विश्वकर्मा, उमेश सिंह, उमेश तिवारी, राहुल जैन आदि थे। सपा के जिला कार्यालय से कलेक्ट्रेट तक कैंडल मार्च भी निकाला गया। इसके बाद मृतकों को श्रद्धांजलि दी गई दी। इसमें जिलाध्यक्ष देवी प्रसाद चौधरी, मेवालाल प्रजापति, अंकुर यादव, प्रिंस राव, विनोद सिंह, रंजीत फौजी, अहमद नवाज आदि शामिल थे। उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार प्रतिमंडल के सदस्यों ने श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए आतंकवाद का पुतला फूंका। वरिष्ठ प्रांतीय उपाध्यक्ष शत्रुघ्न केसरी ने कहा कि इस घटना की जितनी निंदा की जाए, कम है।

नौकरी से निकल जाने के खिलाफ मैसर्स-बीएचईएल कम्पनी के समक्ष दूसरे दिन भी जारी रहा श्रमिकों का धरना प्रदर्शन- सीट

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नोएडा। नोएडा, श्रम कानूनों के तहत मिलने वाली विधिक सुविधाओं की मांग करने पर गैर कानूनी तरीके से नौकरी से निकाले जाने के खिलाफ मैसर्स- भारत हैवी इलेक्ट्रीकल्स लिमिटेड प्लॉट नंबर- 25, सेक्टर 16 ए फिल्म सिटी नोएडा के मुख्य गेट के समक्ष सीटू के बैनर तले श्रमिकों का धरना आज दूसरे दिन भी जोर-शोर से जारी रहा। धरना प्रदर्शन को सीटू जिलाध्यक्ष गंगेश्वर दत्त शर्मा, महासचिव रामसागर ने संबोधित किया और कहा की समस्याओं के समाधान होने तक आंदोलन जारी रहेगा।

25 साल पुरानी मशीन का रिकॉर्ड, गाजीपुर से फ्रांस, श्रीलंका और स्विट्जरलैंड तक हो रहा अफीम का निर्यात

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
वाराणसी । देश की सबसे पुरानी अफीम फैक्टरी गाजीपुर में स्थित है। इसके अलावा एक फैक्टरी मध्य प्रदेश के नीमच में है। यहां से फ्रांस, श्रीलंका और स्विट्जरलैंड तक अफीम का निर्यात हो रहा है। गाजीपुर जनपद में स्थापित देश की सबसे पुरानी अफीम फैक्टरी के चलते गाजीपुर का अंतरराष्ट्रीय संबंध मजबूत हुआ। यहां से अफीम के कच्चे माल से निकलने वाले और दवाओं में प्रयोग होने वाले मार्फिन, कोडीन फॉस्फेट, थीवेन, नास्कोपीन, आईएमओ पाउडर देश की नामचीन कंपनियों के अलावा फ्रांस, श्रीलंका और स्विट्जरलैंड तक भेजा जाता है।25 साल पुरानी मशीनों के होने के बाद भी यहां क्षमता से 21 हजार किलो अधिक चार्ज (दवाओं में प्रयोग होने वाले माल की पहली प्रक्रिया में निकलने वाला सामान) हो रहा है। देश में इस समय दो ही अफीम फैक्टरियां हैं। इनमें एक मध्य प्रदेश के नीमच और दूसरी गाजीपुर में है। 45 एकड़ रकबे में गाजीपुर फैक्टरी परिसर की स्थापना 1820 में ब्रिटिश ईस्ट इंडिया कंपनी ने की थी। हालांकि कंपनी के पास 215 एकड़ भूमि है। कंपनी से जुड़े लोगों के मुताबिक ब्रिटिश कॉल में ईस्ट इंडिया कंपनी ने देश में दो एजेंसी बनाई, जिनमें एक पटना एजेंसी तो दूसरी गाजीपुर में बनारस एजेंसी के नाम से थी। ब्रिटिश सरकार यहां के किसानों से अफीम की खेती करवाते थे, जिससे वे सस्ते दाम पर कच्चा माल उपलब्ध कराते थे और फैक्टरी में इसे प्रॉसेस करके बेचते थे। इससे उन्हें भारी लाभ मिलता था। यहां आईसीएस (अब आईएएस) रैंक के अधिकारियों की तैनाती होती थी, जो ओपियन एजेंट (अव जनरल मैनेजर) कहे जाते थे। वह उस समय देश की राजधानी कलकत्ता में बैठने वाले वाइस रैक (जनरल गवर्नर) हेड को सीधे रिपोर्ट करते। हालांकि चीन ने अत्यधिक अफीम स्टोर होने और वहां के लोगों को लत लगने के कारण लेने से इंकार कर दिए थे, जो जिले से जलमार्ग से कलकत्ता और वहां से चीन एक्सपोर्ट किया जाता था। बताते हैं कि ब्रिटिश साम्राज्य के 1839 में अफीम व्यापार भी चीन में प्रथम अफीम युद्धों को जन्म दिया था। हालांकि गाजीपुर और आसपास के के जिलों में अफीम की खेती धीरे-धीरे कम होती गई। 1911 में पटना का कारखाना बंद हो गया, लेकिन गाजीपुर की अफीम फैक्ट्री चलती रही। हालांकि यहां कच्चा माल सीधे लिया जाना बंद हो गया। इस समय राजस्थान के चित्तौड़ और बाराबंकी यूनिट से ओपियम गम गाजीपुर मंगाया जा रहा है। मौजूदा समय में फैक्टरी की क्षमता 60 हजार किलोग्राम चार्ज की है लेकिन पिछले वित्तीय वर्ष में 81 किग्रा चार्ज किया, जो दवाओं में उपयोग किए जाते हैं। कंपनियां च्यवनप्राश, कफ सीरप से लेकर कैंसर के मरीजों को दी जाने वाली दवाएं बनाने तक में इसका उपयोग करती हैं। उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश और राजस्थान में अफीम की खेती होती है। प्रदेश में अफीम की खेती बाराबंकी, बरेली, गाजीपुर और मऊ में होती है।

हालांकि निर्धारित क्षेत्र में अफीम की खेती आसानी से की जा सकती है, बशर्ते इसके लिए सीबीएन (सेंट्रल ब्यूरो ऑफ नॉरकोटिक्स) से लाइसेंस प्राप्त करना अनिवार्य है। विभाग से जुड़े अधिकारी बताते हैं इसके लिए दो प्रकार का पट्टा (लाइसेंस) दिया जाता है। एक लैसिंग का पट्टा और दूसरा विना लैसिंग का पट्टा। बिना लाइसेंसिंग वाले पट्टे में खेती करने वालों को पूरा फल देना होता है, जबकि लैसिंग के पट्टे लेने वाले को गम निकालकर देना होता है। वर्तमान समय में लैसिंग का पट्टा बाराबंकी में 674 और बिना लैसिंग का 3739 लोगों को दिया गया है।

बॉलीवुड/टैली मसाला

'चोर बजारीष्ठ' सॉन्ग को लेकर क्यों ट्रोल हुए राजकुमार राव-वामिका, यूजर को नहीं भाया गाना

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

सोनभद्र। फिल्म 'भूल चूक माफ' का नया गाना 'चोर बजारीष्ठ' रिलीज हो चुका है। इस गाने को सोशल मीडिया यूजर ट्रोल कर रहे हैं। जानिए क्या है इस ट्रोलिंग की वजह राजकुमार राव अब तक कई रोमांटिक कॉमेडी फिल्म का हिस्सा बन चुके हैं। जल्द ही उनकी फिल्म 'भूल चूक माफ' सिनेमाघरों में रिलीज होगी। इस रोमांटिक कॉमेडी ड्रामा फिल्म की कहानी टाइम लूप पर है। हाल ही में इस फिल्म का गाना 'चोर बजारीष्ठ' रिलीज हुआ है। इस गाने को कुछ लोगों ने पसंद किया, वहीं कुछ इसे ट्रोल करते दिखे। सोशल मीडिया पर फिल्म 'भूल चूक माफ' का नया गाना 'चोर बजारी दो नैनोंष्ठ' को सुनकर म्यूजिक लवर्स को सैफ अली खान की फिल्म 'लव आज कल' याद आ गईं। इसी फिल्म में पहली बार इस गाने को सुना गया। अब राजकुमार राव की फिल्म में इस गाने को रीमेक किया गया है। गाने को रीमेक किए जाने पर ही कई यूजर्स नाराज नजर आए। एक यूजर लिखता है, 'क्या कोई ओरिजिनल सॉन्ग भी है इस फिल्म में।' वहीं दूसरे यूजर ने लिखा, 'इससे अच्छा ओरिजिनल सॉन्ग ही फिल्म में रख लेते, रीमेक करके इसे खराब कर दिया।' ऐसा भी नहीं है किसी को गाना भाया नहीं, राजकुमार राव के कुछ फैंस को गाना पसंद आया।फिल्म 'भूल चूक माफ' टाइम लूप की कहानी को कहती है। फिल्म के लीड कैरेक्टर रंजन (राजकुमार राव) और तितली (वामिका गब्बी) की शादी की तैयारी चल रही है लेकिन हल्दी वाले दिन के बाद शादी का दिन आता नहीं है, एक लूप में वहीं दिन आता है और जाता है। इस बात से फिल्म का हीरो परेशान हो जाता है। क्या रंजन की शादी हो पाती है, वह टाइम लूप से कैसे बाहर आता है इस पर फिल्म बनी है। इस फिल्म को करण शर्मा ने डायरेक्ट किया है। राजकुमार राव की फिल्म में संजय मिश्रा भी नजर आएंगे, वह फिल्म में कॉमेडी करते दिखेंगे। इनके अलावा फिल्म में वामिका गब्बी, जाकिर हुसैन और रघुबीर यादव भी अभिनय कर रहे हैं।

कन्नड़ अभिनेता बैंक जनार्दन का निधन, 76 वर्ष की आयु में ली अंतिम सांस

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। दिग्गज कन्नड़ अभिनेता जनार्दन का रविवार को निधन हो गया। अभिनेता ने 76 वर्ष की आयु में अंतिम सांस ली। वह लंबी बीमारी से जूझ रहे थे।दिग्गज कन्नड़ अभिनेता जनार्दन का रविवार रात बेंगलुरु के एक निजी अस्पताल में अभिनेता ने 76 वर्ष की आयु में अंतिम सांस ली। अभिनेता को 'बैंक जनार्दन' के नाम से भी जाना जाता था। रिपोर्ट के अनुसार, वह लंबे समय से बीमारी से जूझ रहे थे। उन्हें हाल ही में अस्पताल में भर्ती कराया गया था। अभिनेता के निधन की खबर आते ही इंडस्ट्री शोक में डूब गई। उनके प्रशंसकों और कई दिग्गजों ने शोक प्रकट किया है।अभिनेता को कथित तौर पर साल 2023 में दिल का दौरा पड़ने के बाद से अस्वस्थ थे। समय के साथ उनका स्वास्थ्य बिगड़ता जा रहा था। खराब स्वास्थ्य के चलते उन्होंने अस्पताल के बिस्तर पर दम तोड़ दिया।मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक अभिनेता जनार्दन के निधन के बाद, अस्पताल से अभिनेता की आखिरी तस्वीर वायरल हो रही है। वायर तस्वीर में वह अस्पताल के बिस्तर पर कमजोर और पहचान में ना आने वाली स्थिति में दिख रहे हैं। उनके शरीर में कई ट्यूब लगी हुई थीं।अभिनेता ने अपने चार दशकों से ज्यादा के करियर में 500 से अधिक फिल्मों और शो में अभिनय किया। उन्हें उनके कॉमिक रोल के लिए जाना जाता था। अभिनेता ने अपने करियर की शुरुआत थिएटर से की। उन्हें 'बैंक जनार्दन' का उपनाम भी मिला, क्योंकि उन्होंने कुछ समय के लिए बैंक में भी काम किया था। जनार्दन की कुछ सबसे शानदार फिल्मों में शाह, तरले नान मगा, बेलियप्पा बंगरप्पा, जी बूमबा, गणेश सुब्रमण्य और कौरव शामिल हैं। उन्होंने जोकली, रोबो फैमिली, पापा पांडु और मंगल्या सहित कई टेलीविजन शो में भी काम किया है।

रविवार को 'जाट' ने की छप्परफाड़ कमाई, 'गुड बैड अग्ली' की मजबूत पकड़ भी बरकरार

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। बॉक्स ऑफिस पर रविवार को 'जाट' की रफ्तार तेज नजर आई। वहीं, गुड बैड अग्ली ने भी चौथे दिन शानदार कलेक्शन किया। हालांकि, सिकंदर छुट्टी वाले दिन भी अच्छा कलेक्शन करने में नाकाम रही।सिनेमाघरों में इन दिनों गजब का माहौल है। हर फिल्म दर्शकों का दिल जीतने के लिए पूरी ताकत झोंक रही है। रविवार को बॉक्स ऑफिस पर कुछ फिल्मों ने धमाल मचाया तो कुछ अपनी रफ्तार बढ़ाने में नाकाम रहीं। सनी देओल की 'जाट' ने दर्शकों में जोश भरा। वहीं, अजित कुमार की 'गुड बैड अग्ली' नेभी खूब रंग जमाया, लेकिन सलमान खान की 'सिकंदर' अब बॉक्स ऑफिस पर दम तोड़ती दिख रही है। आइए इन फिल्मों के रविवार के कलेक्शन के बारे में जानते हैं 'जाट' में सनी देओल का देसी ठाठ दर्शकों को खूब भा रहा है। रविवार को इस फिल्म ने 14 करोड़ रुपये की शानदार कमाई की। अब इसका कुल कलेक्शन 40.25 करोड़ रुपये हो गया है। 100 करोड़ रुपये के बजट वाली इस फिल्म ने पहले दिन नौ करोड़ 50 लाख रुपये, दूसरे दिन सात करोड़ और तीसरे दिन 10 करोड़ रुपये जुटाए थे। सनी का गुस्से भरा अंदाज और दमदार कहानी लोगों को सिनेमाघरों तक खींचने में कामयाब रही है। 'जाट' की यह रफ्तार इसके लिए अच्छी खबर है। रविवार की कमाई बताती है कि दर्शक इस फिल्म को पसंद कर रहे हैं। अगर यह जोश अगले कुछ दिनों तक बना रहा तो 'जाट' न सिर्फ अपनी लागत वसूल कर लेगी, बल्कि बॉक्स ऑफिस पर एक मजबूत आंकड़ा भी छू सकती है। 'गुड बैड अग्ली' में अजित कुमार का जलवा कायम है। रविवार को फिल्म ने 20.5 करोड़ रुपये का दमदार कलेक्शन किया। इसके साथ इसका कुल कलेक्शन 84.5 करोड़ रुपये पहुंच गया। 190 करोड़ के बड़े बजट वाली इस फिल्म ने पहले दिन 28.5 करोड़, दूसरे दिन 13.5 करोड़ और तीसरे दिन 18.5 करोड़ रुपये कमाए। अजित का स्टाइलिश एक्शन और कहानी का रोमांच दर्शकों को सिनेमाघरों में बांधे रखने में कामयाब हो रहा है। हालांकि, बजट की रकम पार करने के लिए इसे अभी और मेहनत करनी है, लेकिन रविवार का प्रदर्शन दिखाता है कि यह फिल्म अभी भी बॉक्स ऑफिस पर पकड़ बनाए हुए है।'सिकंदर' से सलमान खान के फैंस को बड़ी उम्मीदें थीं, लेकिन यह फिल्म अब पूरी तरह से फ्लॉप हो चुकी है। रविवार यानी 15वें दिन फिल्म ने सिर्फ 54 लाख रुपये कमाए। इसका कुल कलेक्शन अब 109.04 करोड़ रुपये है। 200 करोड़ के बजट वाली इस फिल्म ने पहले दिन 26 करोड़ की जोरदार शुरुआत की थी, लेकिन इसके बाद यह दर्शकों पर अपना जादू नहीं चला सकी।

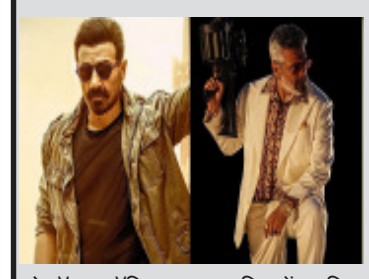

शो में चलते-चलते लड़खड़ाईं हिना खान, खुद को संभाला तो फैंस बोले- 'शेर खान'

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। हिना खान का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। इस वीडियो में अभिनेत्री एक फैशन शो के दौरान लड़खड़ा जाती हैं। अब उनके फैंस इस पर अपनी प्रतिक्रिया दे रहे हैं। अभिनेत्री हिना खान स्टेज 3 ब्रेस्ट कैंसर से जूझ रही हैं। उनके जज्बे और बहादुरी के लिए फैंस उन्हें शेर खान कहकर बुलाते हैं। हिना का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। इस वीडियो में रैंप वॉक करते हुए वह लड़खड़ा जाती हैं। हालांकि, अभिनेत्री ने खुद का संभाल लिया। उनके फैंस इस पर अपनी प्रतिक्रिया दे रही हैं। शनिवार को हिना खान ने मुंबई में एक फैशन शो में डिजाइनर कियायो के लिए रैंप वॉक किया। इस दौरान वह अपनी लंबी स्कर्ट के साथ संघर्ष करती नजर आईं। अभिनेत्री रैंप दो बार लड़खड़ा गईं। हालांकि, उन्होंने खुद को शालीनता और संतुलन के साथ संभाला। बिना किसी परेशानी के, वह जल्द ही मुस्कुराती हुई ठीक हो गईं और हर कदम पर आत्मविश्वास से भरकर चलना जारी रखा। वायरल हो रहे वीडियो में हिना एक लंबी, फ्लोई ब्लैक स्कर्ट के साथ हैंडमेड पूरी आस्तीन वाली जैकेट में बेहद खूबसूरत लग रही थीं। अभिनेत्री ने प्रशंसकों को आश्चर्यचकित कर दिया कि वह हर बार लड़खड़ाने पर कितनी खूबसूरती से वापस लौटती हैं। एक यूजर ने कमेंट किया, 'उन्होंने इसे शालीनता से संभाला।' जबकि दूसरे ने लिखा, 'उन्होंने ज्यादा रिएक्शन नहीं दिया।' एक अन्य ने उन्हें 'शेरनी और शेर खानष्ठ' कहा। जून 2024 में हिना खान ने स्टेज-3 ब्रेस्ट कैंसर पीड़ित होने का खुलासा किया। अभिनेत्री ने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम अकाउंट पर लिखा, ठमुझे स्टेज तीन ब्रेस्ट कैंसर का पता चला है। इस चुनौतीपूर्ण बीमारी के बावजूद, मैं सभी को आश्वस्त करना चाहती हूं कि मैं ठीक हूं। मैं इस बीमारी पर काबू पाने के लिए मजबूत, दृढ़ निश्चयी और पूरी तरह से प्रतिबद्ध हूं। मेरा इलाज शुरू हो चुका है। मैं इससे और भी मजबूत होकर उभरने के लिए हर संभव प्रयास करने के लिए तैयार हूं।ठ हिना खान के वर्क फ्रंट की बात करें तो उन्हें आखिरी बार वेब सीरीज गृह लक्ष्मी में देखा गया।

अमिताभ ने सोशल मीडिया पर पूछा फॉलोअर्स बढ़ाने का जुगाड़, लोगों ने बता डाली निंजा टेक्निक

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। अमिताभ बच्चन फिल्मों के अलावा सोशल मीडिया पर भी काफी ज्यादा सक्रिय रहते हैं। हाल ही में उन्होंने एक्स पर फॉलोअर्स बढ़ाने के उपाय पूछे। इसके बाद लोगों ने उन्हें एक से बढ़कर एक आइडिया दे डाला। अमिताभ बच्चन का जलवा सिर्फ बड़े पर्दे तक सीमित नहीं है। उनकी आवाज, उनका अंदाज और उनकी सादगी दशकों से लोगों के दिलों पर राज कर रही है। सोशल मीडिया पर भी बिग बी का अलग ही रंग नजर आता है। वह अपने प्रशंसकों से हर दिन कुछ न कुछ साझा करते हैं, चाहे वह उनकी जिंदगी की छोटी-छोटी बातें हों या फिर उनके ब्लॉग के जरिए कोई खास संदेश। हाल ही में अमिताभ ने एक्स पर अपने फॉलोअर्स को लेकर एक मजेदार सवाल पूछा। उन्होंने लिखा, ठबड़ी कोशिश कर रहे हैं, लेकिन ये 49 मिलियन फॉलोअर्स का आंकड़ा बढ़ ही नहीं रहा। कोई तरीका हो तो बताइए। इस पोस्ट के बाद फैंस ने मजेदार और दिलचस्प जवाबों की बौछार कर दी। किसी ने उन्हें सलाह दी कि वह एलन मस्क की कंपनी के बनाए चैटबॉट ग्रोक का इस्तेमाल करें। वहीं, कुछ प्रशंसकों ने हंसी-मजाक में कमाल के आइडिया दिए। एक यूजर ने लिखा, ठसर, आप मुझे फॉलो कर लें और देखें अगला माइलस्टोन भी पूरा हो जाएगा।ठ दूसरे ने चुटकी लेते हुए कहा, ठरेखा जी के साथ एक सेल्फी डालकर देखिएठ एक और फैन ने सुझाव दिया, ठजया जी के साथ एक तस्वीर डालिए।ठ कुछ प्रशंसकों ने गंभीर सलाह भी दी। उन्होंने कहा कि अमिताभ को एक ब्लॉकबस्टर फिल्म करनी चाहिए या फिर जेन-जी यानी युवाओं से जुड़ने के लिए एक पॉडकास्ट शुरू करना चाहिए।फिल्मों की बात करें तो अमिताभ आखिरी बार 'कल्कि 2898 एडी' में नजर आए थे। इस फिल्म में उनके किरदार को खूब पसंद किया गया। बॉक्स ऑफिस पर इस फिल्म ने शानदार कारोबार किया था। अब फैंस इस फिल्म की अगली कड़ी का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं।

एक ही सीन में गोविंदा ने निभाए थे कई किरदार, रानी मुखर्जी से अफेयर की उड़ी थी चर्चा

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। गोविंदा ने नब्बे के दशक में एक से बढ़कर एक कॉमेडी फिल्में कीं। साल 2000 में भी एक कॉमेडी फिल्म 'हद कर दी आपने' में वह रानी मुखर्जी के साथ नजर आए। आज इस फिल्म की सिल्वर जुबली है। जानिए, 'हद कर दी आपने' फिल्म से जुड़ी कुछ खास बातें। जब भी बॉलीवुड में कॉमेडी फिल्मों का जिक्र होता है, इस लिस्ट में गोविंदा की कई फिल्में शामिल हो जाती हैं। गोविंदा की ही चर्चित फिल्मों में से एक 'हद कर दी आपने' भी है। फिल्म को मनोज अग्रवाल ने निर्देशित किया था। यह एक रोमांटिक कॉमेडी फिल्म थी, जिसमें गोविंदा ने राजू नाम का किरदार निभाया। रानी मुखर्जी ने फिल्म में अंजलि नाम की लड़की का किरदार निभाया। राजू और अंजलि की मुलाकात यूरोप में होती है। दोनों अपने दोस्तों के कहने पर यूरोप जाते हैं, वह अपने दोस्तों की एक खास काम में मदद करना चाहते हैं। इसी कहानी को लेकर कॉमेडी, रोमांस फिल्म 'हद कर दी आपने में दिखाया गया। इस फिल्म ने आज अपनी सिल्वर जुबली (14 अप्रैल 2000) पूरी कर ली है। जानिए, गोविंदा की फिल्म 'हद कर दी आपने' से जुड़ी कुछ खास बातें। फिल्म 'हद कर दी आपने' के हर सीन में गोविंदा अपनी कॉमेडी से दर्शकों को खूब हंसाते हैं। सबसे ज्यादा हंसी दर्शकों को तब आती है, जब चंद मिनट के एक सीन में गोविंदा टीवी के अंदर घुसकर अलग-अलग किरदार निभाते हैं। सीन कुछ इस तरह है कि गोविंदा का किरदार एक आदमी की जासूसी कर रहा है, वह उसकी तस्वीरें एक लड़की के साथ छिपकर क्लिक करता है। यह काम राजू, होटल रूम के पर्दे के पीछे छुपकर करता है। अचानक उस आदमी को लगता है कि कोई उसके कमरे में है। ऐसे में गोविंदा का किरदार राजू होटल रूम के टीवी के अंदर घुस जाता है। यह सीन लॉजिकल नहीं है लेकिन कॉमेडी से भरा है। राजू टीवी के अंदर से अलग-अलग भाषाओं में गाने गाता है, इसी दौरान कभी वह चाइनीज आदमी बन जाता है, कभी अरब का शेख बनता है तो कभी एक मराठी आदमी का गेटअप लेता है। इस सीन में गोविंदा ने दर्शकों को भरपूर हंसाया है। फिल्म का यही सीन सबसे ज्यादा पॉपुलर है और आज भी खूब देखा जाता है। फिल्म में गोविंदा की हीरोइन रानी मुखर्जी थीं, इनकी जोड़ी को दर्शकों ने काफी पसंद किया। बताते चलें कि रानी इस फिल्म के लिए पहली पसंद नहीं थीं। पहले महिमा चौधरी को यह फिल्म ऑफर हुई लेकिन एक्ट्रेस के पास डेट्स नहीं थीं तो बाद में रानी को यह फिल्म मिली। गोविंदा, रानी मुखर्जी के अलावा फिल्म में जॉनी लीवर, परेश रावल, तनाज ईरानी, राकेश बेदी, अवतार गिल, विजू खोटे, स्मिता जयकर जैसे कलाकार भी नजर आएं। जॉनी लीवर, परेश रावल, राकेश बेदी, विजू खोटे जैसे कलाकारों ने फिल्म में जमकर कॉमेडी की। इन सभी कलाकारों को दर्शकों ने काफी सराहा। गोविंदा की फिल्म 'हद कर दी आपने' के बॉक्स ऑफिस कलेक्शन की बात करें तो इसने भारत में 11 करोड़ रुपये की कमाई की। फिल्म का बजट 7 करोड़ रुपये बताया जाता है। इस तरह से गोविंदा और रानी के अभिनय, कॉमेडी से सजी यह फिल्म बॉक्स ऑफिर पर सेमी हिट साबित हुई। कुछ मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार गोविंदा की इस फिल्म का रीमेक बनने की बात सामने आई लेकिन अभी तक इस खबर को लेकर कोई अपडेट नहीं है।

पहलगाम हमले के बाद फिल्म जगत के इस फैसले का माधवन ने किया समर्थन, दी यह प्रतिक्रिया

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

सोनभद्र। पहलगाम हमले के बाद हर कोई इस हादसे से दुखी है और अपनी संवेदनाएं प्रकट कर रहा है। इसी क्रम में फिल्म जगत ने भी इस हमले में जान गंवाने वाले लोगों के प्रति सम्मान दिखाते हुए और अपनी संवेदनाएं प्रकट करते हुए एक फैसला लिया है। जानिए क्या है वो फैसला जिसका अभिनेता आर माधवन ने किया समर्थन।अभिनेता आर माधवन ने जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद फिल्म संबंधी कार्यक्रमों को रद्द करने के फिल्म फेटरनिटी के फैसले का समर्थन किया है। यह फैसला आतंकी हमले के पीड़ितों और उनके परिवारों के प्रति सम्मान व एकजुटता के प्रतीक के रूप में लिया गया है। आर माधवन ने इसको लेकर अपने इंस्टाग्राम पर एक स्टोरी साझा की है। माधवन ने अपनी स्टोरी पर एक पोस्ट को री-शेयर करते हुए एक हाथ जोड़े वाला इमोजी शेयर किया है। मुंबई के एक फोटोग्राफर द्वारा शेयर की गई यह पोस्ट हमले के बाद बॉलीवुड में होने वाले प्रभाव के बारे में थी, जिसमें फिल्म से संबंधित कार्यक्रम आयोजित न करने का इंडस्ट्री का फैसला भी शामिल था जिस पोस्ट को माधवन ने साझा किया है, उस पोस्ट में लिखा था, मौजूदा स्थिति को देखते हुए फिल्म के टीजर, ट्रेलर और लॉन्च इवेंट रद्द कर दिए गए हैं। इसके अलावा कई ब्रांड लॉन्च के साथ-साथ एक प्रमुख पुरस्कार समारोह भी रद्द कर दिया गया है। अन्य सभी उद्योगों की तरह हमारा फिल्म उद्योग भी इस कठिन समय के दौरान दुख, शोक और एकजुटता को साझा करता है।ङ्क आर माधवन ने अपने इंस्टाग्राम स्टोरी पर इस पोस्ट को साझा करके निर्णय के प्रति अपना समर्थन दिखाया। इससे पहले अभिनेता आर माधवन ने पहलगाम में हुए आतंकी हमले पर भी शोक व्यक्त किया था। अभिनेता ने अपने इंस्टाग्राम पर इस क्रूर हमले की निंदा करते हुए एक नोट शेयर किया था। इसमें उन्होंने लिखा था, भयभीत, निराश, स्तब्ध, गहरा सदमा और दुख, दिल दहला देने वाला पहलगाम हमला। गुस्सा, क्रोध, बदला और प्रतिशोध। नाश, विनाश, एक उदाहरण स्थापित करो, कायर अपराधी।

सोहा ने मनाया मां शर्मिला की बंगाली सिनेमा में वापसी का जश्न, तस्वीरें साझा कर लिखा भावुक नोट

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। शर्मिला टैगोर 14 साल बाद बंगाली सिनेमा में 'पुरातन' के साथ वापसी की है, जो उनकी इस भाषा की आखिरी फिल्म हो सकती है। अब सोहा अली खान ने इस पल का जश्न मनाया है।दिग्गज अभिनेत्री शर्मिला टैगोर ने 14 साल बाद बंगाली सिनेमा में 'पुरातन' के साथ वापसी की है, लेकिन उन्होंने यह भी संकेत दिया कि यह उनकी नई बंगाली फिल्म हो सकती है और साथ ही यह उनकी आखिरी फिल्म भी हो सकती है। इस बीच शर्मिला की बेटी अभिनेत्री सोहा अली खान ने अपनी मां की फिल्म की तारीफ की।इंस्टाग्राम पर सोहा ने अपनी हालिया फिल्म से शर्मिला टैगोर की तस्वीरों की एक सीरीज साझा की। तस्वीरों के साथ सोहा ने कैप्शन में लिखा, 'पुरातन' में अम्मा का जश्न मनाते हुए, लगभग दो दशकों के बाद बंगाली सिनेमा में उनकी शानदार वापसी। बीटीएस तस्वीरें, जैसा कि किसी ने एक बार मुझसे कहा था- हमारे लिए शर्मिला ठाकुर एक व्यक्ति नहीं हैं, वह एक भावना हैं।'हालांकि, हाल ही में फिल्म की रिलीज से पहले शर्मिला ने अपनी यात्रा, अपने स्वास्थ्य और इस प्रोजेक्ट को इतना खास बनाने वाली बातों पर अपने विचार साझा किए थे। सुमन घोष द्वारा निर्देशित 'पुरातन' में शर्मिला एक आधुनिक समय की कॉर्पोरेट महिला की बुजुर्ग मां की सशक्त भूमिका में हैं, जिसका किरदार रितुपर्णा सेनगुप्ता ने निभाया है। शर्मिला ने कहा कि यह भूमिका उनके दिल के बहुत करीब है।उन्होंने इसे एक ऐसी भूमिका बताया, जो हमेशा नहीं मिलती।

स्वात्वाधिसकसार एवं मुद्रक डा0 दीपक अरोरा द्वारा रामा प्रिन्टर्स 53/25/1 ए बेली रोड न्यू कटरा प्रयागराज (उ.प्र.) 211002 से मुद्रित एवं सी-41 यूपी एसआईडीसी औद्योगिक क्षेत्र नैनी प्रयागराज। (उ.प्र.) 211010 से प्रकाशित।

सस्पादक/प्रकाशक डा0 पुनीत अरोरा

मो0न0-09415608710

RNI No. UPHIN/2015/63398

website:www.adhuniksamachar.com

नोट- इस समाचार पत्र मे प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हंतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होगा।